बालाघाट
बुधवार 15 अप्रैल 2026
वैशाख कृष्ण 13 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 200
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 76,847.57
निफ्टी - 23,842.65
सोना - 1,53,930
चांदी - 2,55,000
डॉलर - 93.06

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## खास खबर

### 1 करोड़ की अफीम-डोडा जब्त

चतरा। चतरा पुलिस ने लावालौंग क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 1 करोड़ रुपये की अफीम और डोडा जब्त किया है। यह कार्रवाई एसपी सुमित अग्रवाल के नेतृत्व में की गई, जिसमें छह तस्करों के घरों से नशे का जखीरा बरामद हुआ। हालांकि तस्कर भागने में कामयाब रहे। पिछले तीन दिनों के भीतर लावालौंग क्षेत्र में यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है, जिसमें अफीम माफियाओं के नेटवर्क को ध्वस्त किया गया है। पुलिस ने तस्करों के घरों से उनके आधार कार्ड भी बरामद किए हैं। चतरा एसपी सुमित अग्रवाल को मिली एक गोपनीय सूचना के आधार पर यह अभियान चलाया गया। सूचना थी कि रिमी पंचायत के खाखर गांव में आधा दर्जन तस्कर अपने घरों में भारी मात्रा में अफीम और डोडा जमा कर रहे हैं। तस्कर इस नशे को बाहरी व्यापारियों को बेचने की योजना बना रहे थे।

### गोदरेज ग्रुप के नए चेयरपर्सन बनेंगे पिरोजशा

नई दिल्ली। 127 साल पुराने गोदरेज ग्रुप ने अपनी उत्तराधिकार योजना का औपचारिक ऐलान कर दिया है। समूह के मौजूदा चेयरमैन नादिर गोदरेज अगले साल अगस्त 2026 में अपने पद से रिटायर होंगे। उनकी जगह उनके बड़े भाई आदि गोदरेज के बेटे पिरोजशा गोदरेज (45) समूह की कमान संभालेंगे। पिरोजशा 14 अगस्त 2026 से गोदरेज इंडस्ट्रीज समूह और गोदरेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरपर्सन का पद संभालेंगे। यह बदलाव समूह की नई पीढ़ी को नेतृत्व सौंपने और भविष्य के रणनीतिक विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। समूह के वर्तमान चेयरमैन नादिर गोदरेज जब अगस्त 2026 में रिटायर होंगे, तब उनकी उम्र 75 वर्ष होगी। रिटायरमेंट के बाद वे पूरी तरह से कंपनी से अलग नहीं होंगे, बल्कि चेयरमैन एमेरिटस की भूमिका में रहकर नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

### कार्तिक स्वामी मंदिर के कपाट खुले

भरमौर। हिमाचल प्रदेश के भरमौर में मशहूर कार्तिक स्वामी मंदिर कुगती के कपाट 134 दिन बाद मंगलवार को विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। लगभग चार महीने तेरह दिन तक बंद रहने के बाद मंदिर खुलने से पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बन गया है। मंदिर में पूरी रात जागरण चलता रहा। इसमें हिमाचल के अलावा पंजाब, हरियाणा, जम्मू समेत कई राज्यों के सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। मंगलवार सुबह विशेष पूजा, हवन और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर के कपाट खोले गए। अब विभिन्न प्रदेशों से भरमौर पहुंचे श्रद्धालु कार्तिक स्वामी के दर्शन कर रहे हैं। बता दें कि, सर्दियों में कुगती में भारी बर्फबारी होती है। यहां पर 15 नवंबर के आसपास हिमपात शुरू हो जाता है।

## कुछ ना कहना

### महिला आरक्षण बिल पर विशेष सत्र कल से, सांसदों को अब तक नहीं मिला ड्राफ्ट, विपक्ष ने उठाए सवाल, कहा

# लोकतंत्र और सांसदों का मजाक उड़ा रही सरकार

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के लिए बिल के मसौदे को मंजूरी दे दी है। इस पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र 16 अप्रैल से बुलाया गया है, लेकिन अब तक महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन बिल सांसदों को उपलब्ध नहीं कराए को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने सरकार पर संसद का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया है। ओ ब्रायन ने कहा कि महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े महत्वपूर्ण बिलों का मसौदा (ड्राफ्ट) अभी तक सांसदों को नहीं मिला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा कि वे लगातार संसद का मजाक उड़ा रहे हैं। ओ ब्रायन ने सरकार के इस रवैये को तानाशाही बताया है।

वही, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को संसद के आगामी विशेष सत्र को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया और इसे लोकतंत्र का मजाक बताया। उन्होंने सत्र के समय पर भी सवाल उठाया और दावा किया कि सांसदों को चर्चा से पहले संवैधानिक संशोधन विधेयक उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। संसद के विशेष सत्र में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 से संबंधित प्रमुख संवैधानिक संशोधनों पर विचार-विमर्श होने की उम्मीद है। एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने लिखा कि संसद का विशेष सत्र परसों यानी 16 अप्रैल को शुरू होगा जब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार अपने चरम पर होगा। मोदी सरकार ने विपक्ष के उन बिल्कुल उचित और वैध अनुरोधों को खारिज कर दिया है जिनमें चुनाव समाप्त होने के बाद (आज से पंद्रह दिन बाद) सर्वदलीय बैठक बुलाने की बात कही गई थी। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि मोदी सरकार ने सांसदों के साथ संविधान संशोधन विधेयक साझा नहीं किए हैं, जिन पर उन्हें बहस और मतदान करना है। यह लोकतंत्र का घोर मजाक है।

**लोकसभा सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव**

सरकार ने 2029 के लोकसभा चुनावों से महिला आरक्षण अधिनियम लागू करने के लिए लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव रखा है। सूत्रों के अनुसार, इनमें से 815 सीटें राज्यों के लिए और बाकी 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रस्तावित हैं। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। सरकार 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद के विशेष सत्र में 2029 से लोकसभा में 33त्र महिला आरक्षण लागू करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाने की योजना बना रही है। सरकार ने मंगलवार को संविधान (131वां संशोधन) बिल, परिसीमन विधेयक (संशोधन) बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल, 2026 ड्राफ्ट सभी सांसदों को भेजे हैं। एक और जरूरी बदलाव जनसंख्या की परिभाषा है। इससे संसद को यह तय करने का अधिकार मिलता है कि सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए किस डेटा को आधार बनाया जाए। इसके लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाने की बात कही गई है।

### सीएम ममता ने भाजपा को बताया, बांग्ला-विरोधी जमींदार, कहा

# मां-माटी-मानुष सरकार चौथी बार करेगी वापसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनावी रैली के दौरान भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने विपक्षी दल को बांग्ला-विरोधी जमींदार बताते हुए आरोप लगाया कि भाजपा राज्य के लोगों को बांटने और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी रैली का वीडियो साझा करते हुए बीरभूम, पूर्व और पश्चिम बर्धमान और बांकुड़ा के मतदाताओं से अपील की कि वे टीएमसी को लगातार चौथी बार सत्ता में लाएं। उन्होंने लिखा कि राज्य की जनता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और पिछले 15 वर्षों में जो कुछ भी हासिल हुआ है, वह मां-माटी-मानुष की साझी ताकत का नतीजा है।

उन्होंने कहा कि मेरे भाई-बहन मेरी सबसे बड़ी पूंजी हैं। बीरभूम, पूर्व और पश्चिम बर्धमान व बांकुड़ा ने मुझे प्यार और आशीर्वाद का ऋणी बना दिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी मां-माटी-मानुष सरकार ऐतिहासिक चौथी बार वापसी करेगी। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर साजिश का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ ताकतें पश्चिम बंगाल के लोगों को बांटने और अपमानित करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं आपको वचन देती हूं कि जब तक मैं सांस ले रही हूं, इस धरती और इसके लोगों को कोई नुकसान नहीं होने दूंगी। मैं आखिरी दम तक बंगाल और यहां के हर व्यक्ति की रक्षा के लिए लड़ूंगी।

**सभी लोगों को एकजुट होने की अपील**

ममता ने सभी जाति, धर्म, वर्ग और समुदाय के लोगों से एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि वे बांग्ला-विरोधी जमींदारों के खिलाफ एक मजबूत दीवार बनकर खड़े हों। उन्होंने कहा कि जो लोग राज्य को बदनाम करने, लोकतांत्रिक अधिकार छीनने और जनता का शोषण करने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें हराया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के टीएमसी उम्मीदवारों के पक्ष में वोट करने की अपील की। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होने हैं, जबकि नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। इस बार राज्य में मुकाबला बेहद दिलचस्प माना जा रहा है, जहां टीएमसी चौथी बार सत्ता में वापसी की कोशिश में है, वहीं भाजपा पिछले चुनावों में मजबूत प्रदर्शन के बाद पहली बार सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ मैदान में है।

# सम्राट चौधरी होंगे बिहार के नए मुख्यमंत्री

### भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए, आज शपथ

पटना। सम्राट चौधरी बिहार के नए सीएम होंगे। उन्हें भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है। एनडीए की बैठक के बाद इसकी ऑपचारिक घोषणा हो जाएगी। बुधवार 15 अप्रैल को लोकभवन में शपथग्रहण समारोह होगा।

**इस्तीफा देकर नीतीश बोले- नई सरकार काम देखेगी**

नीतीश कुमार ने मंगलवार को बिहार के मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दिया। वे सम्राट चौधरी और विजय चौधरी के साथ एक ही गाड़ी से राजभवन पहुंचे और राज्यपाल को इस्तीफा सौंपा। इस्तीफे के बाद उन्होंने एक्स पर लिखा- अब नई सरकार यहां का काम देखेगी। नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग रहेगा। आगे भी बहुत अच्छा काम होगा, बिहार बहुत आगे बढ़ेगा।

**जहां तक हो सका बिहार के लिए काम किया**

नीतीश के इस्तीफे से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे। उनके साथ सम्राट चौधरी और भाजपा के कई सीनियर लीडर्स भी थे। आज नीतीश कैबिनेट की आखिरी बैठक हुई। जहां नीतीश ने कहा - 2005 में मैं सरकार में आया, जहां तक मुझसे हो सका मैंने किया, नई सरकार को मेरा मार्गदर्शन मिलता रहेगा।

### बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

# बिना रिमांड दो महीने लॉकअप में रखना गैरकानूनी, तीन बांग्लादेशी नागरिकों की रिहाई के आदेश

मुंबई, । बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि भारत में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को बिना कानूनी प्रक्रिया पूरी किए पुलिस थाने के लॉकअप में लंबे समय तक रखना पूरी तरह गैरकानूनी है। कोर्ट ने मुंबई पुलिस की हिरासत में रखे गए तीन बांग्लादेशी नागरिकों को तुरंत रिहा करने के निर्देश दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, मुंबई पुलिस ने 15 फरवरी को दोपहर करीब 12.30 बजे मानखुर्द लल्लूभाई कंपाउंड इलाके से मोहम्मद अब्दुल अलीम, उनके बेटे इब्राहिम और एक अन्य व्यक्ति को बांग्लादेशी घुसपैठिया होने के शक में हिरासत में लिया था। हालांकि, इन तीनों के खिलाफ कोई औपचारिक मामला दर्ज नहीं किया गया था और न ही उन्हें कभी अदालत के सामने रिमांड के लिए पेश किया गया। बताया गया कि तीनों को फरवरी से लगातार पुलिस लॉकअप में रखा गया था। चुनाभट्टी पुलिस स्टेशन में पूछताछ के बावजूद उनके खिलाफ कोई स्पष्ट कार्रवाई सामने नहीं आई। इस मामले में मोहम्मद अब्दुल अलीम की पत्नी सलमा ने वकील अशरफ खान के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिका में कहा गया कि पुलिस ने न तो गिरफ्तारी की आधिकारिक जानकारी दी, न ही लिखित कारण बताए और न ही अदालत से रिमांड लिया—जिससे यह पूरी कार्रवाई अवैध और मनमानी साबित होती है। इस याचिका पर सुनवाई न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल और न्यायमूर्ति संदेश पाटील की खंडपीठ के सामने हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि बिना औपचारिक गिरफ्तारी के किसी को लॉकअप में रखना कानून के खिलाफ है। कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि इन लोगों को पुलिस थाने में रखने के बजाय डिटेंशन सेंटर में क्यों नहीं भेजा गया। इस पर राज्य सरकार की ओर से मुख्य सरकारी वकील मनकुंवर देशमुख ने दलील दी कि डिटेंशन सेंटर में जगह उपलब्ध नहीं थी। हाईकोर्ट के सख्त रुख के बाद सरकारी पक्ष ने अदालत को आश्वासन दिया कि तीनों व्यक्तियों को तत्काल रिहा कर दिया जाएगा। साथ ही, उनके खिलाफ कानून के तहत आगे की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

### पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

जेवर। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती की तबीयत वृंदावन से लौटते समय खराब हो गई। उन्हें तत्काल जेवर के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी तबीयत बिगड़ने की खबर मिलते ही कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता उनसे मिलने पहुंचे। बुलंदशहर अनूपशहर के विधायक संजय शर्मा भी अस्पताल पहुंचे। रबूपुरा नगर पंचायत के अध्यक्ष शशांक सिंह भी उमा भारती का हाल जानने के लिए अस्पताल पहुंचे।

इससे पहले सोमवार को उमा भारती ने वृंदावन में कात्यायनी देवी मंदिर में देवी के दर्शन कर पूजा अर्चना की थी। उन्होंने वहां देश में गौ रक्षा, राष्ट्र की सुरक्षा एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि व काशी विश्वनाथ की मुक्ति के लिए देवी मां से प्रार्थना की। उन्होंने दर्शन करने के बाद वृंदावन में यमुना नदी में हुए हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया था। इसे अत्यंत दुखद घटना बताते हुए कहा था कि इतने लंबे समय बाद ऐसा हृदयविदारक हादसा हुआ है, जिससे न केवल हम, बल्कि स्वयं यमुना मैया भी दुखी होंगी। हादसे की जिम्मेदारी के सवाल पर उन्होंने कहा कि नाव की क्षमता और लापरवाही जैसे बिंदु जांच का विषय हैं, जिस पर प्रशासन काम कर रहा होगा। उन्होंने इस संवेदनशील मुद्दे पर किसी भी तरह की राजनीतिक बयानबाजी से इनकार किया।

# चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल 18 और डीजल 35 रूपये होंगे महंगा!

**- तेल कंपनियों का दबाव बढ़ा, उपभोक्ताओं पर पड़ेगा असर**
**- एक्साइज कटौती के बाद भी राहत नहीं, कंपनियों का घाटा जारी**

नई दिल्ली । कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतों के चलते देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्वारी की एक रिपोर्ट के अनुसार पेट्रोल करीब 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल 35 रुपए प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेन्ट क्रूड ऑयल महंगा होने के बावजूद भारत में फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखे गए हैं, जिससे तेल कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। अनुमान है कि पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद कंपनियां कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती हैं। मौजूदा स्थिति में तेल कंपनियों को प्रति लीटर पेट्रोल पर लगभग 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए तक का नुकसान हो रहा है। पिछले महीने जब कच्चे तेल की कीमतें अपने उच्च स्तर पर थीं, तब तीनों प्रमुख तेल कंपनियों को प्रतिदिन करीब 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा। हालांकि केंद्र सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती के बाद यह घाटा घटकर करीब 1,600 करोड़ रुपए प्रतिदिन रह गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी से कंपनियों का नुकसान करीब 6 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ जाता है। ऐसे में आने वाले समय में उपभोक्ताओं पर ईंधन महंगाई का सीधा असर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का फायदा भारतीय तेल कंपनियों को बड़े पैमाने पर हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब-जब क्रूड ऑयल सस्ता हुआ, तब सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने पेट्रोल और डीजल के दामों में उसी अनुपात में कटौती नहीं की, जिससे उन्हें उल्लेखनीय मुनाफा हुआ।

# वेदांता पावर प्लांट में धमाका, 10 की मौत

### बॉयलर फटने से 30-40 मजदूर झुलसे, परिजनों ने किया हंगामा

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया। हादसे में 4 मजदूरों की मौत हो गई है। एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने इसकी पुष्टि की है। वहीं 30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए हैं। 18 घायलों को रायगढ़ के जिंदल फोर्टिस अस्पताल लाया गया है, जहां 6 मजदूरों की मौत की खबर है। घटना डभरा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में हर रोज की तरह सामान्य काम चल रहा था। इस दौरान अचानक दोपहर करीब 2 बजे बॉयलर ब्लास्ट हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और प्रशासन अधिकारी मौके पर पहुंचे। ट्यूब फटने से हादसा हुआ है। 11 घायलों को खरसिया के पद्मावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घटना पर दुख जताया है। वहीं पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने एक्स पर लिखा- पीड़ितों के लिए उचित मुआवजे और घायलों के उपचार की व्यवस्था की जाए।

विस्फोट इतना तेज था कि इसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी, जिससे आसपास के ग्रामीण भी दहशत में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और राहत-बचाव दल तत्काल मौके पर पहुंच गए। घायलों को एंबुलेंस की सहायता से नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे के बाद प्लांट प्रबंधन के अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्य तेजी से जारी है, साथ ही घटना के कारणों की जांच के निर्देश भी दे दिए गए हैं। फिलहाल, मृतकों और घायलों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।

# देवभूमि में प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत, 12 किमी लंबे रोड शो में बड़ी संख्या में उमड़े लोग

### प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, देवभूमि से मिलती है ऊर्जा

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के लोकार्पण के अवसर पर देहरादून पहुंचे, जहां उनका भव्य और ऐतिहासिक स्वागत हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री ने प्रसिद्ध डाट काली मंदिर में पूजा-अर्चना से की, जहां उन्होंने देश और उत्तराखंड की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इसके बाद प्रधानमंत्री ने देहरादून कैंट स्थित सभा स्थल तक लगभग 12 किलोमीटर लंबा रोड शो किया। यह रोड शो कई मायनों में खास रहा, क्योंकि बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री द्वारा किया गया यह अब तक का सबसे लंबा रोड शो है। रोड शो के दौरान सड़कों के दोनों ओर हजारों की संख्या में

युवा, महिलाएं और आमजन मौजूद रहे। 'भारत माता की जय' के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और हर कोई प्रधानमंत्री की एक झलक पाने को उत्सुक नजर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हाथ जोड़कर और हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। जनता के इस अपार प्रेम और समर्थन से वे बेहद प्रसन्न और उत्साहित दिखाई दिए। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने इस अभूतपूर्व स्वागत का जिक्र करते हुए कहा कि देवभूमि उत्तराखंड से उन्हें हमेशा विशेष ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों का स्नेह और आशीर्वाद उन्हें देश के विकास के लिए और अधिक प्रेरित करता है, और वे इस बार भी उत्तराखंड से नई ऊर्जा लेकर जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में रोड शो में उमड़े जन सैलाब और लोगों के प्यार पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि 12 किलोमीटर लंबे रोड शो में जनता का प्यार देखते हुए वह तेजी से वाहन चलवाकर

# अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर की बात

नई दिल्ली। इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान की शांति वार्ता फेल होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की है। ट्रंप और पीएम मोदी के बीच फोन पर यह बातचीत 40 मिनट तक चली है। ईरान युद्ध के दौरान यह दूसरी बार है जब ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बात की है।

जानकारी के मुताबिक, 40 मिनट तक चली इस बातचीत में भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर बात हुई। बातचीत के आखिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप से यह कहा कि भारत के लोग आपसे प्यार करते हैं।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच कई बड़े मुद्दों पर बातचीत हुई है। शांति वार्ता में भारत की भूमिका को लेकर भी चर्चा हुई है। उन्होंने बताया कि अगले महीने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत आने वाले हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर ट्रंप के साथ हुई बातचीत की जानकारी दी। उन्होंने कहा, मेरे दोस्त, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फोन आया। हमने कई क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय सहयोग में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की। हम सभी क्षेत्रों में अपनी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और ज्यादा सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा की और होर्मुज स्ट्रेट को खुला और सुरक्षित रखने के महत्व पर जोर दिया। पीएम मोदी और ट्रंप के बीच इससे पहले 24 मार्च को बातचीत हुई थी। ईरान युद्ध के बीच दोनों की यह पहली बातचीत थी। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रू पर पोस्ट कर बताया था कि राष्ट्रपति ट्रंप का फोन आया और पश्चिम एशिया की स्थिति पर बात हुई।

# जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती

## 135 वीं जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन, संविधान निर्माता बाबा साहब को किया गया याद

## माल्यार्पण, जयघोष रैली, उदभोदन सहित अन्य कार्यक्रम सम्पन्न, बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** संविधान के रचयिता भारत रत्न डॉ भीमराव आम्बेडकर की जयंती 14 अप्रैल मंगलवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई ।जहां जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर सामाजिक बंधुओं ने बाबासाहेब आंबेडकर को याद कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया ।डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की 135वी जयंती पर नगर मुख्यालय सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक बंधुओं द्वारा रैली निकालकर बाबासाहेब डॉ भीमराव आंबेडकर का जयघोष किया।तो वहीं जगह जगह मंचीय कार्यक्रमों के आयोजन कर संविधान रचयिता डॉ भीमराव आंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए भारतीय समाज में दिए गए उनके योगदान और संविधान में प्रदत्त शक्तियों की जानकारी आम लोगों को देते हुए भारतीय संविधान का अनुसरण करने की बात कही गई। जहां 14 अप्रैल मंगलवार की सुबह से शुरू हुए कार्यक्रमों का यह दौर देर रात तक जारी रहा।

बाबासाहेब आबेडकर 135 वी जयंती पर जिले भर में सुबह से लेकर देर रात तक कार्यक्रमों का दौर जारी रहा।जहां नगर में बाबा साहेब आम्बेडकर के अनुयायियो ने सुबह आंबेडकर चौक पहुचकर बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष कैंडल जलाकर पुष्प अर्पित कर ,शीश वंदन के साथ विशेष उपासना की। तो वही बौध्य अनुयायियों द्वारा जगह-जगह दिन भर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। जहां नगर में कार्यक्रमों की शुरुआत में पूज्य भंते धम्मशिखर जी द्वारा आंबेडकरवादियों को त्रिशरण पंचशील ग्रहण करवाया और बाबा साहब एवं तथागत गौतम बुद्ध के भी सामाजिक लोगों के प्रति दिखाई गये भाव से अवगत कराया।वही पूर्व से निर्धारित विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत की गई।

### माल्यार्पण कर वक्ताओं ने डॉ बाबासाहेब आंबेडकर को किया याद

इस दौरान विभिन्न वक्ताओं ने कार्यक्रम के दौरान बाबा साहेब आम्बेडकर को याद कर उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला, तो वहीं उन्होंने बाबासाहेब आम्बेडकर के किए गए संघर्षों का वर्णन करते हुए भारतीय संविधान का निर्माण, समाज सुधार के लिए किए गए कार्य सहित देशवासियों को दिए गए हक अधिकार के बारे में अवगत कराते हुए समाज संगठन को एक रूप कर डॉ बाबासाहेब अंबेडकर के बताए हुए मार्ग पर चलने की बात कही। वही उपस्थित जन समूह ने डॉ बाबासाहेब आम्बेडकर का जय घोष किया गया तो वही प्रसाद वितरण सहित अन्य कार्यक्रम संपन्न कराए गए।

### देर रात केक कटिंग के साथ कि भव्य आतिशबाजी

सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के तत्वावधान में अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या से विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जहां 13 अप्रैल को शाम 6 बजे अंबेडकर चौक से मोटर साइकिल रैली निकाली गई। जिसके बाद रात 10 बजे से बहुजन महापुरुषों पर आधारित गीतों पर नवरंग लावनी एवं आर्केस्ट्रा का आयोजन स्थानीय उत्कृष्ट स्कूल मैदान में किया गया। जिसके बाद 12 बजते ही व 14 अप्रैल के शुरु होते ही आतिशबाजी कर बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस दौरान रात्रि में अंबेडकर चौक पर केक कटिंग व भव्य आतिशबाजी भी देखने को मिली

### भीम गीतों पर जमकर थिरके युवा

11 से 14 अप्रैल तक आयोजित समानता पर्व के अंतिम दिन 14 अप्रैल को संविधान रचयिता डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ मनाई गयी, जिसके तहत दिनभर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। इस दौरान मंगलवार सुबह 9 बजे विभिन्न स्थानों से झांकिया व रैलियां स्थानीय अम्बेडकर चौक पहुंची। यहां पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर, सामूहिक बुद्ध वंदना पूज्य भंते धम्मशिखर द्वारा की गई। इसके उपरांत आल इंडिया समता सैनिक एवं समता सैनिक दल द्वारा मार्चपास्ट कर ,सलामी दी गई।जिसके बाद विभिन्न वार्डों से आई झांकियो एवं रैली का स्वागत वंदन किया गया और प्रात करीब 10 बजे बाबा साहेब आंबेडकर चौक से भव्य रैली नगर भ्रमण के लिए निकाली गई, जो नगर के विभिन्न मार्गो का भ्रमण करते हुए वापस डॉ. अंबेडकर चौक पहुची।जहां इस रैली का समापन किया गया।तो वही नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में भोजनदान कार्यक्रम संपन्न कराया गया।वहीं 14 अप्रैल दोपहर नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में मंचीय कार्यक्रम कराए गए। इसके उपरांत रात में मिशनरी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।जिसमें बालाघाट सहित विभिन्न जगहों से पधारे कवियो ने अपनी विभिन्न उमदा रचनाओं की प्रस्तुति दी। जिसका देर रात समापन किया गया।

## भरवेली में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई आम्बेडकर जयंती

### विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन, मुस्लिम समाज ने फल और शरबत का किया वितरण

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिला मुख्यालय से 5 किमी दूर ग्राम

पंचायत भरवेली में भी संविधान रचयिता डॉ बाबासाहेब आम्बेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जहां सामाजिक बंधुओ ने रैली निकाल कर बाबा साहेब आम्बेडकर के संदेशों को जन जन तक पहुंचाने का काम किया। इस दौरान भरवेली हीरापुर सहित अन्य आसपास के ग्रामो में जगह-जगह बाबा साहेब आम्बेडकर और विभिन्न महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका जय घोष किया गया। तो वही जगह-जगह सभा का आयोजन कर बाबा साहब आम्बेडकर की जीवनी पर प्रकाश डालकर उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। जहां प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी भरवेली में सुबह से लेकर देर रात तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए तो वही इस रैली में शामिल युवा भीम गीतों पर झूमते नाचते नजर आए।

हर साल की तरह इस साल भी भारत रत्न डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर अनुयायियों द्वारा निकाले गए जुलूस में मुस्लिम समाज के लोगों ने ना केवल बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया ।बल्कि समाज द्वारा रैली का भव्य स्वागत भी किया गया।वही फल वितरित कर, शरबत पिलाकर, एकता और भाईचारे का संदेश दिया।इस दौरान भरवेली जमात के सदर फरीद खान यंग मुस्लिम कमेटी के अध्यक्ष और सामाजिक कार्यकर्ता इमरान खान, मोबीन खान, फारूक शेख, सोहेल खान डॉ फिरोज खान, अहफाज खान, राजा भाई, रेहान शेख, रजा शेख, साहिल शेख, तौफीक खान, और शाहरुख खान सहित मुस्लिम समाज के अन्य युवा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता इमरान खान ने कहा कि संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ बाबासाहेब अंबेडकर ने देश में समानता और भाईचारे का संदेश दिया, छूत और अछूत के भेदभाव को खत्म किया।उन्होंने अपना सारा जीवन दलितों और पिछड़ों के उत्थान में लगा दिया, न जाने देश हित में कितने काम किये कि उनके जाने के सालों बाद ऐसे महामानव को जनता याद कर रही है और बड़े ही धूमधाम से डॉ बाबासाहेब अंबेडकर का जन्म दिवस मना रही है।उन्होंने कहा कि मॉयल नगरी भरवेली में जब भी किसी महापुरुष या किसी समाज कोई कार्यक्रम मनाया जाता है तो इस कार्यक्रम में सभी समाज के लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहते हैं और एकता और भाईचारे का पैगाम भरवेली की जनता की ओर से हमेशा दिया जाता है।

## गायत्री शक्तिपीठ में मनाई गई अंबेडकर जयंती

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** नगर के बस स्टैंड भिलाई रोड स्थित गायत्री शक्तिपीठ लांजी में गायत्री परिवार के कार्यकताओं द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। गायत्री शक्तिपीठ के परिवाजक विनोद तिड़के ने जानकारी में बताया कि सर्वप्रथम बाबा साहब के छाया चित्र के सामने दीप प्रज्वलन कर माल्यार्पण किया गया तथा

सभी उपस्थित परिजनों के द्वारा फूल चढ़ाकर नमन-वन्दन किया गया। गायत्री परिवार द्वारा चलाये जा रहे मानव मात्र- एक समान अभियान के लिये उनके जीवन चरित्र को याद किया गया। गायत्री परिवार के अन्य कार्यक्रम पर्यावरण एवं जल संवर्धन पर भी चर्चा की गई। इस पावन अवसर पर गायत्री परिवार के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी किसनलाल मेहरबान, तहसील संयोजक कवन लाल लिल्हारे, ट्रस्टी सूरजलाल बिलावर, पूरनलाल जैतवार, श्रीमती शोभा देवी वर्मा, श्रीमती प्रमिला तिड़के एवं कार्यकर्ता नरेन्द्र बनोठे, रामदयाल बड़गैया, छबूलाल दमाहे, भावेश तिड़के प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

## श्रीमति उर्मिलाबाई आसटकर पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम ग्राम सोगलपुर निवासी नेतराम जी आसटकर की धर्मपत्नी श्रीमति उर्मिलाबाई आसटकर का 65 वर्ष की आयु में 14 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार 14 अप्रैल को दोपहर 1 बजे सोगलपुर के मोक्षधाम में किया गया। आप अपने पीछे एक पुत्र एवं दो पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गई। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में इष्टमित्र, रिश्तेदार, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों ने शामिल होकर उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की तथा इस दुख की घड़ी में ईश्वर से परिवार को शक्ति प्रदान करने तथा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की।

## श्रीमती कांताबाई रक्शे का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी । क्षेत्र के ग्राम कुम्हारीकला निवासी स्व.नत्थुलाल नक्शे की धर्म पत्नी श्रीमती कांता बाई रक्शे का 70 वर्ष की आयु में 14 अप्रैल को शाम 4:30 बजे निधन हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्र व एक पुत्री का भरा पुरा परिवार छोड़ इस लोक से विदा हो गई। इनका अंतिम संस्कार आज 15 अप्रैल को स्थानीय मोक्षधाम कुम्हारीकला में 11 बजे किया जाएगा। आपके निधन पर जनप्रतिनिधि, सामाजिक गणों, इष्ट मित्रो,नाते रिश्तेदारों के द्वारा शोक संवेदना व्यक्त करते हुये परमपिता परमेश्वर से मृत आत्मा के शांति के लिये तथा इस दुख की घड़ी में परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की गई है।

# नारी शक्ति वंदन पखवाड़े के तहत बालाघाट में निकली भव्य महिला रैली

## महिला सशक्तिकरण और आरक्षण विधेयक के समर्थन में उमड़ा जनसैलाब

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिले में 10 से 25 अप्रैल तक चल रहे नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण को लेकर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 14 अप्रैल को सांसद श्रीमती भारती पारधी की अगुवाई में भव्य महिला रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और बालिकाओं की सहभागिता देखने को मिली। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के मार्गदर्शन में आयोजित इस रैली में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाएं उत्साहपूर्वक शामिल हुईं। महिलाओं ने हाथों में महिला सशक्तिकरण से संबंधित संदेश लिखी तख्तियां लेकर जागरूकता का संदेश दिया। रैली सांदीपनि स्कूल से थाना कोतवाली होते हुए अम्बेडकर चौक पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, शिक्षाविद श्रीमती लता एलकर, पार्षदगण, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर, वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक रचना चौधरी सहित अनेक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर महिलाओं से नरेन्द्र मोदी की पहल पर संसद में प्रस्तुत किए जा रहे महिला

आरक्षण विधेयक के समर्थन का आह्वान किया गया। अपने संबोधन में सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कहा कि संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण बिल प्रस्तुत किया जा रहा है, जिस पर 16, 17 एवं 18 अप्रैल को विस्तृत चर्चा होगी। इस विधेयक के पारित होने से लोकसभा एवं विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जिससे महिलाओं को नेतृत्व के अधिक अवसर प्राप्त होंगे और वे सशक्त रूप से निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी कर सकेंगी। कार्यक्रम में श्रीमती शीला पटले एवं श्रीमती इंद्राणी वाकडे द्वारा महिला आरक्षण विधेयक की उपलब्धियों एवं इससे महिलाओं को होने वाले लाभों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। अंत में नारी शक्ति वंदन के अंतर्गत पदयात्रा निकालकर आमजन को महिला आरक्षण अधिनियम के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं द्वारा इस ऐतिहासिक अधिनियम के लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त किया कार्यक्रम में पूर्व मंत्री रामकिशोर कांवरे, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं आम नागरिक भी उपस्थित रहे। रैली के माध्यम से महिलाओं ने एकजुट होकर अपने अधिकारों, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए आवाज बुलंद की तथा समाज में समानता और भागीदारी का मजबूत संदेश दिया।

## पांढरवानी पंचायत में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई डॉ. अंबेडकर जयंती

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी में 14 अप्रैल को भारतीय संविधान के शिल्पकार भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ पांढरवानी सरपंच अनीस खान एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ। सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सभी ने डॉ. बाबा साहब के संघर्षों को याद करते हुए उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित पदाधिकारियों ने डॉ. बाबा साहब के जीवन दर्शन और देशहित में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। सरपंच अनीस खान ने कहा कि बाबा साहब ने हमें विश्व का सबसे श्रेष्ठ संविधान दिया है, जो सभी को समानता का अधिकार प्रदान करता है। उनके द्वारा दिखाये गये शिक्षित बनने और संगठित रहने के मार्ग पर चलकर ही समाज और देश का वास्तविक विकास संभव है। वहीं कार्यक्रम के अंत में सभी ने एकजुट होकर देश की एकता और अखंडता को बनाये रखने का आव्हान किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं पंचायतकर्मी उपस्थित रहे।

किराये से देना है
काली पुतली चौक बालाघाट मेन रोड पर स्थित स्टेट बैंक के बाजू में कमरा, ऑफिस एवं दुकान के लिये किराये से देना है।
संपर्क करें- 8516809720

# बकरी पालन योजना से बदली संदीप सैय्याम की जिंदगी, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिले के परसवाड़ा तहसील अंतर्गत ग्राम चीनी (पोस्ट-भिड़ी) के निवासी पशुपालक संदीप सैय्याम आज बकरी पालन के माध्यम से आत्मनिर्भरता की मिसाल बन रहे हैं। बैंक ऋण एवं शासकीय अनुदान से संचालित 10+1 बकरी पालन इकाई योजना ने उनके जीवन को नई दिशा दी है। इस योजना के अंतर्गत संदीप सैय्याम को 10 देशी नस्ल की बकरियां एवं एक उन्नत नस्ल का जमनापरी बकरा प्रदान किया गया। इस इकाई की कुल लागत 77 हजार 456 रुपये रही, जिसमें 46 हजार 474 रुपये शासकीय अनुदान, 23 हजार 236 रुपये बैंक ऋण तथा 07 हजार 746 रुपये हितग्राही अंशदान शामिल रहा। संदीप सैय्याम ने प्राप्त राशि का योजनानुसार समुचित उपयोग करते हुए बकरियों की संख्या बढ़ाई और उनके लिए उच्च गुणवत्ता वाला संतुलित आहार भी खरीदा। पहले जहां उनके पास सीमित संख्या में बकरियां थीं, वहीं अब इस योजना के माध्यम से पशुधन में वृद्धि हुई है, जिससे उनकी आय के नए स्रोत विकसित हुए हैं। पूर्व में उनका परिवार केवल कृषि और मजदूरी पर निर्भर था, जिससे जीवनयापन में कठिनाई होती थी। लेकिन अब बकरी पालन व्यवसाय ने उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। मात्र दो माह में उनकी बकरियों से 3 बच्चों (2 बकरी एवं 1 बकरा) का जन्म हुआ, जिनका वर्तमान बाजार मूल्य लगभग 15 हजार रुपये आंका गया है। पशुपालन विभाग की ओर से भी उन्हें निरंतर सहयोग मिल रहा है। पशु चिकित्सकों द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण एवं आहार प्रबंधन की जानकारी दी जा रही है, जिससे पशुधन स्वस्थ और उत्पादक बना हुआ है। संदीप सैय्याम की यह सफलता कहानी न केवल अन्य ग्रामीणों के लिए प्रेरणास्रोत है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शासकीय योजनाओं का सही उपयोग कर ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण संभव है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## न्यूज गैलरी

### प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक सम्पन्न

**पद्मेश न्यूज । बालाघाट ।** प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा बालाघाट की मासिक बैठक स्थानीय जीजा माता सभागृह में ए एल मोहारे जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में एवं सुभाष पटेल एवं रविन्द्र सिंह बैंस संरक्षक के आतिथ्य में आयोजित की गई । बैठक का संचालन अमर सिंह ठाकुर द्वारा किया गया । बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों व सदस्यों के समक्ष प्रांतीय सम्मेलन आयोजित करने बाबद प्रस्ताव पर अपने अपने विचार व्यक्त करने को कहा गया ।जिसपर पी एल मोहारे, रविन्द्र सिंह बैंस, सुभाष पटेल,नारायण मदनकर, पीआर देशमुख, एलएल मेश्राम आदि ने अपने अपने विचार व्यक्त किये तथा सर्वसम्मति से माह सितम्बर के बाद ही प्रांतीय सम्मेलन कराने का निर्णय लिया गया। इसके लिए आवश्यक तैयारियां अभी से शुरू करने का भी निर्णय लिया गया। जिसके लिए सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी के सदस्यों को 10 -10 सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया ।बताया गया कि पिछले माह संभागीय होली मिलन समारोह में सहभागिता करने वाले पदाधिकारियों के द्वारा होने वाले व्यय का अनुमोदन कर उसे पारित किया गया । बैठक में एच आर रहांगडाले, आर एल पटले , मधु बुचुरकुंडे , मनोज वर्मा, गुलाबचंद चंद पटले , राजेन्द्र बारमाटे , सरजू लाल नखाते , पीतम लाल राणा , रिषीराम फूल बांधे , विपीन लाल ठाकरे , सालिकराम पटले , एल एल मेश्राम, एस एल बसेने, एस एल गौतम , एल सी सुलकिया, एच आर पटले , सुनील टेंभरे , आनंद मोटघरें, हेमराज पटले ,झनक लाल बम्हुरे सहित अनेक पदाधिकारी व सदस्य गण उपस्थित रहे । बैठक में रिषीराम फूलबांधे, पीतम लाल राणा और हेमराज बम्हुरे ने आजीवन सदस्यता ग्रहण की जिन्हें परिचय पत्र कार्ड पहनाकर उन्हें सम्मानित किया गया। अंत में पीआर देशमुख ने आभार व्यक्त कर बैठक समाप्ति की घोषणा की।

# 15 साल पुरानी बसों पर लगेगा ब्रेक

## सरकार के निर्देश के बाद परिवहन विभाग ने शुरू की कार्रवाई, तैयार हो रहा रिकॉर्ड

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

**सड़कों पर दौड़ रही 15 साल पुरानी यात्री बसों पर अब विभाग सख्ती करने की तैयारी में है। सरकार का मानना है कि ऐसी पुरानी बसों के संचालन से ब्रेक, बॉडी और इंजन से जुड़ी तकनीकी समस्याएं बढ़ जाती हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ता है। इन्हीं जोखिमों को देखते हुए सरकार ने परिवहन विभाग को निर्देश जारी किए हैं कि 15 वर्ष से अधिक पुरानी बसों को अब परमिट जारी नहीं किया जाए और सड़कों पर संचालित हो रही ऐसी बसों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सरकार के इस फैसले के बाद बालाघाट परिवहन विभाग भी सक्रिय हो गया है। विभाग द्वारा जिले में संचालित 15 साल पुरानी बसों का रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है, ताकि आगे की कार्रवाई प्रभावी ढंग से की जा सके। माना जा रहा है कि इस निर्णय के लागू होने के बाद सड़कों पर पुरानी बसों की संख्या में कमी आएगी और यात्री सुरक्षा को लेकर सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।**



जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर अब परिवहन विभाग पूरी तरह सख्त नजर आ रहा है। राज्य सरकार द्वारा पहले ही 15 वर्ष से अधिक पुरानी बसों को परमिट नहीं देने का निर्णय लिया जा चुका है, जिस पर अब न्यायालय की मुहर भी लग गई है। इसके बाद बालाघाट में इस नियम को प्रभावी ढंग से लागू करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, जब सरकार ने यह निर्णय लिया था, तब बस संचालकों ने इसका विरोध करते हुए न्यायालय की शरण ली थी। हालांकि अब न्यायालय ने भी साफ कर दिया है कि सरकार का निर्णय जनहित और यात्री सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया गया है, इसलिए 15 साल से अधिक पुरानी बसों को परमिट जारी नहीं किया जाएगा। इसी के चलते परिवहन विभाग ने जिले में ऐसी सभी बसों की पहचान और सूची तैयार करने का काम शुरू कर दिया है। परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल ने बताया कि अब किसी भी स्थिति में 15 वर्ष से अधिक पुरानी बसों को नया परमिट नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही जिन बसों का परमिट समाप्त हो चुका है या जिनकी फिटनेस सही नहीं है, उनके संचालन पर भी रोक लगाई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई पुरानी बस बिना वैध परमिट और फिटनेस के सड़कों पर यात्रियों को ढोते हुए पाई जाती है, तो उस पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए विभाग विशेष चेकिंग अभियान चलाने की तैयारी कर रहा है, जिसमें शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि जिले के कई ग्रामीण इलाकों में अब भी बड़ी संख्या में पुरानी बसें संचालित हो रही हैं। ये बसें वर्षों पुरानी होने के बावजूद यात्रियों को ढो रही हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बना रहता है। ऐसे में विभाग इन बसों पर विशेष निगरानी रखते हुए जल्द ही कार्रवाई करेगा।

### सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया गया निर्णय

सरकार ने जब यह फैसला लिया था, तब उसका मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना था। पुराने वाहनों में तकनीकी खराबियां जैसे ब्रेक फेल होना, इंजन में दिक्कत, फिटनेस की कमी आदि आम बात हो जाती है। यही कारण है कि कई हादसे ऐसी बसों के कारण होते रहे हैं। परिवहन विभाग का मानना है कि नई और तकनीकी रूप से बेहतर बसों के संचालन से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। इसलिए अब नए वाहनों को प्रोत्साहित किया जा रहा है और पुराने वाहनों को धीरे-धीरे सड़क से हटाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

### जिलेभर की बसों का रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है - अनिमेष गढ़पाल

परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल ने यह भी बताया कि विभाग द्वारा जिलेभर की बसों का रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। कौन-कौन सी बसें 15 वर्ष से अधिक पुरानी हैं, उनकी फिटनेस क्या है और वे किन रूटों पर संचालित हो रही हैं , इन सभी बिंदुओं पर जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में व्यापक स्तर पर जांच अभियान चलाया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वाले बस संचालकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# जिले में बढ़ रहे साइबर ठगी के मामले, फर्जी लिंक से मोबाइल हैक

## गैस बुकिंग व सरकारी योजनाओं के नाम पर लोगों को बनाया जा रहा शिकार

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिले में इन दिनों साइबर ठग नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। शासन की योजनाओं, परीक्षा परिणाम और रसोई गैस बुकिंग जैसे जरूरी विषयों का सहारा लेकर ठग मोबाइल उपयोगकर्ताओं को फर्जी लिंक और एप्लीकेशन भेज रहे हैं। इन लिंक पर क्लिक करते ही न केवल मोबाइल हैक हो रहा है, बल्कि यूजर्स के बैंक खातों तक पर खतरा मंडरा रहा है। हाल ही में शहर में ऐसा ही एक मामला सामने आया, जहां एक मोबाइल यूजर को रसोई गैस बुकिंग के नाम पर एक एप्लीकेशन लिंक प्राप्त हुआ। यूजर ने इसे अपने परिचित द्वारा भेजा गया समझकर क्लिक कर लिया। इसके तुरंत बाद उसका मोबाइल हैक हो गया और उसके फोन में सेव सभी संपर्कों को वही लिंक स्वत: भेजा जाने लगा। हालांकि कुछ जागरूक लोगों ने इस लिंक को नजरअंदाज कर दिया, लेकिन कई लोग इसके झांसे में आ गए और उनके मोबाइल भी हैक हो गए।

जानकारों के अनुसार, साइबर ठग अब लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों और वर्तमान समस्याओं को समझकर ठगी के नए तरीके अपना रहे हैं। हाल ही में रसोई गैस की




उपलब्धता और बुकिंग से जुड़ी दिक्कतों को देखते हुए ठगों ने इसी विषय को हथियार बना लिया है। गैस बुकिंग या सिलेंडर भरवाने के नाम पर फर्जी एप और लिंक भेजे जा रहे हैं, जिन पर क्लिक करते ही मोबाइल की सुरक्षा भेद दी जाती है। पीड़ित यूजर को तब इस ठगी का अहसास हुआ, जब उसके एक परिचित ने फोन कर पूछा कि वह इस तरह के संदिग्ध मैसेज क्यों भेज रहा है। इसके बाद उसे समझ आया कि उसका मोबाइल हैक हो चुका है। उसने तत्काल इस संबंध में पुलिस को सूचना दी। यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लुभावने ऑफर, फर्जी स्कीम, और अब तो एआई तकनीक का उपयोग कर चेहरे बदलने जैसे तरीकों से भी ठगी की घटनाएं सामने आ रही हैं। कई मामलों में लोगों के बैंक खातों से रकम भी पार हो चुकी है, लेकिन जानकारी के अभाव में कई पीड़ित शिकायत तक दर्ज नहीं करा पाते। जिले में लगातार बढ़ रही साइबर ठगी की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि जागरूकता की कमी अब भी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। आम नागरिक अनजाने में फर्जी लिंक पर क्लिक कर अपनी निजी जानकारी साझा कर देते हैं, जिसका फायदा ठग उठाते हैं। वैसे तो किसी भी अनजान लिंक, एप्लीकेशन या संदिग्ध मैसेज पर क्लिक करने से बचें। केवल आधिकारिक वेबसाइट और अधिकृत एप के माध्यम से ही सेवाओं का उपयोग करें। इसके साथ ही, मोबाइल में आए ओटीपी या बैंक संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। अब जरूरत है कि संबंधित विभाग और पुलिस प्रशासन साइबर सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाएं, ताकि आमजन इन ठगी के तरीकों को पहचान सकें और सुरक्षित रह सकें।

# शहर में दिखेगी राजस्थानी परंपरा की झलक

## गणगौर शोभायात्रा की तैयारी, बीकानेर से लाई गई गणगौर प्रतिमा

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** शहर में सर्व राजस्थानी समाज द्वारा आगामी वर्ष गणगौर पर्व को भव्य और पारंपरिक रूप से मनाने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। समाज की जिला अध्यक्ष ज्योति शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान के जयपुर, जोधपुर और बीकानेर की तर्ज पर अब बालाघाट में भी विशाल गणगौर शोभायात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि राजस्थान में प्रचलित परंपरा के अनुसार लगभग 4 फीट ऊंची आकर्षक गणगौर प्रतिमाओं को सुसज्जित पालकी में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष विशेष रूप से बीकानेर से गणगौर माता की भव्य प्रतिमा बालाघाट लाई गई है, जो समाज के लिए गर्व और आस्था का केंद्र बनी हुई है। गणगौर आगमन के अवसर पर समाजजनों ने एकत्रित होकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान भगवान शिव-पार्वती के भजन-कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने गणगौर माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और कार्यक्रम के अंत में प्रसाद एवं मिठाई का वितरण किया



गया। जिला अध्यक्ष ज्योति शर्मा ने बताया कि आने वाले समय में गणगौर पर्व को और भी भव्य रूप में मनाने की योजना है, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन भाग लेंगे। यह आयोजन न केवल राजस्थानी संस्कृति को जीवंत बनाएगा, बल्कि बालाघाट शहर को एक नई सांस्कृतिक पहचान भी देगा।

# बैसाखी पर्व पर गुरुद्वारे में सिख समाज का आयोजन, अरदास और लंगर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** बैसाखी पर्व के पावन अवसर पर शहर के स्थानीय गुरुद्वारे में सिख समाज द्वारा पारंपरिक उत्साह और श्रद्धा के साथ आयोजन किया गया। सुबह से ही गुरुद्वारा परिसर में भक्तों की आवाजाही शुरू हो गई थी और पूरा वातावरण धार्मिक भावनाओं



से ओतप्रोत नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष अरदास के साथ हुई, जिसमें समाज और शहर की खुशहाली, शांति एवं समृद्धि के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने क्रमवार गुरुद्वारे में पहुंचकर माथा टेका और गुरु साहिब के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस दौरान गुरुबाणी के मधुर स्वर पूरे परिसर में गूंजते रहे, जिससे भक्तिमय वातावरण और अधिक सजीव हो गया।

बैसाखी पर्व के अवसर पर दिनभर कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें संगत ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। श्रद्धालुओं ने भक्ति में लीन होकर कीर्तन का आनंद लिया और आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। इस अवसर पर बाहर से पधारे प्रसिद्ध कीर्तनकार चरणजीत सिंह ने अपनी वाणी से संगत को भावविभोर कर दिया। उनके द्वारा प्रस्तुत कीर्तन ने उपस्थित जनसमूह को देर तक बांधे रखा। रात्रि में भी विशेष कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। पर्व के उपलक्ष्य में गुरुद्वारे में विशाल लंगर का आयोजन भी किया गया, जिसमें हर वर्ग और समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लंगर में सौक ?ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और सेवा भाव का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला। सिख समाज के सेवादारों द्वारा पूरे समर्पण के साथ लंगर व्यवस्था संभाली गई, जो आकर्षण का केंद्र रही। इस आयोजन में शहर के विभिन्न वर्गों के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं आम नागरिक भी शामिल हुए। सभी ने गुरुद्वारे में माथा टेककर आशीर्वाद लिया और चल रहे धार्मिक कार्यक्रमों में भागीदारी निभाई। इससे सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश भी सशक्त रूप से सामने आया। सिख समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि बैसाखी पर्व उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व है, जिसे हर वर्ष पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस बार भी समाज के लोगों ने एकजुट होकर इस पर्व को भव्य रूप दिया और सभी के कल्याण की कामना की। पूरे दिन चले इस आयोजन ने न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत किया, बल्कि समाज में एकता, सेवा और सद्भाव का संदेश भी प्रसारित किया।

# सादगी पूर्ण मनाई गई संत शिरोमणि सेन महाराज की 726 वी जयंती

## संत शिरोमणि केश शिल्पी सेन नाई समाज ने विभिन्न कार्यक्रमों के किए आयोजन

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में सेन समाज द्वारा समाज के आराध्य देव धर्मगुरु संत शिरोमणि सेन जी महाराज की जयंती विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर मनाई गई। जहां सादगी पूर्ण तरीके से माल्यापर्ण, पूजन पाठ कर जयंती पर आयोजित कार्यक्रम संपन्न कराए गए जो देर रात तक चलते रहे ।मंगलवार को आयोजित सेन जी महाराज की 726 वीं जयंती पर केश शिल्पी सेन नाई समाज द्वारा पॉलिटेक्निक कॉलेज सेन चौक पहुचकर सेन जी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए। तो वही सामाजिक बंधुओ ने सेन जी महाराज की प्रतिमा पर नर्मस्तक होकर विशेष प्राथनाएं की ।वही पूर्ण विधिविधान से पूजा पाठ संपन्न कराए गए। जिसके उपरांत सभी सामाजिक बंधु वाहन रैली के माध्यम से सेन चौक से सीधे गर्रा स्थित विठ्ठल रुक्मिणी मंदिर पहुंचे ।जहां सामाजिक बंधुओ ने सामूहिक रूप से हवन पूजन, कीर्तन, पाठ, सहित अन्य आयोजनों में भाग लिया ।इसके बाद बिरसा ब्लॉक में सेन जयंती महोत्सव पर नव निर्मित सेन जी महाराज की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम में शामिल होने पूरे जिले के सामाजिक बंधुओ ने प्रस्थान किया ।तो वही शाम को वापस सेन चौक में संत शिरोमणि महाराज की विशेष पूजा अर्चना कर महाआरती की गई ।जिसके उपरांत,विशाल भंडारा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ,जो देर रात तक जारी रहा ।जिसमें सैक ?ा की तादात में सामाजिक बन्धुओ ने उपस्थित होकर महाप्रसाद का लाभ उठाया।

### 28 अप्रैल को सामूहिक रूप से मनाई जाएगी जयंती- रवि

संत शिरोमणि केश शिल्पी सेन नाई समाज जिला समिति अध्यक्ष रवि नागपुरकर ने




जानकारी में बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी हम सभी के (सेन समाज) आराध्य देव संत शिरोमणि नंदा सेन महाराज जी की 726 वी जयंती सेन महोत्सव के रूप में सादगी के साथ मनाई गई है ।क्यो की इस वर्ष 14 अप्रैल को सेन जयंती आई है आज का दिन संविधान निर्माता डॉक्टर भीम राव साहब अंबेडकर जी की जयंती का भी दिन है जिसे पूरा देश, बड़े हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाता हैं जिसके चलते सेन समाज के समस्त सामाजिक बधुओं की व्यस्तता रहतीं हैं इसलिए समाज द्वारा यह निर्णय लिया गया था कि, जिला स्तरीय कार्यक्रम 28 अप्रैल दिन मंगलवार को सुबह 10 बजे से पॉलीटेकनिक कॉलेज समीप कुनबी समाज भवन में किया जाएगा। साथ ही संत शिरोमणि श्री नंदा सेन जी महाराज जी की 726 वॉ जन्मोत्सव के पावन अवसर पर कार्यक्रम के साथ विशेष कार्यक्रम युवक युवती परिचय सम्मेलन रखा गया है जिसमें बालाघाट जिले एवं अन्य जिले के सामाजिक बंधु शामिल होंगे ।इस अवसर पर स्वजातीयजनों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील संगठन के युवा मोर्चा अध्यक्ष विरेन्द्र श्रीवास, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती दामिनी गोंडाने, नगर अध्यक्ष महेश मानेश्वर, पूर्व जिलाध्यक्ष भास्कर भारद्वाज, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं संरक्षक अमित श्रीवास, वारासिवनी ब्लाक अध्यक्ष डॉ अनिल श्रीवास, कटंगी अध्यक्ष फुलचंद कड़वे,बैहर अध्यक्ष संतोष उसरठे, भानेगॉव अध्यक्ष रवि लक्षणे, बिरसा अध्यक्ष शिवकुमार लांजेवार, किरनापुर अध्यक्ष योगराज शेण्डे, और परसवाड़ा अध्यक्ष रामाजी गोले सहित अन्य पदाधिकारी सदस्यों द्वारा की गई है।

# हर्षोल्लास के साथ मनाई गई भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

## रैली, प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान एवं कव्वाली कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय में फुले, बिरसा, डॉ. अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के तत्वाधान में गत 11 अप्रैल से जारी तीन दिवसीय महात्मा फुले एवं डॉ. अंबेडकर संयुक्त जयंती समारोह कार्यक्रम का 14 अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाकर एवं विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के साथ समापन किया गया। इस 3 दिवसीय महात्मा फुले एवं डॉ. अंबेडकर संयुक्त जयंती समोराह के अवसर पर 11 अप्रैल को महात्मा फुले की जयंती मनाई गई, 13 अप्रैल को रात में बस स्टैण्ड स्थित संविधान निर्माण डॉ. प्रतिमा स्थल में 'एक शाम फुले-भीम के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भीम गीत, कैसेट डांस, नाटक सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुए एवं रात 12 बजे केक काटकर डॉ. बाबा साहब का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वहीं 14 अप्रैल को फुले, बिरसा, डॉ. अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के पदाधिकारी एवं फुले व अंबेडकर अनुयायी बस स्टैण्ड स्थित संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहब के प्रतिमा स्थल में उपस्थित हुए जहां उपस्थितजनों ने डॉ. बाबा साहब के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर उनकी जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाये। तत्पश्चात त्रि-शरण का पाठ किया एवं महात्मा फुले, बाबा साहब के बताये मार्ग पर चलने का सभी ने संकल्प लिया तत्पश्चात मोटरसाइकिल रैली निकाली गई और यह रैली ग्राम मानपुर, बकोड़ा, अमोली, पांढरवानी, पनबिहरी का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल बस स्टैण्ड पहुंचेगी। जिसके बाद पैदल रैली निकाली गई और हाई स्कूल मार्ग पर स्थित क्रांतिवीर, समाजसुधारक महात्मा ज्योतिबाराव फुले, बिरसा मुंडा एवं शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और सभी को समाजसुधारक महात्मा 'ज्योतिबाराव फुले, बिरसा मुंडा, डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं शिवाजी महाराज के जीवनगाथाओं एवं देशहित में किये गये कार्यों के बारे में बताते हुए उनके बताये मार्ग पर चलने प्रेरित किया।

### बस स्टैण्ड से निकली पैदल रैली, महात्मा फुले प्रतिमा चौक में हुआ मंचीय कार्यक्रम

डॉ. बाबा साहब की जयंती के अवसर पर बस स्टैण्ड से डीजे की धुन पर भव्य पैदल रैली निकाली गई। यह रैली बस स्टैण्ड से हाई स्कूल मार्ग होते हुए महात्मा फुले प्रतिमा स्थल चौक स्थित मंचीय कार्यक्रम स्थल पहुंची। जिसके बाद भोजनदान एवं मंचीय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस पैदल रैली में फुले एवं अंबेडकर अनुयायियों के द्वारा जमकर नृत्य भी किये एवं नारे लगाये। यह मंचीय कार्यक्रम फुले, बिरसा, डॉ. अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के पदाधिकारी, जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे, पांढरवानी सरपंच अनीस खान सहित अन्य पदाधिकारियों के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने राष्ट्रपिता महात्मा 'ज्योतिबाराव फुले, शहीद बिरसा मुंडा, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित अन्य महापुरूषों के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रल्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये जिनके प्रतिभागियों एवं कक्षा 10 वीं, 12 वीं में वर्ष 2024-25 में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण हुए प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का समिति के द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे ने कहा कि आज मैं जिस पद पर बैठा हूं और आप सबके सामने बोल पा रहा हूं, वह केवल और केवल डॉ. भीमराव आंबेडकर और उनके द्वारा दिये गये संवैधानिक अनु' छेदों की ताकत है। अनु' छेद 15 और 16 ने हमें वह शक्ति दी है, जिससे समाज का हर व्यक्ति शीर्ष पदों तक पहुंच सकता है। श्री लिल्हारे ने संविधान को बेहद सरल शब्दों में समझाते हुए कहा कि जिस तरह एक परिवार में ब' चों के बड़े होने पर उन्हें धीरे-धीरे अधिकार दिये जाते हैं, वैसे ही भारत के विकास के साथ-साथ नागरिकों के अधिकारों का विस्तार हुआ और विभिन्न अनु' छेदों का जिक्र करते हुए कहा कि शक्तियों के साथ-साथ अनुशासन एवं कर्तव्यों का होना भी अनिवार्य है। वहीं कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने संबोधित करते हुए महात्मा फुले एवं बाबा साहब के जीवनगाथाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महात्मा फुले ने समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने एवं शिक्षा के क्षेत्र में एक अलख जगाकर लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने का काम किया है जो एक सराहनीय पहल है। जिसके माध्यम से आज हर कोई शिक्षा अध्ययन कर आगे बढ़ रहा है और बाबा साहब ने भारत में आजादी के बाद 26 जनवरी 1950 को देश का संविधान लिखकर पिछड़े एसटी, एससी, ओबीसी एवं सभी वर्गों को अधिकार दिलवाया, देश की सुरक्षा की, भाईचारा स्थापित किया ऐसे महामानव की जयंती आज लालबर्रा में ही नहीं बल्कि विश्व के कोने-कोने में मनाई जा रही है। साथ ही यह भी कहा कि डॉ. बाबा साहब के द्वारा बनाये गये संविधान बहुत अच्छा है। हम सभी को उसका पालन करते हुए समाजोत्थान एवं देशहित में काम करना चाहिए। वहीं मंचीय कार्यक्रम संपन्न होने के बाद मुम्बई का सुरज आतिश के कव्वाली का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर फुले, बिरसा, डॉ. अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

## वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा स्थापना के लिए किया गया भूमिपूजन

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर के मुख्य मार्ग को अब एक नई ऐतिहासिक पहचान मिलने जा रही है। स्थानीय हाई स्कूल मार्ग पर बस स्टैंड के समीप वीरांगना रानी अवंतीबाई की भव्य प्रतिमा की स्थापना के लिए लोधी महासभा के तत्वाधान में 14 अप्रैल को विधि-विधान के पूजा अर्चना कर जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे के मुख्य आतिथ्य में भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर लोधी महासभा के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि बस स्टैण्ड के समीप हाई स्कूल मार्ग

पर एकत्रित हुए जहां अतिथियों के द्वारा स्थल की विशेष पूजा अर्चना के साथ ही वीरांगना रानी अवंतीबाई की आमदकद प्रतिमा स्थापना के लिए भूमिपूजन किया गया। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे ने कहा कि महापुरूषों और वीरांगनाओं की प्रतिमाएं समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत होती हैं। वीरांगना रानी अवंतीबाई ने देश की अखंडता और स्वाधीनता के लिए जो बलिदान दिया, वह हमें कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने का हौसला देता है। वहीं अन्य अतिथियों ने भी रानी अवंतीबाई के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रानी अवंती बाई केवल एक शासिका नहीं, बल्कि साहस और पराक्रम का साक्षात प्रतीक थी। उनकी प्रतिमा स्थापित होने से युवा पीढ़ी को उनके शौर्य की गाथाओं को जानने और उनके बताये मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलेगी। वहीं वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा स्थापना के लिए भूमिपूजन होने एवं स्थापना को लेकर नगरवासियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। लोगों का मानना है कि बस स्टैंड के समीप इस प्रतिमा की स्थापना से नगर की सुंदरता बढ़ने के साथ-साथ आने-जाने वाले लोगों को क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास का भी बोध होगा। लोधी महासभा प्रदेश सचिव धरमपालसिंह नगपुरे ने बताया कि सरपंच महोदय की अनुमति से वीरांगना रानी अवंतीबाई प्रतिमा स्थापना के लिए भूमिपूजन किया गया है और प्रतिमा लगने से युवाओं में और आम जनमानत में 1857 की क्रांति की वीरांगना रानी अवंती बाई की जीवन गाथा उनके पराक्रम और शहदत से परिचित होंगे। साथ ही यह भी बताया कि 1857 की क्रांति में रानी अवंतीबाई ने सर्व समाज के लिए और अपने भारतीय परंपरा के लिए एक लड़ाई लड़ी थी। इस लड़ाई में उनके द्वारा अपने प्राणों की आहुति दे दी गई थी। यह हमारे समाज के लिए एक पराक्रमी योध्दा के साथ ही हमारे प्रेरणा स्त्रोत है। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में रूपसिंह मडावी भविष्य निधि कमिश्नर जबलपुर, डॉ. अजित गनवीर बालाघाट, पांढरवानी सरपंच अनीस खान उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रभुलाल पिछोडे जिला अध्यक्ष आलोक संघ बालाघाट, हितेंद्र दमाहे अध्यक्ष आलोक लालबर्रा, कन्हैया मसकरे अध्यक्ष आलोक बालाघाट, रामचंद्र सिहोरे लोधी महासभा लालबर्रा, बसंत सौलाखे, टीकाराम मोहारे, रंगलाल लिल्हारे आलोक प्रमोटर, डॉ. सोमालाल बघेले आलोक प्रमोटर, देवेन्द्र नगपुरे, हिसबलाल दशरिये आलोक बालाघाट, धनेश पटेल पूर्व आलोक राष्ट्रीय संगठन सचिव, हेमंत नगपुरे, गंगासागर नगपुरे जिला उपाध्यक्ष आलोक बालाघाट, दुर्गा पगरवार सरपंच कनकी, मधुकर सिहोरे सहित स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

# पांढरवानी में श्रध्दा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई संत शिरोमणि सेन जी महाराज की जयंती

## समाज के पदाधिकारियों एवं सामाजिक बंधुओं ने पांढरवानी सरपंच को प्रतिमा स्थापना हेतु सौंपा ज्ञापन

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी स्थित सेन मंदिर में सेन (नाई) समाज के द्वारा 14 अप्रैल को आराध्य देव संत शिरोमणि सेन जी महाराज की जयंती अत्यंत गरिमामय और हर्षोल्लास पूर्ण वातावरण में मनाई गई। यह कार्यक्रम पांढरवानी सरपंच अनीस खान के मुख्य आतिथ्य, ब्लॉक अध्यक्ष दिलीप सेन की अध्यक्षता एवं संरक्षक अधिवक्ता बाबूलाल सरटि, जिला अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास के विशिष्ट आतिथ्य, महामंत्री डॉ. पीताम्बर उरकुड़े, उपाध्यक्ष डॉ. डी आर शिवनकर, प्रवक्ता राजन भारद्वाज, युवा उपाध्यक्ष मनोज पारधी, सचिव राजेंद्र श्रीवास, कोषाध्यक्ष भोजराज सेनभक्त, नितिन साखला एवं नत्थूलाल जुझार के प्रमुख आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ पांढरवानी में स्थित संत शिरोमणि सेनजी महाराज मंदिर में संत शिरोमणि सेन जी महाराज की प्रतिमा के विधि-विधान से जलाभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना के साथ हुआ। जिसके बाद विश्व कल्याण की भावना के साथ हवन-पूजन संपन्न किया गया। जिसके पश्चात स्थानीय हनुमान मंदिर परिसर में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें जिले भर से आये सामाजिक पदाधिकारियों ने शिरकत की। आयोजन के समापन पर विशाल भंडारे (महाप्रसादी) का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रध्दालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। चर्चा में ब्लॉक अध्यक्ष दिलीप सेन ने बताया कि समाज के प्रति अपनी अटूट श्रध्दा और एकता प्रदर्शित करने के लिए लालबर्रा क्षेत्र के समस्त सेन समाज बंधुओं ने अपने-अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठान पूर्णत: बंद रखे। सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से कार्यक्रम में सम्मिलित होकर अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। जिलाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास ने संत सेन जी महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा महाराज बांधवगढ़ के राजा के यहां कार्यरत थे, लेकिन संतों की संगति ने उन्हें भक्ति के मार्ग की ओर मोड़ा। राजा ने स्वयं उन्हें संत की उपाधि दी थी। हमें उनके आदर्शों को अपनाकर समाज को नई दिशा देनी चाहिए।

### हाई स्कूल मार्ग पर प्रतिमा स्थापना की मांग

कार्यक्रम के दौरान सेन (नाई) समाज ब्लॉक लालबर्रा द्वारा पांढरवानी सरपंच अनीस खान को एक ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन के माध्यम से ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत मेन रोड बस स्टैंड से हाई स्कूल मार्ग पर, अग्रवाल पुस्तक भंडार के सामने रिक्त भूमि पर संत शिरोमणि सेन जी महाराज की प्रतिमा स्थापना हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र और सहमति की मांग की गई। समाज ने यह भी स्पष्ट किया कि इस प्रतिमा का निर्माण जनभागीदारी राशि से किया जायेगा। वहीं ज्ञापन स्वीकार करते हुए मुख्य अतिथि सरपंच अनीस खान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज दो महान शख्सियत संत शिरोमणि सेन जी महाराज और डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का जन्मदिन है। समाज को जागृत करने में इनका अतुलनीय योगदान रहा है। जहां तक प्रतिमा स्थापना की बात है, ग्राम पंचायत की ओर से जो भी सहयोग अपेक्षित होगा, वह प्राथमिकता के साथ पूरा किया जायेगा, समाज के अच्छे कार्यों में हम सदैव साथ हैं। इस अवसर पर सेन (नाई) समाज के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

# कटंगा (बबरिया) के ग्रामीणों ने अवैध शराब के खिलाफ खोला मोर्चा

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बबरिया के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटंगा में पैर पसार रही अवैध शराब और नशे के कारोबार से परेशान ग्रामीणों ने 14 अप्रैल को बड़ी संख्या में लालबर्रा थाने पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर धड़ल्ले से बिक रही अवैध कच्ची व पक्की शराब पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाकर विक्रय करने वालों पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है एवं मांगे पूरी नही होने पर कठोर कदम उठाने की चेतावनी प्रशासन को दी है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम में कुछ लोग कच्ची एवं पक्की शराब का अवैध रूप से विक्रय कर रहे है जिससे ग्राम के युवा सहित बड़े लोग शराब पीने के आदि हो रहे है। साथ ही दुसरे ग्राम के ग्रामीणजन भी शराब पीने आ रहे है जिससे ग्राम का वातावरण खराब होने के साथ ही वाद-विवाद की स्थिति भी निर्मित हो रही है। इसलिए ग्राम को नशा मुक्त बनाने के संकल्प के साथ ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से एक ग्राम समिति का गठन किया है। इस समिति का मुख्य उद्देश्य गांव में नशे के कारोबार पर लगाम लगाना और शासन-प्रशासन के साथ समन्वय कर दोषियों के विरूध्द वैधानिक कार्यवाही कर ग्राम को नशा मुक्त बनाना है। साथ ही ग्रामीणों ने अवैध शराब विक्रय करने वालों पर भी गंभीर आरोप लगाये है और ग्रामीणों का कहना है कि जब भी गांव के लोग अवैध शराब की बिक्री का विरोध करते हैं, तो शराब ठेकेदारों और उनके सहयोगी उन्हें डराते, धमकाते हैं। जिससे अवैध रूप से कच्ची एवं पक्की शराब विक्रय करने वालों के हौसले बुलंद है। साथ ही पूर्व में जिन लोगों के द्वारा अवैध रूप से शराब विक्रय कर रहे है उन्हे समझाईश भी दी गई है कि शराब का विक्रय बंद करे लेकिन वे मानने को तैयार नही है। जिससे ग्राम का वातावरण खराब होने के साथ ही बड़े लोगों के साथ ही युवा पीढी भी शराब पीने के आदि हो रहे है जिससे सबसे अधिक परेशान ग्राम की महिलाएं व परिजन परेशान है। मंगलवार को कटंगा (बबरिया) के ग्रामीणजन थाना पहुंचकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर ग्राम पंचायत बबरिया और आसपास के क्षेत्रों में अवैध कच्ची/पक्की शराब की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने, ग्रामीणों को डराने वाले शराब माफियाओं पर कार्यवाही, पुलिस प्रशासन ग्रामीणों द्वारा गठित समिति को नियम अनुसार सहयोग प्रदान करने, बिना मौका मुआयना और ठोस सबूत के ग्रामीणों पर कोई भी कार्यवाही या एफआईआर दर्ज न करने की मांग की है।

### वातावरण हो रहा खराब - राजा

राजा वरकडे ने बताया कि ग्राम में अवैध रूप से शराब का विक्रय होने से युवा एवं बड़े लोग शराब पीने के आदि हो रहे है जिससे ग्राम का वातावरण भी खराब हो रहा है। गत दिवस बैठक आयोजित कर समिति का गठन कर ग्राम को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया है। साथ ही यह भी बताया कि जिनके द्वारा शराब का विक्रय किया जा रहा है उन्हे समझाईश देने जाते है कि शराब का विक्रय न करे किन्तु वे लोग दुव्यर्वहार करते है। इसलिए थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर अवैध रूप से शराब विक्रय करने वालों पर कार्यवाही करने की मांग की है।

### ग्राम को बनाना है नशा मुक्त - दिनेश

दिनेश सूर्या ने बताया कि ग्राम को नशा मुक्त बनाने के लिए विगत वर्षों से अभियान चला रहे हैं परंतु गांव के कुछ लोगों के द्वारा इसका विरोध किया जाता है और अवैध रूप से शराब का विक्रय कर रहे है। साथ ही लोग शराब के नशे में वाद-विवाद करते है जिससे उनके परिवार के लोग भी बहुत परेशान है। श्री सूर्या ने बताया कि थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा गया है उसके बाद भी अवैध शराब पर प्रतिबंध नही लगा तो कलेक्टर महोदय एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने की मांग की जायेगी।

# ज्ञानसूर्य डॉ.आंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

## विश्वरत्न के जयघोष से गुंजायमान हुआ शहर, हजारों अनुयायियों ने दी अपने मसीहा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।**

**सार्वजनिक फुले आंबेडकर जयंती समारोह समिति के तत्वाधान में १४ अप्रैल को भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहब डॉ.भीमराव आंबेडकर की १३५ वीं जयंती अत्यंत भव्यता और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। यह कार्यक्रम सिविल क्लब रानी अवंतीबाई स्टेडियम मैदान में आयोजित हुआ। इसमें १४ अप्रैल को डॉक्टर बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती पर स्वजातिय बंधुओं ने रैली निकालकर नगर का भ्रमण किया। इस दौरान पूरे नगर में जय भीम के नारे गूंजते रहे। वहीं चार दिनों तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर हर्ष उल्लास के साथ जयंती कार्यक्रम मनाया गया।**

### बाइक रैली का हुआ आयोजन

बौद्ध अनुयायियों के द्वारा बाबा साहेब आंबेडकर जयंती के अवसर पर सुबह ८.३० बजे कॉलेज चौक से बाइक रैली निकाली गई। जो नगर के दीनदयाल चौक ,बस स्टैंड ,जय स्तंभ चौक ,आंबेडकर चौक ,गोलीबारी चौक ,रामपायली चौक का भ्रमण करते हुए लालबर्रा रोड़, बालाघाट रोड़ ,रामपायली रोड़ के बाद ग्राम सिकेंद्रा के विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण कर वापस महात्मा ज्योतिबा राव फुले चौक पहुंची जहां पर बाइक रैली का समापन किया गया। इस दौरान युवाओं के द्वारा जमकर जय भीम जय भीम सहित अन्य नारों का उद्घोष किया गया। वहीं डीजे की धुन पर भीम गीत बजाकर सभी को आंबेडकर जयंती की शुभकामनाएं दी।

### पैदल मार्च में जमकर थिरके आंबेडकर अनुयायी

दलितों के मसीहा और अछूतो के उद्धारकर्ता बाबा साहेब की इस जयंती पर आंबेडकर अनुयायियों ने जमकर उत्साह बिखेरा। पूरा नगर सफेद और नीले रंग से रंगा हुआ दिखाई दिया। स्थानीय महात्मा ज्योतिबा राव फुले चौक से सुबह ११ बजे पैदल रैली निकाली। जिसमें डीजे की धुन पर बाबा साहेब आंबेडकर के नाम से समर्पित कव्वालियों और गीतों पर झूमते हुए भीम पुत्र पुत्रियों ने पूरे जोश और खरोश के साथ भाग लिया। जो दीनदयाल चौक होते हुए यह जुलूस कटंगी रोड़ होते हुए सब्जी बाजार गोलीबारी चौक से होते हुए स्थानीय आंबेडकर चौक पहुंचा जहां। डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समता सैनिक दल महिला विंग के द्वारा सलामी देकर सामूहिक त्रिशरण पंचशील का पाठ किया गया। जिसके बाद रैली वापस रानी अवंती बाई स्टेडियम पहुंची जहां पर मंचीय व पुरूष्कार वितरण भोजन दान का कार्यक्रम किया गया।

### रानी अवंतीबाई स्टेडियम में हुआ वक्तव्य

रानी अवंती बाई स्टेडियम मैदान में मंचीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य अतिथि बी एम कांबले रिटा प्रबंधक एचओसीएल मुम्बई, विशेष अतिथि कबीर सुखदेवे निर्देशक रमाई फिल्म २०२५ मुम्बई, कमलेश बंसोड ज्वाईंट सेकेटरी छ.ग.शासन, आर के कठाने बी एस आई म .प्र.सचिव, विचनल मुनेश्वर बालककलाकार रमाई फिल्म मुम्बई, मंजूकिरण बंसोड सामाजिक प्रेरक रायपुर छ.ग. भीमा मिलिंद सामाजिक चिंतक नागपुर, मनोज गढपाल प्रसिद्ध चित्रकार राष्ट्रपति पुरस्कृत व अन्य अतिथियों की उपस्थिति में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम तथागत गौतम बुध्द, क्रांति सूर्य महात्मा ज्योतिबा फुले एवं विश्वरत्न बोधिसत्व बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात उपस्थित वक्ताओं के द्वारा बाबा साहेब आंबेडकर के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डाला और उनकी शिक्षाओं का अनुसरण करने की बात कही। वहीं समाज की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा की ओर अग्रसर होने प्रेरित कर आधुनिकता के साथ स्वयं को आगे बढ़ाने की बात कही। पदेश से चर्चा में अध्यक्ष अभिराज मेश्राम ने बताया कि राष्ट्रपिता ज्योतिबा फुले एवं भारतरत्न डॉक्टर बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की १३५ वीं जयंती कार्यक्रम प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ११ अप्रैल से प्रारंभ किया गया जिसका समापन आज १४ अप्रैल को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर किया गया है। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष अभिराज मेश्राम संयोजक आर के बंसोड ,सचिव राहुल गजभिये, कोषाध्यक्ष मुन्ना उके ,उपाध्यक्ष दिलीप मेश्राम, ममता बंसोड ,अर्चना खोब्रागडे ,हार्दिक चौरे ,सहसचिव रत्नशील विद्रोही ,आनंद डोंगरे ,नरेन्द्र दरवडे ,सारिका तिरपुडे ,उपकोषाध्यक्ष निर्दोष टेम्भुर्णे ,देविना रामटेके ,श्यामा बोरकर ,संगीता शिंदे ,मिडिया प्रभारी धर्मपाल बोरकर, प्रयास मेश्राम ,सुशील गणवीर, अरविंद सेलारे ,विधिक सलाहकार एड अशोक वासनिक, एड मनोज बंसोड ,माया प्रवीण डोंगरे , सचिन बंसोड सहित समिति सदस्यों बौध्द अनुयायियों का सराहनीय योगदान रहा। मंच का संचालन मुकेश पटले, धर्मेन्द्र घोड़ेश्वर और उत्तमदास मेश्राम के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में समिति ने सभी आगंतुकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

### सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

चार दिवसीय कार्यक्रम में ११ अप्रैल महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर माल्यार्पण और शाम को अखिल भारतीय मिशनरी कवि सम्मेलन , १२ अप्रैल को बच्चों के लिए बहुजन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता और महिलाओं के द्वारा आम्ही रमाई ची लेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। १३ अप्रैल एक शाम भीम के नाम कार्यक्रम के तहत बच्चों ने गीत नृत्य और नाटक के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई। जिसके बाद रात में बौध्द अनुयायियों के द्वारा केक काटकर डॉ.बाबा साहेब का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। १४ अप्रैल की रात कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सुशील सद्धर्मी एवं वैशाली शिंदे नागपुर की संगीतमय प्रस्तुति रही। उनके भीम गीतों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान मेधावी ३ विद्यार्थी और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। साथ ही शाम ६ बजे से भोजन दान का आयोजन भी किया गया जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

### विधायक विवेक पटेल रैली में हुए शामिल

बौद्ध अनुयायियों के द्वारा निकाली गई पैदल रैली का विधायक विवेक पटेल के द्वारा विधायक जनसंपर्क कार्यालय के सामने स्वल्पाहार वितरण कर स्वागत किया गया। जहां विधायक विवेक पटेल के द्वारा रैली में शामिल बौद्ध अनुयायियों को जयंती की शुभकामनाएं दी गई। वहीं विधायक विवेक पटेल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ रैली में शामिल होकर रैली के साथ भ्रमण किया।

### पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने रैली का किया स्वागत

नगर में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर आयोजित भव्य शोभायात्रा का भाजपा जनसंपर्क कार्यालय के सामने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। जहाँ श्री जायसवाल के नेतृत्व में भाजपा मंडल अध्यक्षों, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने शोभायात्रा में शीतल पेयजल चॉकलेट का वितरण भी किया। इस अवसर पर उपस्थित समस्त सामाजिक बंधुओं को पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित की गयी। इस दौरान भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, मिलिन्द नगपुरे,आलोक खरे,राजू गोयल, प्रवीण रूसिया, संजय गुप्ता, शैलेंद्र तिवारी, अमित एरपुडे,मुस्लिम समाज अध्यक्ष इकबाल खान, मनोज दादरे, अरमान खान, विक्की एडे,मिथलेश बुरडे,मयंक मिश्रा,जगदीश नेमा,महेंद्र कावडे,प्रबल जायसवाल, मदनलाल चावके, पवन धुर्वे उपस्थित रहे।

### मुस्लिम समाज ने पानी का किया वितरण

डॉ.बाबा साहेब आंबेडकर जयंती समारोह के तत्वाधान में बाबा साहेब की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस भव्य रैली का मुस्लिम समाज के द्वारा पुलिस थाने के सामने पानी का वितरण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुस्लिम समाज अध्यक्ष इकबाल खान ,अरमान खान सहित अन्य मुस्लिम उपस्थित रहे। जिन्होंने रैली में शामिल लोगो को जयंती की बधाई दी। इसी तरह दीनदयाल चौक टैक्सी स्टैंड बस स्टैंड जय स्तंभ आंबेडकर चौक सहित अन्य स्थानो पर अनेकों समाजसेवी द्वारा पानी व शरबत पुलाव का वितरण किया गया।

### नगर में पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद

डॉ बी आर आंबेडकर की जयंती के अवसर पर १४ अप्रैल की सुबह से पुलिस प्रशासन नगर के चप्पे चप्पे पर मुस्तैदी से खड़ा दिखाई दिया। ऐसे में आंबेडकर अनुयायियों के द्वारा बाइक रैली पैदल रैली मंचीय कार्यक्रम सहित अन्य कार्यक्रम किये गये। इस दौरान बड़ी मात्रा में पुलिस बल ने रैली के साथ कार्यक्रम स्थल पर नगर के चौक चौराहों पर और संवेदनशील इलाकों में मुस्तैद रहा। वहीं थाना प्रभारी पवन यादव पूरे नगर की व्यवस्था का समय समय पर निरीक्षण करते रहे।

# खरखड़ी हाई स्कूल में धूमधाम से मनाई गई आंबेडकर जयंती, सप्ताहभर चले विविध कार्यक्रम

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खैरलांजी।** विकासखंड खैरलांजी के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल आंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को बाबा साहब के जीवन एवं उनके योगदान से अवगत कराया गया। विद्यालय में शासन के निर्देशानुसार ८ अप्रैल से १४ अप्रैल तक आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें स्वच्छता अभियान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता, रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिताएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। इन आयोजनों में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य समारोह में शिक्षकों के द्वारा डॉ.भीमराव आंबेडकर के जीवन, संघर्ष और उनके द्वारा किए गए सामाजिक सुधारों पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को अपनाने और शिक्षा के महत्व को समझने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्था की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती विश्वात्मा मेश्राम, श्रीमती हीरा उइके, श्रीमती करिश्मा बिसेन, गजानंद तीतरमारे, धनेन्द्र मस्करे, इनोहर ऊके, लोकेश तिवारी, राधेश्याम लिल्हारे सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खरखड़ी में मंगलवार १४ अप्रैल २०२६ को डॉ.भीमराव

# रामपायली के बस स्टैंड में अतिक्रमण के कारण आये दिन हो रही दुर्घटनायें

## पुलिस प्रशासन का नही है तेज रफ्तार वाहनो पर नियंत्रण

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली।** रफ्तार के कहर पर नहीं है पुलिस का नियंत्रण नगर के भीतरी मार्गो से लेकर वारासिवनी तुमसर मार्ग पर बे लगाम चलते वाहनों की रफ्तार बेधड़क होती जा रही है। जिस पर रामपायली पुलिस का नियंत्रण नही होने के कारण निर्दोष नागरिकों की जान पर बन आई है। आए दिन रफ्तार के कहर ने आज फिर दो युवको को गंभीर अवस्था में पहुंचा दिया है जो जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मंगलवार की दोपहर तीन और चार बजे के लगभग बालाघाट की ओर से आ रही फोर व्हीलर वाहन ने आ रहे बाइक सवार को ऐसी टक्कर मारकर बस स्टैंड में मौजूद फल की दुकान को चुरा करते हुए चार पांच खड़ी टू व्हीलर वाहनों को दबाते हुए दो लोगों को भयंकर रूप से दुर्घटनाग्रस्त कर दिया। इस घटना से रामपायली पुलिस सबक ले तो रामपायली बस स्टैंड चौक चौराहा पर पुलिस के मौजूदगी की महिती आवश्यकता है। क्योंकि आते जाते तेज रफ्तार वाहनों पर किसी प्रकार का लगाम नहीं है नो सिखियों से लेकर लाइसेंस सुधा वाहन चालक अपने रफ्तार पर किसी भी प्रकार का नियंत्रण रखने में असमर्थ है। उनकी तेज रफ्तार निर्दोष नागरिकों के मौत का कारण बनते जा रहे है,वे किसी प्रकार का परहेज नहीं रख पा रहे है इस दिशा में जिला पुलिस अधीक्षक से नागरिकों ने अनुरोध किया है कि रामपायली जिससे तेज रफ्तार के कहर पर अंकुश लगेगा और निर्दोष नागरिकों की जान सुरक्षितहो आवश्यक है अथवा बैरिकेट्स जो कभी रखे जाते थे। वह भी हटा लिए गए हैं जबकि

पुलिस की सुस्त कार्य प्रणाली को चुस्त दुरुस्त बनाकर बस स्टैंड बाजार चौक और भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस का पहरा रखें और आते जाते तेज रफ्तार वाहनों के नियंत्रण के लिए रोक टोक जैसी व्यवस्था बहाल करें। पाएंगी। रामपायली बस स्टैंड में चारों दिशाओं से मार्ग इस चौक पर आता है चौक छोटा होने के कारण आते जाते वहां बेधड़क अपने तेज रफ्तार से निकल जाते है। इन वाहनों के नियंत्रण के लिए पुलिस की हमेशा मौजूदगी है। वाहन को पुलिस ने जस कर कानूनी कार्रवाई में लिया है गंभीर को रामपायली चिकित्सालय में चिकित्सकों की पूर्ति नहीं होने के कारण जिला चिकित्सालय रवाना किया गया है आगे जांच जारी है।

इस मार्ग पर यातायात २२४ घंटे अपने शबाब पर बना हुआ है। ऐसी दशा में चौक चौराहा पर बैरिकेट्स का होना नितांत आवश्यक है जिससे दुर्घटनाओं को नियंत्रण के लिए कुछ हद तक निजात मिल सकती है। जनपद पंचायत सदस्य जगदीश बंसोड़ के फल दुकान को चौपाइयां वाहन ने पूरी तरह से अपने चपेट में लेकर नेस्तनाबूद कर दिया। वहीं पास खड़े चार.पांच वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर भारी आर्थिक छती को नकारा नहीं जा सकता

## राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच ने आबेंडकर जयंती पर किया शरबत का वितरण

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** कांग्रेस पार्टी राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच एवं खेल एवं खिलाड़ी प्रकोष्ठ के द्वारा मंगलवार को संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर की १३५ वी जयंती के पावन अवसर पर भव्य जुलूस में शर्बत वितरण किया गया। आंबेडकर चौक में बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर विधायक विवेक पटेल,कार्यक्रम

आयोजक राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच एवं खेल एवं खिलाड़ी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष जावेद अली, जिला पंचायत सदस्य लोहमर्ष बिसेन,कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष स्वप्निल डोंगरे ,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धवल माडल ,पूर्व ब्लाक अध्यक्ष जेशराज पारधी ,शैलेन्द्र पटेल ,गुड्डु सोनी ,उमाशंकर पटले, सुनील राणा,अशोक मरार ,मुन्ना कठाने ,आशिफखान,भुवन लोहार, राजकुमार चौधरी,अरशद कुरैशी,आनंद बिसेन ,हरीश मराठे ,हरी छिरसागर ,पवन प्रजापती रेवाराम पंचेश्वर,अल्ताफ कादरी ,अनिल शाह उईके ,चन्द्र किशोर बुरडे ,फिरोज खान, अभिषेक चने,सादाब हसन, सादाब खान, चिंटू जैन , इमरान कुरैशी,सोनू कनोजिया,गड्डेस सोनेकर ,राजेश कोलते,राजेश बिसेन, ईरफान खान एवं सभी कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## कांग्रेस कार्यालय में मनाई गई संविधान निर्माता भीमराव आंबेडकर की जयंती

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की १३५ वीं जयंती अत्यंत उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। विभिन्न सामाजिक राजनीतिक संगठनों के साथ ही विधायक विवेक पटेल ने आंबेडकर चौक पहुंचकर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के आदर्शों को याद किया। जिसके पश्चात वारासिवनी जनसंपर्क कार्यालय में संविधान के निर्माता डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की जयंती विधायक विवेक पटेल की उपस्थिति में मनाई गई। कांग्रेसजनों ने बाबा साहेब की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने जो कार्य किए वे आज भी प्रेरणादायक है। उनका जीवन हमें एक नई दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाता है। जीवन भर समानता के संघर्ष करने वाले डॉक्टर भीमराव आंबेडकर को समानता और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। उनके विचार आज भी समरस और सशक्त भारत के निर्माण की प्रेरणा देते है। उनकी विद्वता और योगदान के कारण लोग १४ अप्रैल को ना सिर्फ एक त्योहार बल्कि उससे भी बढ़कर जोश और श्रद्धा के साथ मनाते है। इस दौरान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धवल माडल, वरिष्ठ कांग्रेसी शाहिद खान, जैसराज पारधी, ब्लाक अध्यक्ष जीतू राजपूत, सुनील राणा, राहुल गांधी विचार मंच जिलाध्यक्ष जावेद अली, विवेक जुझार, सुदेश गुड्डु सोनी, राजकुमार चौधरी, शैलेंद्र पटेल, राहुल अरोरा, प्रणय धार्मिक, चिंटू जैन,प्रमेंद्र हेड़ाऊ,हरि क्षीरसागर,पप्पू गोंनाडे,अनिल गौतम,संदेश बिसेन सहित कांग्रेसजन मौजूद रहे।

# सुप्रीम कोर्ट का सख्त निर्देश - बाल तस्करी पर सख्ती जरूरी न्याय और जिम्मेदारी का समय

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में बच्चों की सुरक्षा केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि नैतिक और संवैधानिक कर्तव्य भी है। हाल ही में सुप्रीम करतबने बाल तस्करी के बढ़ते मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्यों को सख्त और त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट कहा कि वह निगरानी कर सकती है लेकिन वास्तविक कार्रवाई का दायित्व राज्य सरकारों और प्रशासनिक तंत्र पर ही है। यह टिप्पणी केवल एक कानूनी बयान नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। बाल तस्करी एक जटिल और बहुआयामी अपराध है जो केवल बच्चों के अपहरण तक सीमित नहीं रहता बल्कि इसमें जबरन मजदूरी यौन शोषण भीख मंगवाना और अवैध गतिविधियों में धकेलना जैसे गंभीर अपराध शामिल होते हैं। यह समस्या केवल शहरों तक सीमित नहीं है बल्कि ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी तेजी से फैल रही है जहां जागरूकता की कमी और गरीबी के कारण बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। अदालत ने इस बात पर भी जोर दिया कि देशभर में संगठित गिरोह सक्रिय हैं जो बच्चों को निशाना बनाते हैं और उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाकर शोषण करते हैं। इस मुद्दे की गंभीरता को समझने के लिए यह आवश्यक है कि हम इसके मूल कारणों पर भी ध्यान दें। गरीबी बेरोजगारी अशिक्षा और सामाजिक असमानता जैसे कारक बाल तस्करी को बढ़ावा देते हैं। कई बार माता पिता आर्थिक मजबूरी के चलते बच्चों को काम पर भेजने के लिए मजबूर हो जाते हैं और यही स्थिति तस्करों के लिए अवसर बन जाती है। इसके अलावा शहरीकरण और पलायन भी एक बड़ा कारण है जहां परिवारों का सामाजिक ढांचा कमजोर पड़ जाता है और बच्चों की सुरक्षा खतरे में आ जाती है। अदालत ने अपने अवलोकन में यह भी कहा कि कई मामलों में राज्य सरकारों की प्रतिक्रिया धीमी और असंगठित होती है जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं। पुलिस और प्रशासन के बीच समन्वय की कमी भी एक बड़ी समस्या है। कई बार मामलों की सही जांच नहीं हो पाती और पीड़ित बच्चों को न्याय मिलने में देरी होती है। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि कानून का प्रभावी क्रियान्वयन ही इस समस्या का समाधान है और इसके लिए सभी संबंधित एजेंसियों को मिलकर काम करना होगा। बाल तस्करी के मामलों में त्वरित कार्रवाई इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इसमें हर पल महत्वपूर्ण होता है। जितनी देर कार्रवाई में होती है उतनी ही संभावना बढ़ जाती है कि बच्चा किसी अन्य स्थान पर ले जाया जाए या उसका शोषण किया जाए। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल नीतियां बनाना पर्याप्त नहीं है बल्कि उन्हें जमीन पर लागू करना भी उतना ही आवश्यक है। इसके लिए प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जवाबदेही जरूरी है। इस संदर्भ में समाज की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। केवल सरकार और अदालत पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। आम नागरिकों को भी सतर्क रहना होगा और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को देनी चाहिए। स्कूलों और समुदायों में जागरूकता अभियान चलाकर बच्चों और अभिभावकों को इस खतरे के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। इससे न केवल अपराधों की रोकथाम होगी बल्कि पीड़ितों को समय पर सहायता भी मिल सकेगी। तकनीक का उपयोग भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण साधन बन सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और डाटाबेस के माध्यम से लापता बच्चों की जानकारी को तेजी से साझा किया जा सकता है।

# जनगणना 2027- सामाजिक संरचना, राजनीतिक विमर्श और आर्थिक नीतियों के लिए निर्णायक मोड़ साबित होगी

वैश्विक स्तरपर भारत जैसे विशाल और विविधता पूर्ण देश में जनगणना केवल आबादी की गिनती नहीं होती,बल्कि यह शासन,विकास और सामाजिक न्याय का आधारभूत स्तंभ होती है। लगभग 146.2 करोड़ की आबादी वाले इस देश में अंतिम जनगणना 2011 में हुई थी, जबकि संवैधानिक और प्रशासनिक परंपरा के अनुसार हर 10 वर्षों में जनगणना कराई जानी चाहिए थी। इस दृष्टि से 2021 में जनगणना होना तय था, किंतु यह प्रक्रिया कई कारणों से स्थगित होती रही। अब 2027 की प्रस्तावित जनगणना न केवल इस लंबित प्रक्रिया को पूरा करेगी, बल्कि यह भारत के प्रशासनिक इतिहास में एक नए युग की शुरुआत भी मानी जा रही है। यह पहली बार होगा जब देश पूरी तरह डिजिटल जनगणना करेगा और 1931 के बाद पहली बार व्यापक स्तर पर जातिगत आंकड़े भी एकत्र किए जाएंगे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस प्रकार यह जनगणना केवल एक प्रशासनिक अभ्यास नहीं,बल्कि सामाजिक संरचना,राजनीतिक विमर्श और आर्थिक नीतियों के लिए निर्णायक मोड़ साबित होगी।जातिगत जनगणना को लेकर दायर याचिकाओं पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय का रुख भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। भारतीय सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने 10 अप्रैल 2026 को एक जनहित याचिका को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया को रोकने का कोई ठोस आधार प्रस्तुत नहीं किया गया है।मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाकर्ता द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा पर भी कड़ी आपत्ति जताई और इसे न्यायिक मर्यादा के खिलाफ बताया। यह निर्णय न केवल न्यायपालिका की गंभीरता को दर्शाता है,बल्कि यह भी संकेत देता है किसरकार की नीतिगत प्रक्रियाओं में न्यायपालिका अनावश्यक हस्तक्षेप से बचना चाहती है, जब तक कि कोई स्पष्ट संवैधानिक उल्लंघन न हो।इससे पहले भी फरवरी 2026 में अदालत ने जातिगत डेटा संग्रहण की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली एक अन्य याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया था। इन निर्णयों से यह स्पष्ट होता है कि न्यायपालिका इस विषय को नीतिगत क्षेत्र का हिस्सा मानते हुए सरकार को आगे बढ़ने की अनुमति दे रही है।

साथियों बात अगर हम 2021 की जनगणना क्यों टली- महामारी से प्रशासनिक जटिलताओं तक इसको समझने की करें तो,2021 की जनगणना के स्थगन के पीछे सबसे प्रमुख कारण वैश्विक महामारी कोविड -19 थी, जिसने न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व की प्रशासनिक गतिविधियों को प्रभावित किया। भारत में मार्च 2020 से लागू लॉकडाउन,सामाजिक दूरी के नियम और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों के चलते घर-घर जाकर डेटा संग्रह करना लगभग असंभव हो गया था। इसके अलावा, महामारी के दौरान सरकारी संसाधनों और मानवशक्ति का बड़ा हिस्सा स्वास्थ्य सेवाओं और राहत कार्यों में लगा हुआ था, जिससे जनगणना जैसी व्यापक प्रक्रिया को प्राथमिकता देना कठिन हो गया।इसके अतिरिक्त, तकनीकी तैयारी और डिजिटल अवसंरचना के विकास में भी अपेक्षित समय लगा।चूंकि सरकार इस बारजनगणना को पूरी तरह डिजिटल बनाना चाहती थी,इसलिए मोबाइल एप्लिकेशन, डेटा सुरक्षा, सर्वर क्षमता और प्रशिक्षण जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान देना पड़ा। इस प्रकार महामारी के साथ-साथ प्रशासनिक और तकनीकी कारणों ने मिलकर 2021 की जनगणना को टाल दिया,जो अब 2027 में सटिकाता से आयोजित की जा रही है।

साथियों बात अगर हम डिजिटल जनगणना 2027- डेटा संग्रहण की नई क्रांति को समझने की करें तो 2027 की जनगणना को भारत की पहली पूर्णत: डिजिटल जनगणना के रूप में देखा जा रहा है। यह प्रक्रिया मोबाइल एप्लिकेशन, ऑनलाइन पोर्टल और रियल- टाइम डेटा संग्रहण तकनीकों के माध्यम से संचालित होगी। इसमें जियो-टैगिंग,स्व-गणना और डेटा का तत्काल सत्यापन जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।इस डिजिटल परिवर्तन का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि डेटा संग्रहण अधिक सटीक, तेज और पारदर्शी होगा। पहले जहां आंकड़ों को संकलित और प्रकाशित करने में वर्षों लग जाते थे, वहीं अब यह प्रक्रिया काफी हद तक त्वरित हो सकेगी। साथ ही, डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से सरकार नीतियों को अधिक प्रभावी और लक्षित बना सकेगी।हालांकि, इसके साथ ही डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के मुद्दे भी सामने आते हैं। इतनी बड़ी आबादी का संवेदनशील डेटा डिजिटल रूप में संग्रहित करना साइबर सुरक्षा के दृष्टिकोण से चुनौतीपूर्ण होगा। अत: सरकार को इस दिशा में मजबूत सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने होंगे।

साथियों बात अगर हम जातिगत जनगणना-1931 के बाद एक ऐतिहासिक पहल को समझने की करें तो भारत में 1931 के बाद से व्यापक जातिगत जनगणना नहीं की गई थी। स्वतंत्रता के बाद केवल अनुसूचित जाति औरअनुसूचित जनजाति से संबंधित आंकड़े ही एकत्र किए जाते रहे। लेकिन 2027 की जनगणना में सभी जातियों का डेटा एकत्र करने की योजना है, जो इसे ऐतिहासिक बनाती है।जातिगत जनगणना का उद्देश्य सामाजिक न्याय और संसाधनों के समान वितरण को सुनिश्चित करना है। इसके माध्यम से सरकार यह समझ सकेगी कि विभिन्न जातियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति क्या है और किन समूहों को अधिक सहायता की आवश्यकता है। यह डेटा आरक्षण नीति, कल्याणकारी योजनाओं और आर्थिक विकास कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेगा।हालांकि,इस पहल के साथ कई विवाद भी जुड़े हुए हैं। आलोचकों का मानना है कि जातिगत आंकड़े समाज में विभाजन को बढ़ा सकते हैं और पहचान की राजनीति को प्रोत्साहित कर सकते हैं। वहीं समर्थकों का तर्क है कि बिना सटीक डेटा के सामाजिक न्याय की नीति बनाना संभव नहीं है। इस प्रकार यह मुद्दा सामाजिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर गहन बहस का विषय बना हुआ है।

साथियों बात अगर हम जनगणना की संरचना-दो चरणों में विस्तृत प्रक्रिया को समझने की करें तो जनगणना 2027 को दो मुख्य चरणों में आयोजित किया जाएगा।पहला चरण अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच हाउस लिस्टिंग और आवास गणना का होगा,जिसमें घरों की स्थिति,उपलब्ध सुविधाएं और परिसंपत्तियों का विवरण एकत्र किया जाएगा। इसमें जियो- टैगिंग के माध्यम से प्रत्येक आवास का स्थान भी दर्ज किया जाएगा।दूसरा चरण फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना का होगा, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति की व्यक्तिगत जानकारी, जैसे आयु,लिंग,शिक्षा,रोजगार और जाति से संबंधित डेटा एकत्र किया जाएगा। इसकी संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 निर्धारित की गई है,अर्थात इस समय तक जन्मे सभी व्यक्तियों को जनगणना में शामिल किया जाएगा। विशेष परिस्थितियों वाले क्षेत्रों,जैसे जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमालयी राज्यों में, मौसम और भौगोलिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए अलग संदर्भ तिथि निर्धारित की गई है। साथियों बात अगर हम 33 सवालों की सूची-जीवनशैली और विकास का समग्र आकलन को समझने की करें तो इस बार जनगणना में पूछे जाने वाले 33 सवाल केवल जनसंख्या तक सीमित नहीं होंगे,बल्कि वे लोगों की जीवनशैली, आर्थिक स्थिति और तकनीकी पहुंच का भी आकलन करेंगे।इसमें पीने के पानी,बिजली,शौचालय, ईंधन, इंटरनेट,मोबाइल,कंप्यूटर और वाहन जैसी सुविधाओं से जुड़े प्रश्न शामिल होंगे।पहली बार यह भी पूछा जाएगा कि परिवार के पास चार पहिया वाहन है या नहीं, और वे कौन-सा प्रमुख अनाज उपभोग करते हैं।इन प्रश्नों के माध्यम से सरकार देश की बदलती उपभोक्ता प्रवृत्तियों और जीवन स्तर को समझ सकेगी।यह डेटा कृषि नीति, डिजिटल इंडिया, शहरी विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार बनेगा। इस प्रकार जनगणना अब केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि विकास की दिशा तय करने वाला उपकरण बन चुकी है। साथियों बात कर हम आर्थिक और नीतिगत प्रभाव- डेटा से विकास की दिशा को समझने की करें तो जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए नीति निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण आधार होते हैं।शिक्षा,स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी योजनाएं इन्हीं आंकड़ों के आधार पर बनाई जाती हैं।2027 की जनगणना से प्राप्त डेटा अगले 10 वर्षों की विकास योजनाओं को दिशा देगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी क्षेत्र में इंटरनेट की पहुंच कम पाई जाती है, तो वहां डिजिटल अवसंरचना को बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा। इसी प्रकार, यदि किसी विशेष समुदाय की आर्थिक स्थिति कमजोर पाई जाती है, तो उनके लिए लक्षित योजनाएं बनाई जा सकती हैं इस प्रकार यह जनगणना भारत की आर्थिक रणनीति और सामाजिक नीति के लिए एक रोडमैप तैयार करेगी। साथियों बात अगर हम सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव- पहचान, प्रतिनिधित्व और संतुलन के दृष्टिकोण से समझने की करें तो जातिगत जनगणना का सबसे बड़ा प्रभाव सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में देखने को मिलेगा। इससे विभिन्न समुदायों की वास्तविक जनसंख्या और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का स्पष्ट चित्र सामने आएगा,जो राजनीतिक प्रतिनिधित्व और आरक्षण नीति को प्रभावित कर सकता है।हालांकि, इसके साथ पहचान की राजनीति के बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। विभिन्न जातियां अपने अधिकारों और हिस्सेदारी के लिए अधिक मुखर हो सकती हैं, जिससे सामाजिक तनाव भी बढ़ सकता है।इसलिए सरकार और समाज दोनों के लिए यह आवश्यक होगा कि इस डेटा का उपयोग संतुलित और जिम्मेदार तरीके से किया जाए, ताकि यह सामाजिक समरसता को बनाए रखते हुए विकास को बढ़ावा दे सके। साथियों बात अगर हम भारतीय जनसंख्या गणना2027 को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य- भारत का वैश्विक उदाहरण इस रूप में समझने की करें तो विश्व के कई देशों में जनगणना की प्रक्रिया नियमित रूप से होती है, लेकिन भारत जैसे विशाल और विविध देश में इसे सफलता पूर्वक आयोजित करना एक बड़ी उपलब्धि है। डिजिटल जनगणना और व्यापक सामाजिक डेटा संग्रहण के माध्यम से भारत एक नया वैश्विक मानक स्थापित कर सकता है।यदि यह प्रक्रिया सफल रहती है, तो यह अन्य विकासशील देशों के लिए भी एक मॉडल बन सकती है कि कैसे तकनीक का उपयोग करके बड़े पैमाने पर डेटा संग्रहण और नीति निर्माण किया जा सकता है।

**-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं**

# माता पिता आपको अच्छा इंसान बनाते हैं

**- संजय गोस्वामी**

हर बालक अनगढ़ पत्थर की तरह है जिसमें सुन्दर मूर्ति छिपी है, जिसे शिल्पी की आँख देख पाती है। वह उसे तराश कर सुन्दर मूर्ति में बदल सकता है। क्योंकि मूर्ति पहले से ही पत्थर में मौजूद होती है शिल्पी तो बस उस फालतू पत्थर को जिसमें मूर्ति ढकी होती है, एक तरफ कर देता है और सुन्दर मूर्ति प्रकट हो जाती है। माता-पिता शिक्षक और समाज बालक को इसी प्रकार सँवार कर खूबसूरत व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। मां- बाप प्रतिफल बच्चों को सुख देने के लिए बेचैन रहते हैं इनके जीवन का 90 प्रतिशत संघर्ष तो मां ङ्कबाप ही पूरा कर देते हैं ऐसे लोग होते है जो पढ़ाई का खर्च खुद उठाते हैं आज के बच्चे इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते इन्हें लगता है कि फीस मां- बाप को ही भरनी है पेरेंट्स बच्चों को अच्छे से पढ़ा देते हैं अच्छी सी नौकरी लगवा देते हैं बच्चों के जीवन में संघर्ष बचा ही नहीं कुछ संघर्ष संतानों के लिए भी छोड़ना चाहिए एहसास कराना चाहिए कि जो सुविधाएं इन्हें मिल रहे हैं ये इनका अधिकार नहीं बल्कि माता- पिता का उपकार है परिंदा भी अपने छोटे बच्चों को पेड़ से धक्का दे देता है इसके बाद वो बच्चा पेड़ से गिरता नहीं उड़ जाता है और तब उस बच्चे को पता चलता है कि अगर धक्का नहीं दिया होतो तो में आसमान में नहीं आया होता इसे प्रकार जिंदगी के दरिया में इन बच्चों को हाथ पैर चलाने देना होगा जब संघर्ष आता है तो लोग दुर्भाग्य मानने लगते हैं संघर्ष और दुर्भाग्य में फर्क है दुर्भाग्य परेशान करता है संघर्ष तराशता है पांच चीजें बच्चों को अवश्य सिखाएं परिश्रम ईमानदारी सहनशीलता सहयोग की वृत्ति और परिणाम के प्रति बेफिक्र होना इससे बच्चे परिपक्व होगें हम बहुत-सी चीजें करने के इच्छुक हैं—अच्छी आदतें डालने और बुरी आदतें छोड़ने, एकाग्रता के साथ पढ़ने और मन लगाकर कुछ करने का हम संकल्प लेते हैं। परन्तु बहुधा हमारा मन विद्रोह कर बैठता है और हमें इन संकल्पों को रूपायित करने के हमारे प्रयास से पीछे हटने को मजबूर कर देता है। हमारे सामने किताब खुली पड़ी है और हमारी आँखें खुली हैं; परन्तु मन कुछ पुरानी बातों को सोचता हुआ या भविष्य के लिए ख्याली पुलाव पकाता हुआ इधर-उधर घूमने लगता है। जब हम थोड़ी देर के लिए प्रार्थना, जप या ध्यान करने बैठते हैं, तब भी ऐसा ही होता है। स्वामी विवेकानन्द कहते हैं, "स्वतन्त्र ! हम एक क्षण तो स्वयं अपने मन पर शासन नहीं कर सकते ! यही नहीं, किसी विषय पर उसे स्थिर नहीं कर सकते और अन्य, सबसे हटाकर किसी एक बिन्दु पर उसे केन्द्रित नहीं कर सकते ! फिर भी हम अपने को स्वतन्त्र कहते हैं ! जरा इस पर गौर तो करो !"शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थी का व्यक्तित्व विकास उनकी योजना का अनिवार्य अंग नहीं बन पाता है।चाहे आई.टी. का क्षेत्र हो अथवा मैनेजमेंट या मेडिकल का, सभी में सन्तोषजनक प्रगति हुई है, परन्तु युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण की समस्या जस की तस दिखाई दे रही है। भगवद्गीता का कहना है कि असंयमित मन एक शत्रु के समान और संयमित मन हमारे मित्र के समान आचरण करता है। शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार शिक्षा को त्रिमुखी प्रक्रिया माना गया है। शिक्षक, शिक्षार्थी एवं पाठ्यक्रम तीन आधार इस प्रक्रिया में हैं। शिक्षक का पुनीत कार्य शिक्षार्थी को पढ़ाना है, पाठ्यक्रम इसका माध्यम है। स्पष्ट है कि शिक्षक के लिए साध्य शिक्षार्थी है न कि पाठ्यक्रम। पाठ्यक्रम तो शिक्षक के लिए साधन के रूप में उपयोग में लाया जाता है। समय परिवर्तन के साथ साधन, साध्य के रूप में परिवर्तित हो गया है। शिक्षक का केन्द्रीकरण पाठ्यक्रम तक सीमित रह गया है, शिक्षार्थी द्वितीय वरीयता क्रम में आ गया है। अस्तु! शिक्षा का सर्वांगीण विकास अथवा शिक्षार्थी के व्यक्तित्व विकास की अवधारणा उलट गयी है। लक्ष्य परिवर्तित हो गये हैं, व्यक्तित्व के विकास का स्थान अंक-अर्जन ने प्राप्त कर लिया है, लक्ष्य उपाधि अथवा परिणाम हासिल करने तक सिमट गया है। समस्त शिक्षा-तन्त्र का भी एकमात्र उद्देश्य विद्यालय के उत्तम परीक्षाफल तक ही सीमित हो गया है। विद्यार्थी के विकास से उनका अब कोई लेना-देना नहीं है। पाठ्यक्रम केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था ने जो भी विकास किया है वह मात्र पाठ्यक्रम का। दिनोंदिन बस्ते का वजन बढ़ रहा है, विद्यार्थी के विकास की गति उसी के सापेक्ष घट रही है। विद्या प्रदाता को गुरु कहा जाता था, विद्या ग्रहण करने वाले को शिष्य। शनै-शनै गुरु-अध्यापक में परिवर्तित हुआ और शिष्य-विद्यार्थी में। वर्तमान में अध्यापक भी शिक्षक के रूप में तथा विद्यार्थी भी शिक्षार्थी के रूप में विद्यमान हैं। व्यक्तित्व निर्माण अथवा सद्गुण तथा सद्संस्कार का सम्बन्ध गुरु और शिष्य से है, शिक्षक और शिक्षार्थी से नहीं। संस्कार तथा जीवन निर्माण की बात तभी पूर्ण हो सकती है जब शिक्षक-गुरु के रूप में कार्य करें तथा शिक्षार्थी स्वयं को शिष्य के स्वरूप को परिलक्षित करें। दोनों में पारस्परिक यथायोग्य परम्पराओं एवं सम्बंधों का निर्वहन हो। शिक्षक और शिक्षार्थी के मध्य निरन्तर सम्पर्क, सम्बन्ध तथा संस्कारोचित व्यवहार हो। व्यक्तित्व-विकास में वंशानुक्रम तथा परिवेश दो प्रधान तत्त्व हैं। वंशानुक्रम व्यक्ति को जन्मजात शक्तियाँ प्रदान करता है। परिवेश उसे इन शक्तियों को सिद्धि के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है। बालक के व्यक्तित्व पर सामाजिक परिवेश प्रबल प्रभाव डालता है। ज्यों-ज्यों बालक विकसित होता जाता है, वह उस समाज या समुदाय की शैली को आत्मसात् कर लेता है, जिसमें वह बड़ा होता है, विकास का तात्पर्य यहां सद्गुणों से है, नैतिक एवं जीवन मूल्यों से है, कुल मिलाकर संस्कारों से है। जिसमें माता पिता का वचन पालन करना आवश्यक है जो भगवान राम ने मर्यादा का पालन किया,वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने शिक्षा को केवल साक्षर बनाने तक परिसीमित कर दिया है, शिक्षा का परम उद्देश्य संस्कार होता है, वह ओझल हो गया है।विद्या ददाति विनयम् के आधार पर प्रदान की जाने वाली शिक्षा विकासोन्मुखी एवं संस्कारोन्मुखी थी। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक-शिक्षार्थी सम्बन्ध लगभग समाप्त हो गये हैं। समस्त शिक्षण व्यवस्था का केन्द्र-बिन्दु शिक्षक है। सामाजिक मूल्यों में चाहे जितनी गिरावट आयी हो किन्तु समूचा समाज शिक्षक को आज भी अपेक्षाकृत अन्य वर्गों की तुलना में सम्मान की दृष्टि से देखता है। उन्ही लोगों के साथ न जुड़े रहना जो आपको बार बार और लगातार दर्द दे रहें हैं। यह सोचकर बैठ जाना की आप जीवन कुछ खो नहीं सकते। जब अचानक संघर्ष आता है तो तैयारी न होने पर लोग टूट जाते हैं या बिखर जाते हैं टूट गए तो फिर जुड़ जाएंगे लेकिन बिखर गए तो व्यक्तित्व के टुकड़े समेटना मुश्किल होगा आज के बच्चों को तो मालूम ही नहीं है कि संघर्ष होता क्या है।अत: हमें अपने मन की प्रक्रिया के विषय में एक स्पष्ट धारणा रखने की आवश्यकता है। क्या हम इसे अपने आज्ञा-पालन में, अपने साथ सहयोग करने में प्रशिक्षित कर सकते हैं ? किस प्रकार हमारे व्यक्तित्व के विकास में माता पिता का अहम योगदान रहता है।

# सूरों की आशा बनकर गूंजती रहेगी आशा भोसले

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। अभी न जाओ छोड़ कर जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी- हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे।

8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गईं, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है।



आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। पिया तू अब तो आजा, दम मारो दम, चुरा लिया है तुमने, दिल चीज क्या है जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है।

आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं। उनका योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भारतीयता, संवेदनशीलता और जीवन के उत्सव को अभिव्यक्त किया। उनका जाना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, पर उनकी आवाज, उनकी लय, उनकी जीवंतता और उनकी आत्मा इस देश की माटी में सदैव गूंजती रहेगी। यही उनकी सच्ची अमरता है और यही हमारे लिए उनकी सबसे बड़ी विरासत है।

आशा भोसले का व्यक्तिगत जीवन जितना संघर्षमय रहा, उतना ही अदम्य साहस, जीवटता और आत्मविश्वास से भरा हुआ भी था। एक संगीत-साधक परिवार में जन्म लेकर उन्होंने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया, परंतु हर चुनौती को उन्होंने अपनी शक्ति में रूपांतरित किया। लता मंगेशकर जैसी विराट विभूति की छाया में रहते हुए भी अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना उनके असाधारण व्यक्तित्व का प्रमाण है। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक आलोचनाओं और पारिवारिक जटिलताओं के बीच उन्होंने कभी अपने आत्मबल को क्षीण नहीं होने दिया। उनकी जिंदादिली, बेबाकी, हाजिरजवाबी और जीवन के प्रति उत्सवधर्मी दृष्टिकोण उन्हें केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा बनाते हैं। वे हर परिस्थिति में मुस्कराते हुए आगे बढ़ने की उस दुर्लभ कला की प्रतीक थीं, जो साधारण मनुष्यों को असाधारण बना देती है। आशाजी की प्रतिभा को तीन मुख्य संगीतकारों ने निखारा एवं संवारा, जिनमें ओ.पी.नैय्यर, रवि और आर.डी. बर्मन मुख्य है। उनका एक गीत मेरा कुछ सामान तुम्हारे पास पड़ा है, बहुत ही लोकप्रिय है, इसके लिये उन्हें नेशनल अवार्ड मिला था।

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी श्रृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था। उन्होंने हर शब्द में प्राण फूँककर उसे कालजयी बना दिया, जिससे संगीत केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि जीने का अनुभव बन गया। वास्तव में, आशा भोंसले वह अनंत स्वर-धारा थीं, जिन्होंने भारतीय संगीत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाकर उसे वैश्विक चेतना में प्रतिष्ठित किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना दिया।

**- ललित गर्ग**

# इंदौर बाजार भाव

**इंदौर। एजेंसी।** दिसावरी मजबूती से मंगलवार को किराना जिंसों में हल्दी बाजार तेजी के रहे। सौंफ अच्छे मालों में मजबूत हुई। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार हल्दी में माँग का सीज़न है। दिसावरी बाजारों में मजबूती से भावों में सुर्खी है। वहीं, सौंफ व जीरा भी मजबूती बनाए हुए है। खाद्य तेलों में टिकाव कायम है। अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। भाव इस प्रकार रहे-

**किराना**- शक्कर 4080-4180, खोपरा गोला 350-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

**तेल**- सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1760, राजकोट तेलिया 2730, सोया साल्वेंट 1460-1470, सोया रिफाइंड 1520-1530, कपास्या 1450, धूलिया 1460, कड़ी 1460,

**रात की धारणा**- गुजरात लुज 1700-1710, मुम्बई पाम 1450, मुम्बई सोया 1560,

**खली**- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3725 (प्रति क्विंटल)

**तिलहन**- सरसो 7200-7300, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

**दलहन**- चना कांटेवाला बेस्ट 5500-5600, एवरेज 5550-5600, विशाल 5500-5550, महाराष्ट्र विशाल 5650-5675, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7300, एवरेज 7000-7100, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

**दाल**- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

**अनाज**- गेहूं मिल क्वालिटी 2300-2400, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

**चावल**- चावल हंसा सफेद 2900-3200, सेला 3500-3700, परमल 3300-3500, दुबराज 4500-5600, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

**मावा**- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

## इंदौर सर्राफा बाज़ार

**इन्दौर। एजेंसी।** मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य रहा। विदेशी बाजारों में मजबूती के चलते दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 243000, चॉंदी (99) 242500, टंच 242000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 152600,

## ईरान-अमेरिका तनाव का असर भारत में, फ्रिज, पंखे, खाद्य तेल और कपड़ों के दाम 15 फीसद तक बढ़े

**मुंबई। एजेंसी।** पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारतीय बाजारों में भी दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और सप्लाई चेन पर दबाव के कारण रोजमर्रा के सामान महंगे हो गए हैं। फ्रिज, पंखे, पेंट, कपड़े और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की लागत 10 से 15 फीसदी तक बढ़ी है, जबकि कई खाद्य सामग्रियों की कीमतों में 7 फीसदी तक इजाफा दर्ज किया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, खासकर खाद्य तेल और कच्चा तेल। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम बढ़ने से परिवहन, पैकेजिंग और उत्पादन लागत पर सीधा असर पड़ता है।

# पश्चिम एशिया तनाव का भारतीय कंपनियों पर असर, बिक्री 40 फीसदी तक घटी

**मुंबई। एजेंसी।** पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब भारतीय कंज्यूमर और एफएमसीजी कंपनियों के कारोबार पर साफ दिखाई देने लगा है। बिक्री में गिरावट, लागत में तेज उछाल और सप्लाई चेन बाधित होने से कंपनियों की रणनीतियों पर पुनर्विचार शुरू हो गया है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अस्थिरता के चलते भारतीय कंज्यूमर कंपनियों के कारोबार पर गंभीर असर पड़ा है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण इस क्षेत्र में कई कंपनियों की बिक्री में 30 से 40 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई है। साथ ही कंटेनर शिपिंग की लागत 4 से 5 गुना तक बढ़ जाने से लॉजिस्टिक्स और ऑपरेशनल खर्च में भारी वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र में काम करने वाली प्रमुख कंपनियों में ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, डाबर, मैरिको, इमामी, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बीबा फैशन, आईडी फ्रेश फूड, रसना और बिसलेरी शामिल हैं। इन कंपनियों की कुल कमाई का लगभग 5 से 20 फीसदी हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। आईडी फ्रेश फूड के ग्लोबल सीईओ पी.सी. मुस्तफा के अनुसार कंपनी ने मौजूदा हालात को देखते हुए अपने निवेश और विस्तार योजनाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। वहीं रसान के चेयरमैन पीरूज खंबाटा ने स्थिति को कोविड जैसे हालात बताया है, जिससे बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई है। बीवा फैशन के एक अधिकारी ने बताया कि यूएई में ईद तक कारोबार स्थिर था, लेकिन उसके बाद बिक्री में अचानक 30-40 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। कंपनियां अब जोखिम कम करने के लिए अतिरिक्त स्टॉक, वैकल्पिक सप्लाई रूट और बीमा कवरेज पर ध्यान दे रही हैं। डाबर ने भी स्वीकार किया है कि इस क्षेत्र में चल रहे संघर्ष का उसके कारोबार पर असर पड़ा है। कंपनी की लगभग 15 फीसदी सालाना आय मिडिल ईस्ट से आती है और वहां करीब 500 कर्मचारी कार्यरत हैं। कुल मिलाकर, पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने भारतीय कंपनियों के लिए मांग, लागत और विस्तार तीनों मोर्चों पर बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है, जिससे आने वाले समय में उनकी वैश्विक रणनीति और प्रभावित हो सकती है।

## कमजोर मानसून और बढ़ती लागत से ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव

**नई दिल्ली। एजेंसी।** भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सामने 2026 में दोहरी चुनौती उभरती दिख रही है। एक ओर कमजोर मानसून का अनुमान है, वहीं दूसरी ओर खेती से जुड़े खर्च बढ़ने से किसानों और मांग दोनों पर असर पड़ सकता है। प्राइवेट मौसम एजेंसी स्काईमेट वेदर ने 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून को सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है। इसकी बड़ी वजह अल नीनो की संभावित स्थिति मानी जा रही है। वहीं मई से जुलाई के बीच एल नीनो बनने की 61 फीसदी की संभावना बताई जा रही है, जो साल के अंत तक जारी रह सकता है। यदि मानसून कमजोर रहता है, तो खरीफ फसलों के उत्पादन पर असर पड़ सकता है। 2023 की तरह कम बारिश की स्थिति बनने पर ग्रामीण आय और मांग दोनों में गिरावट का खतरा बढ़ेगा। दूसरी ओर, खेती की लागत भी तेजी से बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के चलते उर्वरक और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है। स्ट्रेट आफ होर्मुज में व्यवधान के कारण सप्लाई प्रभावित हुई है, जिससे लागत पर और दबाव बढ़ा है। इसका असर ट्रैक्टर, टू-व्हीलर, एफएमसीजी और उपभोक्ता सामानों की मांग पर पड़ सकता है। हालांकि गर्मी से जुड़े प्रोडक्ट्स जैसे कोल्ड ड्रिंक्स, आइसक्रीम और एयर कंडीशनर की मांग को सहारा मिल सकता है। कमजोर मानसून और बढ़ती लागत का असर महंगाई पर भी दिख सकता है। खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी से सरकार पर सब्सिडी का बोझ 10,000 से 25,000 करोड़ रुपये तक बढ़ने की आशंका है। आगे चलकर एल नीनो से जुड़े अपडेट और आधिकारिक मानसून पूर्वानुमान पर बाजार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा काफी हद तक निर्भर करेगी।

## ऊर्जा और खाद्य कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहने की आशंका- आईएमएफ, विश्व बैंक, आईईए

**वॉशिंगटन। एजेंसी।** अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने संयुक्त रूप से चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण ऊर्जा और खाद्य वस्तुओं की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। तीनों संस्थानों ने कहा कि इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक और असमान रूप से पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण ईंधन और उर्वरक की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रह सकती है। इन संस्थानों ने इस महीने की शुरुआत में गठित एक समन्वय समूह के तहत बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। संयुक्त बयान में कहा गया कि युद्ध का प्रभाव केवल ऊर्जा बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे वैश्विक स्तर पर लोगों का विस्थापन हुआ है, रोजगार प्रभावित हुए हैं और यात्रा व पर्यटन क्षेत्र में गिरावट आई है। इन क्षेत्रों को सामान्य स्थिति में लौटने में काफी समय लग सकता है। तीनों संस्थानों ने स्पष्ट किया कि यह संकट व्यापक, वैश्विक और असमान है। विशेष रूप से ऊर्जा आयात करने वाले देशों और निम्न-आय वाले देशों पर इसका अधिक गंभीर असर पड़ा है। तेल, गैस और उर्वरक की कीमतों में वृद्धि ने खाद्य सुरक्षा और रोजगार से जुड़ी चिंताओं को भी बढ़ा दिया है। बयान में यह भी कहा गया कि पश्चिम एशिया के कुछ तेल और गैस उत्पादक देशों को निर्यात राजस्व में नुकसान हुआ है। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री आवागमन अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है। संस्थाओं ने चेतावनी दी कि भले ही भविष्य में आवाजाही सामान्य हो जाए, फिर भी युद्ध से प्रभावित बुनियादी ढांचे के कारण वैश्विक आपूर्ति को पूर्व स्तर पर लौटने में समय लगेगा। इससे ईंधन और उर्वरक की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं।

## आज का राशिफल



**मेष**- आज आपका दिन थोड़ा कमजोर रह सकता है। परिवार में छोटे-छोटे मनमुटाव हो सकते हैं, इसलिए समझदारी और धैर्य से काम लें। धन संबंधी मामलों में अजनबियों पर भरोसा करने से बचें। यदि कोई प्रॉपर्टी डील अटकी हुई है, तो उसे फाइनल करने की कोशिश करेंगे, लेकिन माता जी की सेहत पर ध्यान देना आवश्यक रहेगा। आज आप अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को पूरा करने में समय बिताएंगे।

**वृषभ**- आज का दिन धन के मामले में अनुकूल रहेगा। किसी उम्मीद के काम में आपको सफलता और धन लाभ दोनों मिल सकते हैं। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। कानूनी मामलों में लापरवाही न करें, नहीं तो बाद में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बिजनेस में उठापटक के बावजूद आपको लाभ प्राप्त होगा और परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव से माहौल खुशनुमा रहेगा।

**मिथुन**- आज का दिन मिश्रित अनुभवों से भरा रहेगा। लोगों की पहचान करना जरूरी होगा, क्योंकि कुछ दोस्त आपकी राह में रोड़ा अटका सकते हैं। विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखें और भरोसा सोच-समझकर करें। एक साथ कई काम संभालने होंगे। किसी सामाजिक या राजनीतिक आयोजन में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जो आपकी प्रतिष्ठा बढ़ाएगा।

**कर्क**- आज का दिन अप्रत्याशित लाभ और नई संभावनाएं लेकर आएगा। निर्णय लेने की आपकी क्षमता मजबूत रहेगी। कार्यक्षेत्र में किसी से बेवजह विवाद न करें, नहीं तो बॉस से डांट पड़ सकती है। बिजनेस में रुकी योजनाएं लाभदायक साबित होंगी। विद्यार्थी पूरी मेहनत से परीक्षा की तैयारी करेंगे और सफलता प्राप्त करेंगे। पारिवारिक जीवन में तालमेल बनाकर चलना लाभकारी रहेगा।

**सिंह**- आज नए संपर्क और अवसर आपके लिए लाभ लेकर आएंगे। भाग-दौड़ और जल्दबाजी से बचें, नहीं तो मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जीवनसाथी के साथ तालमेल बनाए रखने से रिश्तों में स्थिरता आएगी। भाई-बहनों का सहयोग कम रहेगा, लेकिन आप नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। राजनीतिक या सामाजिक आयोजनों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां मिलने से आपकी स्थिति मजबूत होगी।

**कन्या**- आज का दिन थोड़े चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अधूरे कामों को समय से पूरा करने का प्रयास करेंगे। बॉस के साथ मतभेद होने की संभावना है और पुराने निर्णय को लेकर पछतावा हो सकता है। दांत या स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के लिए डॉक्टर से परामर्श लाभकारी रहेगा। बिजनेस में पार्टनरशिप की डील फाइनल करने का अवसर मिलेगा।

**तुला**- आज आलस्य को दूर करके आगे बढ़ना आवश्यक है। परोपकार के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। मनोकामना पूरी होने से खुशी का अनुभव होगा। किसी बात को लेकर पिताजी नाराज हो सकते हैं। विवाह संबंधी बाधाएं दूर हो सकती हैं। पुराने अनुभवों से सबक लें और कर्ज को समय पर चुकाने की पूरी कोशिश करें।

**वृश्चिक**- आज का दिन नुकसान और सतर्कता का संकेत देता है। जीवनसाथी से बातचीत में सावधानी रखें। वाद-विवाद और समय पर काम न होने से नुकसान हो सकता है। रहन-सहन में सुधार की कोशिश करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी या आयोजन की योजना बनेगी। वाहन चलाते समय सावधानी आवश्यक है।

**धनु**- आज का दिन मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। लेन-देन से जुड़ी समस्याएं हल होंगी। कार्यक्षेत्र में जूनियर्स की मदद लेनी पड़ सकती है। खोई हुई प्रिय वस्तु मिलने की संभावना है। प्रेम जीवन में साथी की बातों पर ध्यान दें और निवेश करते समय सतर्क रहें। मेहनत का फल निश्चित रूप से मिलेगा।

**मकर**- आज बुद्धि और विवेक से निर्णय लेने का दिन है। खर्च और बचत दोनों पर ध्यान देना आवश्यक है। परोपकार के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। घर में मेहमान का आगमन हो सकता है। जीवनसाथी से चल रहे वाद-विवाद को सुलझाने का प्रयास सफल रहेगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। विदेश से व्यापार करने वालों को खुशखबरी मिल सकती है।

**कुंभ**- आज दिन की शुरुआत थोड़ी कमजोर रहेगी। काम में मुश्किलें आ सकती हैं, इसलिए बिना सोचे-समझे कोई कदम न उठाएं। आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने का समय है। बाहर जाने या यात्रा की योजना बन सकती है। कार्यक्षेत्र में धोखा मिलने की संभावना को नजरअंदाज न करें।

**मीन**- आज का दिन सोच-समझकर काम करने का है। सेहत पर ध्यान दें और परिवार में पैतृक संपत्ति के वाद-विवाद सुलझ सकते हैं। परिवार के किसी सदस्य से किए वादे को समय पर पूरा करें। राजनीति में कार्यरत लोगों को बड़े नेताओं से मिलने का अवसर मिलेगा, जिससे आपकी छवि निखरेगी। घर में पूजा-पाठ का आयोजन भी होने की संभावना है।

## शब्दजाल - 8229



शब्दजाल में प्रियंका चोपड़ा की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

बल्फमास्टर, वक्त, किस्मत, ऐतराज, द हीरो, आप की खातिर, अंदाज, असंभव, प्लान, बरसात.

### शब्दजाल - 8228 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

## फिल्म वर्ग पहेली - 7173



**ऊपर से नीचे:-**

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नतान्या सिंह की फिल्म-२

**बायें से दायें:-**

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

### फिल्म वर्ग पहेली - 7172



Jagrutidaur.com, Bangalore

## दैनिक पंचांग

15 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



| ग्रह | स्थिति | लग्नारंभ | समय |
|---|---|---|---|
| सूर्य | मेष में | मेष | 05.41 बजे से |
| चंद्र | मीन में | वृष | 07.21 बजे से |
| मंगल | मीन में | मिथुन | 09.19 बजे से |
| बुध | मीन में | कर्क | 11.32 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | सिंह | 13.49 बजे से |
| शुक्र | मेष में | कन्या | 16.00 बजे से |
| शनि | मीन में | तुला | 18.11 बजे से |
| राहु | कुंभ में | वृश्चिक | 20.26 ब.से |
| केतु | सिंह में | धनु | 22.42 बजे से |
| राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक | | मकर | 00.47 बजे से |
| | | कुंभ | 02.34 बजे से |
| | | मीन | 04.06 बजे से |

**बुधवार** 2026 वर्ष का 105 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 22.32 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 15.23 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 13.25 बजे को समाप्त। **करण** गर 11.27 बजे तदनन्तर वणिज 22.32 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 09° 42' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872680 **जूलियन दिन** 2461145.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 26 **विशेष** प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि, विषु कानी, कुब्जिका जयंती।

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| लाभ | 05.54 से 07.22 बजे तक | उद्वेग | 05.41 से 07.12 बजे तक |
| अमृत | 07.22 से 08.51 बजे तक | शुभ | 07.12 से 08.44 बजे तक |
| काल | 08.15 से 10.19 बजे तक | अमृत | 08.44 से 10.16 बजे तक |
| शुभ | 10.19 से 11.47 बजे तक | चर | 10.16 से 11.47 बजे तक |
| रोग | 11.47 से 01.16 बजे तक | रोग | 11.47 से 01.19 बजे तक |
| उद्वेग | 01.16 से 02.44 बजे तक | काल | 01.19 से 02.51 बजे तक |
| चर | 02.44 से 04.12 बजे तक | लाभ | 02.51 से 04.23 बजे तक |
| लाभ | 04.12 से 05.41 बजे तक | उद्वेग | 04.23 से 05.54 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगत: भूख और हवन

विंध्य प्रदेश का राजा धार्मिक और दयालु प्रवृति का था। एक बार सूखे के कारण राज्य में अकाल पड़ गया। आदमी और जानवर भूख से तड़पने लगे। चारों तरफत्राहि-त्राहि मच गई। दरबार के आचार्यों ने सुझाव दिया, राजन इस अकाल से छुटकारा पाने के लिए राज्य भर में हवन करना होगा। राजा ने आचार्यों की बात मान ली। राज महल से लेकर गली-गांव तक हवन होने लगे। हजारों टन गेहूं और देसी घी हवन कुंड में जला दिए गए, लेकिन न देवता प्रसन्न हुए और न ही अकाल दूर हुआ। जब राजा की मृत्यु हुई तो यमदूतों ने उसे धर्मराज के सामने पेश किया। उसी समय राजा का एक पुराना नौकर भी धर्मराज के सामने लाया गया था। धर्मराज ने बही खाता देखा और राजा को नरक में तथा नौकर को स्वर्ग में भेजने का आदेश दिया। राजा ने कहा, मैंने हमेशा धर्म का काम किया, फिर मुझे नरक और इस नौकर ने कभी कोई धर्म कर्म नहीं किया, फिर भी इसे स्वर्ग -यह तो अन्याय है। धर्मराज ने कहा, तुम ठीक कहते हो, लेकिन तुम्हारे एक अकर्म ने सभी अच्छे कर्मों को निष्फल कर दिया। सूखे के समय जब जनता को अनाज की सख्त जरुरत थी, तब उस अनाज को जनता में न बांट कर, तुमने उसे कर्मकांड के लिए जला दिया। तुम्हारे अन्न के भंडार भूखों के लिए बंद थे, लेकिन हवन के लिए खोल लिए गए। इससे बड़ा पाप कोई और नहीं हो सकता। इसी अधर्म के कारण तुम्हें नरक मिला है। रही बात नौकर की। उसने कभी पूजा पाठ नहीं किया लेकिन वह भूखा- प्यासा सात दिन तक आप के हवन कुंड के पास इस आशा में बैठा रहा कि हवन के बाद अनाज के जो दाने बिखरे मिल जाएंगे, उससे वह अपनी भूख मिटा लेगा। लेकिन उसे एक दाना नहीं मिला और वह वहीं भूख से मर गया। उसने जब तक तुम्हारे यहां काम किया पूरी मेहनत और ईमानदारी से किया, इसलिए उसको स्वर्ग मिला।

## सूडोकु नवताल- 7482

★☆☆☆☆ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | | | | 8 | | | | 9 |
| | | | | | | | | |
| | | 8 | 6 | | 9 | 5 | | |
| 6 | 5 | | | 4 | | | 7 | 1 |
| | 4 | | | | | | 2 | |
| 1 | 2 | | | 6 | | | 9 | 8 |
| | | 6 | 4 | | 5 | 8 | | |
| | | | | | | | | |
| 9 | | | | 1 | | | | 7 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -7481 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 2 | 4 | | 9 | 7 | 5 | 1 | 6 |
| 3 | 5 | 6 | 1 | 4 | 2 | 7 | 8 | 9 |
| 1 | 9 | 7 | 6 | 5 | 8 | 2 | 3 | 4 |
| 9 | 6 | 2 | 5 | 8 | 3 | 1 | 4 | 7 |
| 5 | 3 | 1 | 4 | 7 | 9 | 8 | 6 | 2 |
| 4 | 7 | 8 | 2 | 1 | 6 | 9 | 5 | 3 |
| 2 | 8 | 3 | 9 | 6 | 1 | 4 | 7 | 5 |
| 6 | 1 | 5 | 7 | 2 | 4 | 3 | 9 | 8 |
| 7 | 4 | 9 | 8 | 3 | 5 | 6 | 2 | 1 |

## शब्द पहेली - 8697



**बाएँ से दाएँ**

1. घूमना-फिरना-4
4. पक्षियों का शोर-4
7. धोखाधड़ी, मक्कारी-5
9. भस्म, खाक -2
11. आज्ञापालक, कर्मचारी-2
12. मगन, लीन-2
13. नेत्रावरण-3
15. त्याग, दक्षिणा-2
16. जीभ, जिव्हा-3
17. मक्खन-3
18. पेड़ का मध्य व मोट भाग-2
19. गर्भ-3
21. निवास, रहना-2
23. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. पानी, नीर-2
25. इच्छा पूर्ति करना-5
29. एक मुस्लिम महीना-4
30. भाग्य, नसीब-4

**ऊपर से नीचे**

1. अनबन, झगड़ा-4
2. भालू-2
3. परिणाम-2
4. प्याला-2
5. बालों का गुच्छा-2
6. वर, इच्छापूर्ति-4
8. नीरज, जलज-3
10. भयानक-5
11. दयालु-5
13. आश्रय, शरण-3
14. करिश्मा, करतब-3
18. तहखाना-4
20. मगरमच्छ-3
22. शलवार, पायजामा-4
25. आनंद-2
26. झुका हुआ-2
27. पत्र, चिट्ठी-2
28. नासिका, घ्राणेंद्रिय-2

### शब्द पहेली -8696 का हल



■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# लांजी में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** नगर में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती धूमधाम और गरिमा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9:00 बजे वार्ड नंबर 7 स्थित बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। प्रतिमा पर माल्यार्पण के दौरान भारतीय बौद्ध महासभा तहसील लांजी के अध्यक्ष प्रमोद कुमार भिमटे, नगर पंचायत अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले, पार्षद सौरभ पशीने और पार्षद विजय गोस्वामी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ ही भारतीय बौद्ध महासभा जिला बालाघाट के संयोजक के.के भलाधरे, भारतीय बौद्ध महासभा जिला बालाघाट के संगठक पी.डी. भलाधरे, नगर शाखा अध्यक्ष कमल मेश्राम, प्रज्ञा महिला मंडल तहसील अध्यक्ष शशि एम.के. बौद्ध और नगर शाखा अध्यक्ष धम्मशीला मेश्राम पी आर गजभिए महासचिव भारतीय बौद्ध महासभा तहसील लांजी ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उपस्थित अनुयायियों द्वारा त्रिशरण पंचशील ग्रहण किया गया और भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर बाबासाहेब के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में बी.आर. रामटेके, लक्ष्मीकांत मड़ामे, बुद्धवर्धन उके, पार्वतीबाई रामटेके, वीणा बाई और आशाताई बोरकर सहित बड़ी संख्या में बाबासाहेब के अनुयाई मौजूद थे।

### सद्भावना रैली और सांस्कृतिक प्रस्तुति

माल्यार्पण के पश्चात वार्ड नंबर 7 अंबेडकर चौक से एक विशाल सद्भावना रैली निकाली गई। यह रैली नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए बुद्ध घोष बुद्ध विहार दखनीटोला में संपन्न हुई। रैली के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भीम गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिससे वातावरण मंगलमय हो गया। तहसील अध्यक्ष प्रमोद कुमार भिमटे ने अपने संबोधन में सभी अनुयायियों को जयंती की शुभकामनाएं देते हुए समाज को संगठित होकर कार्य करने की अपील की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विलास चौरे, वीरेंद्र कुमार हुमने, गौरव भालाधरे, महेश मेश्राम, राजेश भीमटे, चंद्रदीप रामटेके, नेहा बागड़े, संतोष वैद्य, सुरेश बंसोड़, प्रमोद बंसोड़, इंद्रजीत अहिरवार, उज्जवल, अशोक नागदेवे, ऋषभ उके, संदीप बोरकर, राहुल का विशेष सराहनीय योगदान रहा।

# नवांकुर संस्था व यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण में मनाई आम्बेडकर जयंती

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** नवांकुर संस्था यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण एवं जन कल्याण समिति, जन अभियान परिषद कार्यालय लांजी में भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ भीमराव बाबा साहेब अंबेडकर जी 135वॉ जयंती समारोह गरीमामय माहौल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत सर्वप्रथम भारत रत्न डॉं भीमराव आम्बेडकर के छायाचित्र पर संस्था के संचालक व शिक्षको द्वारा माल्यर्पण किया गया व कार्यक्रम की शुरूवात की गयी। संस्था संचालक रमेश आसटकर के द्वारा भारत रत्न डां भिमराव आम्बेडकर के सम्पूर्ण जीवन पर अपने विचार व्यक्त किये। डॉ बाबा साहेब आंबेडकर जयंती भारत में हर साल 14 अप्रैल को मनाई जाती है। यह दिन भारतीय संविधान के निर्माता, समाज सुधारक और महान अर्थशास्त्री डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर को समर्पित है। संस्था में भी यह दिन बेहद श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। बाबा साहब आंबेडकर ने भारत के सामाजिक ढांचे को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और समानता, स्वतंत्रता और न्याय के सिद्धांतों को मजबूत किया। जिन्होंने भारतीय संविधान का निर्माण किया और सामाजिक समानता के लिए संघर्ष किया।डॉ. आंबेडकर को भारतीय संविधान का मुख्य शिल्पकार माना जाता है, जिन्होने भारत को लोकतांत्रिक ढांचा दिया। वे संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे। उन्हें भारतीय संविधान का जनक और मुख्य वास्तुकार कहा जाता है। इस अवसर पर नवांकुर संस्था यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण एवं जन कल्याण समिति लांजी के सचिव रमेश आसटकर एवं संस्था के शिक्षक देवेंद्र क्षीरसागर, भानूप्रताप प्रजापति, शिक्षिका कु श्रुति चौहान तथा यूनिवर्सल कम्प्यूटर इन्टिट्यूट लांजी में अध्यनरत छात्र विनय पशीने, गुलशन मेश्राम, आरजू टेम्भरे, नितेश लिल्हारे, सागर चुटे, और छात्रायें पलवी गजबे, महिमा नारनौरे, साक्षी लिल्हारे, तृप्ती वाकले, अंजली वाकले, ईशा आसटकर आदि उपस्थिति रहे। अंत में सभी को मिष्ठान वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

# देवलगांव में प्रतिमा का अनावरण कर मनाया डॉ बाबा साहेब आंबेडकर की

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के ग्राम पंचायत देवलगांव में डॉ बाबा साहेब अंबडेकर उत्सव समिति एवं समस्त ग्राम वासियों के द्वारा 14 अप्रैल को डॉ भीमराव अंबेडकर जी का 135वाँ जयंती समारोह बौद्ध विहार ग्राम देवलगांव मे आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत 13 अप्रैल को प्रातः 11 डीजे बाजे गाजे तथा जय भीम के नारो के साथ प्रभात फेरी का आयोजन किया गया जो कि संपूर्ण ग्राम का भ्रमण कर बौद्ध विहार में समापन किया गया। इसके उपरांत 14 अप्रैल को होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई तथा नव निर्मित बौद्ध विहार में जयंती समारोह हर्षोल्हास के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आमगांव से पधारे भंते दीपेश नागवंशी के द्वारा विधि पूर्वक नव निर्मित प्रतिमाऐं जिनमें गौतम बुद्ध एवं डॉ बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमाओं का पूजन अर्चन कर अनावरण किया गया। तत्पश्चात बुद्ध वंदना एवं धम्म देशना, विचार संगोष्ठभ्तथागत बुद्ध एवं बाबा साहेब पर अपने विचार अतिथियों के द्वारा रखे गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरपंच श्रीमती पुष्पा कमल किशोर ठाकरे, नीलचंद हरिनखेड़े, देवीलाल चौधरी, भरतलाल वरकड़े, भोजवंती छत्रपाल ठाकरे, संजित ठाकरे, देवराम बागड़े, माणिकदास महाराज सहित समस्त अनुयायी एवं ग्राम वासी उपस्थित रहे। जिनके द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर जी के महान कार्यो पर प्रकाश डालते हुये ग्रामीणो को उनके विशेष कार्यो से अवगत कराया गया तथा क्यों उन्हे भारतीय संविधान का शिल्पकार कहा जाता है इस विषय पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। समिति के अध्यक्ष हुलास राम वाहने,उपाध्यक्ष संजय मेश्राम, सचिव संतोष मेश्राम सहित कार्यक्रम के संयोजक समस्त बौद्ध उपासक एवं उपासिकाओं के द्वारा समस्त आंगतुको का कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिये आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रसादी वितरण भोज का कार्यक्रम समिति के द्वारा आयोजित किया गया था।

# आम्बेडकर जयंती पर समितियों में जारी हुआ सघन सदस्यता अभियान, किसानों को जारी किया क्रेडिट कार्ड





**पद्मेश न्यूज। लांजी।** अंबेडकर जयंती के अवसर पर सहकारी समिति लांजी में कार्यक्रम आयोजित कर सघन सदस्यता अभियान की शुरुआत की गई। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा लांजी अंतर्गत सेवा सहकारी समिति लांजी में यह अभियान प्रारंभ हुआ, जिसका उद्देश्य पात्र गैर-सदस्य किसानों को जोड़कर उन्हें संस्थागत ऋण एवं सहकारी सुविधाओं का लाभ दिलाना है। 14 अगस्त को मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिनव सिंह बघेल एवं उपायुक्त सहकारिता राजेश उइके द्वारा लांजी में किसानों की उपस्थिति में सदस्यता अभियान की शुरुआत की गई। इस दौरान नवीन सदस्यों का फूलमाला एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ अभिनव सिंह बघेल ने कहा कि जिले के सभी कृषि भूमिधारकों को सहकारी समितियों से जोड़ना आवश्यक है, ताकि उन्हें शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पकालीन फसल ऋण एवं कम ब्याज दर पर मध्यमकालीन ऋण मिल सके। साथ ही किसानों को उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक उचित मूल्य पर स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराए जाएंगे। उपायुक्त सहकारिता राजेश उइके ने बताया कि पैक्स सदस्य किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं अभियानों का लाभ प्राथमिकता से मिलेगा। इसके अलावा सदस्य सहकारी संस्था के निर्णयों में भागीदारी कर सकते हैं तथा लाभांश प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वंचित एवं कमजोर वर्गों का भी सशक्तिकरण होगा। सेवा सहकारी समिति लांजी में अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि सहकारी समितियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आधारशिला हैं, जो किसानों को ऋण, कृषि आदान, भंडारण एवं विपणन जैसी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराती हैं। उन्होंने बताया कि अभी भी कई पात्र किसान सदस्य नहीं हैं, जिन्हें इस अभियान के माध्यम से जोड़ा जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान घनश्याम वानखेड़े, कुमारी कचवाहे, ठाकुर प्रसाद, आकाश एड़े, ललीता बाई, दीनाराम, निलेश डहाके, रैजित कटरे, नितिश एड़े आदि सदस्यों को समितियों के सदस्य बनाकर कृषक क्रेडिट कार्ड जारी किया गया। यह सघन सदस्यता अभियान 15 मई तक संचालित किया जाएगा। सभी किसानों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में समितियों की सदस्यता ग्रहण कर सहकारी सुविधाओं का लाभ ले। इस दौरान संस्था प्रबंधक एस बी रहांगडाले, मानिकलाल नगपुरे, आपरेटर नवलबिहारी पालीवाल, आर एल कचवाहे, ईशनलाल एड़े, गिरीश बड़घैया, राधेश्याम लिल्हारे, डी पी महेश्वरे, सुरेश सहारे, प्रमोद उमरे एवं समस्त समितियों के कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

# भीषण गर्मी में अघोषित विद्युत कटौती से आम जनता परेशान

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** लांजी क्षेत्र की जनता इन दिनों विद्युत विभाग की अघोषित विद्युत कटौती से हलाकान नजर आ रहे है। बिना किसी पूर्व सूचना के घंटो बिजली गुल होने से आमजन का जनजीवन अस्त व्यस्त नजर आने लगा है। जैसे जैसे गर्मी का पारा बढते जा रहा है वैसे वैसे बिजली की कटौती विद्युत विभाग की आंख मिचौली प्रारंभ हो गई है। समय पर बिजली नही होने से छोटे बडे व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में ऐसे अनेको व्यापारी है जो कि सीजन के अनुसार शीतल पेय पदार्थ का व्यापार करते है ऐसे मे यदि घंटो बिजली गुल रहती है तो सीधे तौर पर इन व्यापारियों पर असर पड़ता है। इसके अतिरिक्त घरो में पेयजल को लेकर भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। भीषण गर्मी में पानी भी अधिक मात्रा में उपयोग में लाया जाता है जहां बिजली नही होने से घरो में पानी को लेकर परेशानी प्रारंभ हो जाती है। वर्तमान में शुद्ध पेयजल से संबधित भी अनेको व्यापार है जो कि पानी की कैन के माध्यम से घरो एवं व्यापारियों के यंहा पानी का वाटप करते है। लेकिन बिजली नही होने से यह व्यापार भी उस दिन के लिये ठप्प पड़ जाता है। इसके अलावा, गन्ना जुस सेन्टर, आईस्क्रीम सेन्टर, शीतल पेय पदार्थ, लस्सी आदि के व्यापार पर भी सीधा असर बिजली गुल होने से पड़ता है।

### रोजाना घंटो बिजली गुल से परेशानी

लांजी केन्द्र की ही बात की जाये तो बीते दो दिनों से ही विद्युत विभाग के द्वारा घंटो बिजली गुल कर दी गई है। कहीं पैनल शिफटींग का कार्य तो कही 11 केव्ही का तार टूट जाता है तो कही जंफर या डीओ वर्क के चलते बिजली गुल हो रही है। इसके अतिरिक्त घोषित विद्युत कटौती भी की जा रही है। जिसमें मेंटनेंस के नाम पर सुबह से शाम तक बिजली गुल कर दी जाती है। अब जहां 13 एंव 14 अप्रैल को घंटो बिजली गुल होने से जनता को परेशानी का सामना करना पड़ा है वहीं विद्युत विभाग के द्वारा घोषित बिजली कटौती में 18 अप्रैल को पुनः मेंटनेंस के नाम पर संपूर्ण लांजी केन्द्र सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहने की घोषणा की जा चुकी है इसमें समय घटया बढाया जा सकता है जो कि दोपहर से शाम हो जाती है लेकिन विद्युत सप्लाई बहाल नही हो पाता है। ऐसे में परेशानी का सामना सिर्फ जनता को करना पड़ता है।

### वर्तमान में रबी फसलों के लिये पानी की नितांत आवश्यकता

लांजी क्षेत्र जो कि कृषि आधारित क्षेत्र है यहां सर्वाधिक कार्य किसानो के द्वारा अपने अपने खेतो में फसले लगाने का का कार्य किया जाता है। वर्तमान में क्षेत्र के किसानो ने रबी में धान की फसले लगाई है जिसे सर्वाधिक पानी की आवश्यकता होती है ऐसे में यदि बिजली गुल रहेगी तो उन्हे अपने खेतों मे लगी फसलों के लिये पानी कैसे मिलेंगा। और यदि समय पर पानी नही मिला तो भीषण गर्मी में निश्चित रूप से फसलें नष्ट हो जायेगी। किसान हजारो रूपये खर्च करके टीपी कनेक्शन लेता है और कनेक्शन लेने के बाद भी पूर्ण रूप से विद्युत आपूर्ति प्रदान नही की गई तो ऐसे में किसान क्या करे। शासन प्रशासन को चाहिये कि इस विषय को गंभीरता से लेवे जिससे क्षेत्र की जनता एवं किसानों को पूर्ण रूप से विद्युत आपूर्ति की जा सके।

# सिविल अस्पताल लांजी में 1600 ग्राम के नवजात शिशु को उपचार में मिला लाभ

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** सिविल अस्पताल लांजी में लगातार मरीजो को बेहतर उपचार की सुविधाऐं प्राप्त हो रही है। उपस्थित डाक्टर्स एवं स्टाफ के द्वारा लगातार यह प्रयास किया जाता है कि अस्पताल में आये मरीजो को हर संभव सुविधाओं के साथ उपचार प्राप्त हो सके। अत्याधुनिक चिकित्सा प्रणाली के साथ अस्पताल में उपचार किया जा रहा है तथा मरीजो को उपचार का फायदा भी मिल रहा है। इसी क्रम में सिविल अस्पताल लांजी में एक कम वजन के नवजात शिशु बालिका का उपचार एनबीएसयू में रखकर किया जो कि अब स्वस्थ है तथा बालिका एवं माँ को डिस्चार्ज कर दिया गया है। इस संबध में सिविल अस्पताल लांजी के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट के निर्देशन एवं खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ अक्षय उपराडे लांजी के मार्गदर्शन में डॉ अंकित खरोले शिशु रोग विशेषज्ञ द्वारा एन बी एस यु सिविल अस्पताल लांजी में नवजात शिशुओं को भर्ती कर उपचार किया जाता है। बतादे कि ग्राम थानेगांव की निवासी महिला निशा पति अमरलाल घरते जिनका प्रसव दिनांक 09 अप्रेल को हुआ सिविल अस्पताल लांजी में करवाया गया जिन्होने एक कन्या का जन्म दिया इस शिशु का जन्म के समय 1600 ग्राम वजन होने से इसे तत्काल एन बी एस यु में भर्ती किया गया जिसकी लगातार जाँच व् आवश्यक उपचार डॉ अंकित खरोले शिशु बाल रोग विशेषज्ञ द्वारा की गई जिससे शिशु का वजन 100 ग्राम बढ़ गया एवं 5 दिनों के बाद स्वस्थ स्थिति में अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। प्रसूता एवं शिशु की देखभाल अस्पताल के अन्य चिकित्सक दल एवं नर्सिंग स्टाफ के द्वारा की गई। प्रसुता एवं उसके परिजनों के द्वारा सिविल अस्पताल लांजी में पदस्थ डॉ अंकित खरोले एवं स्टाफ का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

# भानेगांव में ट्रांसफार्मर के नीचे लगी आग, भीषण हादसा टला

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम भानेगांव में एक भीषण हादसा स्थानीय नागरिकों की सतर्कता से टल गया जहां बताया जा रहा है कि 14 अप्रैल को शाम करीब 6 बजे भानेगांव के बाजार चौक स्थित ट्रांसफार्मर के नीचे झाड़ियों में अज्ञात कारणो से आग लग गई। अज्ञात कारणो से लगी आग कुछ ही देर में विकराल रूप धारण करने लगी थी क्योंकि भीषण गर्मी का दौर है साथ ही झाड़िया भी सुखी रहती है इसी बीच वहां गुजर रहे पत्रकार रूपेश रावते की नजर आग पर पड़ी और उन्होने तत्काल मामले को गंभीरता से लेते हुये विद्युत विभाग को सूचना दी गई तथा लाईन बंद करने कहा गया ताकि कोई बड़ा हादसा ना घटित हो सके। इसके साथ स्थानीय लोगो के साथ मिलकर आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। जिनमें ऋषि गौतम, प्रहलाद चौधरी, कीर्ति समरिते, आशीष बल्हे, अंकुश बोरकर एवं सिद्धू रंगारी भी मौके पर मौजूद रहे और आग पर नियंत्रण पाने में सहयोग किया। स्थानीय लोगों के अनुसार, यदि समय पर आग पर काबू नहीं पाया जाता तो ट्रांसफार्मर को नुकसान पहुंच सकता था, जिससे पूरे क्षेत्र की बिजली व्यवस्था बाधित होने के साथ ही आसपास की दुकानों और घरों को भी खतरा हो सकता था। वहीं इस संबध में विभाग के अधिकारी से चर्चा की गई तो उन्होने बताया कि अज्ञात कारणो से आग लगने की जानकारी प्राप्त हुई थी समय रहते स्थानीय लोगो की सहायता से आग पर काबू पाया गया है। आग लगने के चलते कुछ विद्युत केबल जले है जिन्हे दुरस्त कर दिया जाकर सुचारू रूप से विद्युत आपूर्ति प्रारंभ कर दी गई।

# सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में अंबेडकर जयंती समारोह आयोजित

## बाबा साहब के विचार देश और समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं - सांसद श्रीमती भारती पारधी

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। अंबेडकर जयंती के अवसर पर सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में भव्य जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं संविधान की प्रस्तावना के वाचन के साथ किया गया। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, शिक्षाविद श्रीमती लता ऐलकर, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, मानव अधिकार कार्यकर्ता श्रीमती फिरोजा खान, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया, विद्यालय के प्राचार्य डॉ. युवराज रहांगडाले सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती भारती पारधी ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने संविधान के माध्यम से देश को समानता, न्याय और अधिकारों की मजबूत नींव प्रदान की है। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उनके विचार आज भी समाज और देश को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। डा अम्बेडकर ने महिलाओं को अधिकार देने के साथ ही उन्हें सशक्त बनाने का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाएं और संविधान में निहित मूल्यों को अपने जीवन में अपनाकर देश के निर्माण में योगदान दें। कार्यक्रम में इंग्लिश मीडियम आश्रम शाला के विद्यार्थियों द्वारा डॉ. अम्बेडकर के जीवन एवं उनके संघर्षों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। वहीं कन्या शिक्षा परिसर गोंगलई की छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समारोह में उत्साह का संचार किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाली शासकीय हाईस्कूल खरखड़ी की छात्रा कु.पाली डोंगरे एवं उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के छात्र करण कनोजे को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संत रविदास स्वरोजगार योजना के अंतर्गत श्रीमती सुषमा बारमाटे को 05 लाख 40 हजार रुपए तथा डॉ. भीमराव अम्बेडकर योजना के अंतर्गत स्वरोजगार के लिए अरूण बारमाटे को 50 हजार रुपए की राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही अंतर जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत कोकिला पति अभिषेक नागवंशी को 02 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

कार्यक्रम को नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर एवं पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 10 से 25 अप्रैल तक चलने वाले नारी शक्ति वंदना पखवाड़े के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में आजीविका मिशन की महिलाओं, आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं बालिकाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर महिला आरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण पर महिला वक्ताओं श्रीमती शीला पटले, इन्द्राणी वरकड़े एवं अन्य महिलाओं ने अपने विचार रखे।

## जनभागीदारी से दिया जल संरक्षण का सशक्त संदेश

### वरूड में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल चौपाल, श्रमदान व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जल संकट की बढ़ती चुनौती को देखते हुए जल संरक्षण एवं संवर्धन को जनआंदोलन का रूप देने की दिशा में ग्राम वरूड में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल चौपाल, स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड कटंगी के मार्गदर्शन में शिव मंदिर स्थित तालाब परिसर में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, अभ्युदय सामाजिक विकास संस्था, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के छात्रा-छात्राओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणजनों की सक्रिय भागीदारी रही। आयोजन के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ सामुदायिक सहभागिता का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य सलाहकार शिवनारायण पटेल ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने श्रमदान, जल स्रोतों की सफाई, पौधारोपण एवं पॉलिथीन मुक्त अभियान को जनसहभागिता से आगे बढ़ाने का आह्वान किया। जनपद पंचायत कटंगी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गायत्री सारथी ने जल ही जीवन है पर जोर देते हुए वर्षाजल संचयन, सोख्ता गड्ढों का निर्माण, कुओं एवं हैंडपंपों की नियमित सफाई तथा जल के अपव्यय को रोकने जैसे व्यवहारिक उपायों की जानकारी दी। जिला समन्वयक सुशील बर्मन ने गांव का पानी गांव में, खेत का पानी खेत में और घर का पानी घर में रोकने की अवधारणा को अपनाने पर बल दिया। वहीं विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र भगत ने तालाब को गांव का अमृत कुंड बताते हुए उसके संरक्षण हेतु सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम के अंतर्गत तालाब के घाट पर श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही सीएमसीएलडीपी विद्यार्थियों ने मेहंदी के माध्यम से जल संरक्षण का अभिनव संदेश देकर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। कार्यक्रम की शुरुआत कलश यात्रा एवं शिव मंदिर में पूजन-अर्चन के साथ हुई। समापन अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई, जिसमें जल स्रोतों की सुरक्षा, वर्षाजल संचयन एवं जल के विवेकपूर्ण उपयोग का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर शिवनारायण पटेल, गायत्री सारथी, सुशील बर्मन, सुरेंद्र भगत सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अरविंद दरवड़े एवं आभार प्रदर्शन राजकुमार व्यौत्रा द्वारा किया गया।

## जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत परसवाड़ा में रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जन अभियान परिषद के निर्देशन में विकासखंड परसवाड़ा के रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सीएमसीएलडीपी छात्र-छात्राओं के बीच रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने आकर्षक रंगोलियों के माध्यम से जल संवर्धन का संदेश प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संध्या भोंडेकर एवं ज्योति ऐडे ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर प्रेमलता वरकड़े (एमएसडब्ल्यू द्वितीय वर्ष) एवं अंजू नागेश्वर (एमएसडब्ल्यू प्रथम वर्ष) रहीं। वहीं तृतीय स्थान सविता उइके (एमएसडब्ल्यू प्रथम वर्ष) को मिला। जिला समन्वयक सुशील बर्मन के निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में परामर्शदाता शोहेंद्र पंचतिलक, इंदर लाल धुर्वे, योगेश्वरी राहगडाले तथा तिम्मेश्वरी शरणागत शामिल रहे। इस अवसर पर बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

## परसवाड़ा में धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार, 14 अप्रैल 2026 को परसवाड़ा में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन म.प्र. जन अभियान परिषद, विकासखंड परसवाड़ा द्वारा शासकीय महाविद्यालय के सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दिलीप सिंह कटरे, जनपद सदस्य करण तेकाम एवं जिला समन्वयक सुशील बर्मन सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। जिला समन्वयक सुशील बर्मन ने स्वागत भाषण देते हुए जन अभियान परिषद की पृष्ठभूमि एवं कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में जनपद सदस्य करण तेकाम ने कहा कि डॉ. अंबेडकर भारतीय संविधान के जनक, महान समाज सुधारक और स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री थे। मह में जन्मे बाबासाहेब ने सामाजिक असमानता और छुआछूत के खिलाफ संघर्ष करते हुए शिक्षा, समानता और बंधुत्व के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्हें वर्ष 1990 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्होंने जल संरक्षण और जनजागरूकता पर भी अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि दिलीप सिंह कटरे ने डॉ. अंबेडकर के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और उच्च शिक्षा प्राप्त कर संविधान निर्माता के रूप में देश को नई दिशा दी। कार्यक्रम का संचालन इंद्रलाल धुर्वे ने किया। इस अवसर पर सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं अंजनी कुमार उइके, संगीता बिसेन, श्वेता कटरे, पर्वत समरत एवं रूपलता एड़े ने अपने विचार व्यक्त किए। सरस्वती वंदना रूपलता एड़े तथा स्वागत गीत अभिन्या मंडलकर द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में परामर्शदाता दिनेश वरकड़े, सोहेंद्र पंचतीलक, योगेश्वरी राहंगडाले, इंद्रलाल धुर्वे सहित प्रस्फुटन समिति, नवांकुर संस्था, ग्राम विकास समिति एवं नारी शक्ति महिला संघ के सदस्यगण एवं जन अभियान परिषद के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

## जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पाथरवाड़ा में 'जल मंदिर प्याऊ' का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिले में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत पाथरवाड़ा में एक सराहनीय पहल की गई। हनुमान मंदिर चौक पर वसुंधरा ग्राम सेवा समिति द्वारा 'जल मंदिर प्याऊ' का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के छायाचित्र का विधिवत पूजन कर की गई। इसके पश्चात 'जल मंदिर प्याऊ' का उद्घाटन श्रीमती गीता लिल्हरे द्वारा विधिवत रूप से किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की ब्लॉक समन्वयक श्रीमती वैजयंती कटरे, मेंटर श्री विजय सूर्यवंशी, श्री हरेंद्र यादव, श्रीमती मालती बिसेन, समिति सचिव श्री ईशु लाल धावड़े एवं श्रीमती पुष्पा धावड़े सहित समिति के अन्य सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण एवं स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित जनों को जल बचाने और जनहित में इस प्रकार के प्रयासों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। यह पहल ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक सहभागिता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

## अंबेडकर जयंती पर शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा में हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के अवसर पर शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा में गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती कुमुद धुवारे एवं बीआरसी कार्यालय बिरसा से नरेन्द्र राहंगडाले ने बाबासाहेब की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के दौरान छात्रा कु. पारुल राहंगडाले ने डॉ. आंबेडकर के जीवन, उनके संघर्ष और समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सीएसी ने विद्यार्थियों को बाबासाहेब के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा शिक्षा को सबसे सशक्त हथियार बनाकर उवल भविष्य निर्माण करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण, समानता एवं सामाजिक समरसता के संकल्प के साथ किया गया। संस्था के प्राचार्य सौरभ कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को बाबासाहेब के विचारों को आत्मसात करने का संदेश देते हुए उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं शिक्षक जयप्रकाश यादव ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराते हुए छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया।

### पश्चिम बंगाल में रायगंज की चुनावी रैली में राहुल गांधी बोले

## भाजपा और आरएसएस कर रहे लोकतंत्र को कमजोर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के रायगंज में चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा वोटों की चोरी कर रहे हैं और देश के लोकतंत्र को कमजोर करने में लगे हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है, जो लोकतंत्र के लिए खतरा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सचेत रहें और अपने अधिकारों की रक्षा करें।

राहुल गांधी ने कहा कि टीएमसी बंगाल में बीजेपी के लिए रास्ता बना रही है। अगर टीएमसी ने अपने कर्तव्यों का सही तरीके से पालन किया होता, तो बीजेपी कोई फैक्टर नहीं होती। पश्चिम बंगाल में हिंसा और अपराध की चर्चा करते समय, हमें आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुए बलात्कार और हत्या के मामले पर भी बात करनी चाहिए। आज बंगाल में टीएमसी के गुंडे मनमानी करते हैं। वे कांग्रेस नेताओं पर हमला करते हैं। हमारे नेता तपन कुंडू की हत्या कर दी गई। भाजपा और टीएमसी के नेता हिंसा की राजनीति में लिप्त हैं, लेकिन कांग्रेस हिंसा के खिलाफ है।

### टीएमसी को सिर्फ अपने फायदे की चिंता है- राहुल

मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और हरियाणा के बाद, भाजपा अब पश्चिम बंगाल में भी वोटों की चोरी करके चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है, और टीएमसी बंगाल में भाजपा को मौका देने के लिए काम कर रही है। मोदी सरकार ने बंगाल को 2 लाख करोड़ रुपए नहीं दिए हैं। एमएनआरईजीए फंड में कटौती की गई है और बजट में पश्चिम बंगाल के लिए कोई परियोजना आवंटित नहीं की गई है। लेकिन टीएमसी को सिर्फ अपने फायदे की चिंता है। उन्हें यहां के लोगों की कोई फिक्र नहीं है।

### अडाणी कंपनी का नाम मोदाणी कंपनी होना चाहिए- राहुल

भाजपा और नरेंद्र मोदी ने एक नई राजनीतिक व्यवस्था बनाई है। इस व्यवस्था में पार्टी का सारा पैसा एक ही जगह रखा जाता है। यह जगह है अडाणी कंपनी। नरेंद्र मोदी ने भाजपा को अडाणी कंपनी से जोड़ दिया है। इसका मतलब है कि भाजपा अडाणी कंपनी के लिए काम करती है और अडाणी कंपनी भाजपा को हर तरह की मदद मुहैया कराती है। इसलिए इस कंपनी का नाम मोदाणी कंपनी होना चाहिए, क्योंकि इसका आधा हिस्सा नरेंद्र मोदी के पास है और आधा अडाणी के पास।

### ट्रंप का नरेंद्र मोदी पर पूरा नियंत्रण है- राहुल

राहुल गांधी ने कहा- अडाणी कंपनी भाजपा की आर्थिक रीढ़ है, और डोनाल्ड ट्रंप इस बात को समझ चुके हैं, इसीलिए उन्होंने अमेरिका में अडाणी के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। आज अडाणी के पास भले ही बहुत पैसा हो, लेकिन वह भारत नहीं छोड़ सकते। अगर अडाणी देश छोड़ते हैं, तो अमेरिका उन्हें गिरफ्तार कर लेगा और मोदी की छवि खराब होगी। इसका मतलब है कि ट्रंप का नरेंद्र मोदी पर पूरा नियंत्रण है।

## पाकिस्तान के आतंक को उजागर करेगा भारत

नई दिल्ली। पिछले साल 22 अप्रैल को पाकिस्तान से आए आतंकवादियों ने पहलगाम में आतंकी हमले को अंजाम दिया था। इसमें 26 निर्दोष नागरिकों की मौत हुई थी। ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर की कोशिश कर पाकिस्तान भले ही दुनिया को मध्यस्थ देश के तौर पर खुद को दिखाने की कोशिश कर रहा है लेकिन भारत उसकी सच्चाई उजागर कर रहा है। पहलगाम आतंकी हमले की बरसी पर वाशिंगटन में भारतीय दूतावास 'आतंकवाद की इंसानी कीमत' थीम पर एक प्रदर्शनी लगाएगा।

सूत्रों के मुताबिक यह प्रदर्शनी अगले हफ्ते शुरू होगी और कैपिटल हिल के पास एक पब्लिक जगह पर होने की संभावना है। हालांकि प्रदर्शनी के बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन इंडियन एक्सप्रेस को पता चला है कि यह प्रदर्शनी पिछले साल 22 अप्रैल को जान गंवाने वाले 26 लोगों पर फोकस करेगी। इसमें 25 भारतीय नागरिक और एक नेपाली नागरिक की मौत हुई थी। प्रदर्शनी में इस भयानक हमले के गुनहगारों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। पाकिस्तान में मौजूद इस्लामी ह-नामित आतंकवादी ग्रुप लश्कर-ए-तैयबा के प्रॉक्सी, द रेजिस्टेंस फ्रंट ने शुरू में हमले की जिम्मेदारी ली थी, हालांकि बाद में अपना बयान वापस ले लिया।

पिछले साल हुआ था पहलगाम आतंकी हमला

22 अप्रैल 2025 को बंदूकों से लैस आतंकवादी, आस-पास के जंगलों से होते हुए एक मशहूर टूरिस्ट जगह बैसरन घाटी में घुस गए। इस हमले को 2008 के मुंबई हमलों के बाद भारत में आम लोगों पर हुआ सबसे खतरनाक हमला माना जाता है।

# आज होगा आरसीबी और सुपर जायंट्स में मुकाबला

बेंगलुरु । आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। इस मैच में जहां आरसीबी अपने घरेलू मैदान में जीत दर्ज करना चाहेगी। वहीं सुपरजायंट्स भी जीत के लिए पूरा प्रयास करेगी। आरसीबी का इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। उसके पास विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार और टिम डेविड जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं। टीम ने अभी तक के मैचों में 200 से अधिक रन बनाये हैं। वह अंक तालिका में भी तीसरे स्थान पर है।

वहीं दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स का अब तक का प्रदर्शन सामान्य रहा है। पिछले मैच में उसे गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हार मिली थी। टीम के कप्तान ऋषभ पंत भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं1 टीम में निरंतरता की भी कमी है। अब सुपर जायंट्स का लक्ष्य किसी भी प्रकार से ये मैच जीतकर अपनी लय हासिल करना होगा।

बेंगलुरु के मशहूर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर बड़े स्कोर बनते हैं। ऐस में इस मैच में रोमांचक मुकाला होना तय है।

अब तक दोनो टीमों के बीच 6 मैच खेले गये हैं जिसमें से आरसीबी ने 4 जबकि सुपर जायंट्स ने 2 जीते हैं।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार (कप्तान), क्रुणाल पंड्या, टिम डेविड, जितेश शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, मंगेश यादव। भुवनेश्वर कुमार, जैकब डफी, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर- देवदत्त पडिक्कल

लखनऊ सुपर जायंट्स

मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, जॉर्ज लिंडे, मोहम्मद शमी, अवेश खान, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव

इम्पैक्ट प्लेयर- आयुष बडोनी

## प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल डेब्यू मैच में ही तीन विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने डेब्यू मैच में ही पहले ओवर में तीन विकेट लेकर प्रफुल्ल हिंगे ने एक नया रिकार्ड बनाया है। प्रफुल ने वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल और लुआन-ड्रे प्रिटोरियस को आउट कर सभी को हैरान कर दिया। इसके साथ ही वह आईपीएल इतिहास में पहले ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने मैच के पहले ओवर में तीन विकेट लिए हैं। हिंगे विदर्भ की ओर से खेलते हैं। इस गेंदबाज ने 13 साल की उम्र से ही गेंदबाजी को बेहतर बनाने का प्रयास शुरु कर दिया था। वह साइकिल से अभ्यास के लिए जाते थे और कई बार स्कूल भी देर से पहुंचते थे। 16 साल की उम्र में उन्हें विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन (वीसीए) अकादमी में प्रवेश लिया। वहीं 19 साल की उम्र में उन्होंने अंडर-19 ट्रायल्स में 36 विकेट लेकर सबको हैरान कर दिया। प्रफुल्ल शुरुआत में बल्लेबाज बनना चाहता थे पर उनके पिता ने कहा कि उसे गेंदबाज बनना चाहिये। पिता की बात मानना इस गेंदबाज के लिए फायदेमंद साबित हुआ और पहले मैच में ही वह सफल रहे। इस युवा की सफलता में परिवार की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पिछले तीन साल से वह आईपीएल के लिए प्रयास कर रहे थे पर चयन नहीं हो रहा था। हैदराबाद ने जब उनको 30 लाख रुपये में खरीदा जिससे उन्हें आईपीएल खेलने का अवसर मिला।卐प्रफुल्ल ने आईपीएल चयन के लिए बहन की शादी के दिन भी अभ्यास किया। बहन की शादी के दिन वह मुंबई टीम के लिए ट्रायल्स दे रहे थे। बहन की शादी के रिसेप्शन के दिन प्रफुल्ल हैदराबाद की टीम के लिए चल रहे ट्रायल्स में शामिल हुए।卐 फर्स्ट क्लास मैचों में 27 विकेट लेकर प्रफुल ने अपने को साबित किया। पिछले साल नवंबर में तमिलनाडु के खिलाफ रणजी मैच के बाद वरुण आरोन ने उन्हें एसआरएच ट्रायल के लिए बुलाया। इसमें उन्होंने पांच विकेट लिए।

## बेंगलुरु या न्यू चंडीगढ़ में खेले जा सकते हैं आईपीएल प्लेऑफ

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ के लिए अभी मैच स्थल घोषित किये जाने हैं। इसके लिए बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ सबसे आगे माने जा रहे हैं। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल अंतिम चरण की मेजबानी के लिए कई बातों पर विचार कर रही है। कई राज्यों में विधानसभा चुनावों को देखते हुए कार्यक्रम की घोषणा में भी देर हो रही है। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे हैं हालांकि अंतिम फैसला कई बातों को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। इसमें लॉजिस्टिक्स, यात्रा की व्यवस्था, ब्रॉडकास्ट की जरूरतें आदि भी इसमें शामिल हैं। आईपीएल के इस सत्र में कुल 74 मैच खेले जाने हैं। जिसमें 70 मैच 13 अलग-अलग स्थलों पर होंगे। इनमें मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, जयपुर, न्यू चंडीगढ़, लखनऊ, अहमदाबाद, गुवाहाटी, रायपुर और धर्मशाला शामिल हैं। अब तक बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कुल पांच लीग मैच हुए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इस बार अपने दो घरेलू मैच रायपुर में खेलेगी। वहीं पंजाब किंग्स को अपने चार मैच घरेलू मैदान मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) में खेलने हैं।

## विराट ने किया बिहू डांस, सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा विडियो

गुवाहाटी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज और पूर्व कप्तान विराट कोहली को कई बार मैदान में फील्डिंग के दौरान भांगड़ा करते देखा गया है पर इस बार विराट गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले से पहले पारंपरिक बिहू नृत्य करते दिखे। इसके बाद तो उनका ये विडियो जमकर वायरल हो रहा है। बिहू असम का पारंपरिक लोकनृत्य है। विराट नरे मैच से पहले अभ्यास सत्र के दौरान कुछ स्टेप्स किए।

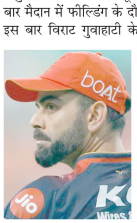



मैच की बात करें तो आरसीबी को इस मैच में राजस्थान के खिलाफ छह विकेट से हार मिली। इस सीजन में यह टीम की पहली हार थी। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 201 का स्कोर बनाये थे। वहीं राजस्थान की टीम ने ध्रुव जुरेल के 81 और वैभव सूर्यवंशी के 78 रनों की सहायता से ये लक्ष्य 18 ओवर में ही आसानी से हासिल कर लिया। कोहली ने इस मैच में 16 गेंद पर 32 रन की तेज पारी खेली पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। इस मैच मे आरसीबी ने सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट और कप्तान रजत पाटीदार की आक्रामक पारी से चार विकेट पर 240 रन बनाये थे। सॉल्ट ने 36 बॉल पर 78 रन बनाए जबकि पाटीदार ने 53 रन बनाये।

## पीएसएल ने मुज़ारबानी पर दो साल का प्रतिबंध लगाया

लाहौर । पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) ने बीच में ही करार तोड़कर जाने के लिए जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुज़ारबानी पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया है। मुज़ारबानी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खेलने के एि पीएसएल छोड़ दिया था। मुज़ारबानी को शुरुआत में आईपीएल में किसी ने नहीं खरीदा था। इसके बाद वह इस्लामाबाद यूनाइटेड की ओर से पीएसएल में शामिल हो गये थे। इससे पहले पिछले सत्र में भी इसी प्रकार दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश पर भी पीएसएल ने एक साल का प्रतिबंध लगा दिया था। वह भी पीएसएल से आईपीएल चले गये थे।

मुज़ारबानी को आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स ने शामिल है। मुज़ारबानी के अलावा स्पेंसर जॉनसन और दसुन शनाका ने भी आईपीएल का हिस्सा बनने के लिए अपने पीएसएल करार तोड़ दिये थे। ऐसे में माना जा रहा है कि इन दोनो पर भी अब प्रतिबंध लग सकता है। पीएसएल की ओर से कहा गया, फ्रेंचाइज़ी-आधारित लीगों में व्यावसायिकता के लिए प्रतिभागियों को पारदर्शिता और निरंतरता के साथ कार्य करने की आवश्यकता होती है। पहले के एक बाध्यकारी समझौते के रहते हुए एक विरोधी समझौते में प्रवेश करना खेल के अपेक्षित मानकों से विचलन का प्रतिनिधित्व करता है। यदि ऐसे आचरण को अनियंत्रित छोड़ दिया जाता है, तो यह लेन-देन की विश्वसनीयता और उस विश्वास को कम करता है जो फ्रेंचाइज़ियाँ, नियामक और हितधारक पेशेवर प्रतिबद्धताओं पर रखते हैं।

## आईपीएल में इस बार विकेटों के लिए तरस रहे बुमराह

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अब तक अच्छा नहीं रहा है। बुमराह की गेंदों को खेलना अच्छे-अच्छे बल्लेबाजों के लिए भी कठिन रहा है पर इस सत्र में वैभव सूर्यावंशी जैसे उभरते हुए बल्लेबाज ने भी उनपर जमकर चौके छक्के लगा दिये हैं। पिछले चार मैचों मैचों से बुमराह विकेट के लिए तरस रहे हैं। ये पहली बार है जब बुमराह इतने कठिन दौर से गुजर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले मैच में भी बुमराह ने विकेट के लिए पूरा जोर लगा दिया पर असफल रहे। इस मैच में बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला।

आरसीबी के खिलाफ टक्कर से पहले बुमराह को पहले तीन मैचों में भी विकेट नहीं मिला था। पहला मैच मैच कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हुआ था जिसमें बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर विकेट नहीं ले पाये। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 4 ओवर में 21 दिये और वह इस मैच में भी विकेट नहीं निकाल पाये।

तीसरे मैच में बुमराह ने राजस्थान के खिलाफ तीन ओवर की गेंदबाजी की और 32 रन दिए पर इस बार भी उन्हें विकेट नहीं मिला। ऐसे में कहा जा रहा है कि आईपीएल में लगता है बुमराह का जादू समाप्त हो गया है। उनके असफल होने से मुम्बई भी लगातार तीन मैचों से हार रही है। आईपीएल में इससे पहले के सत्रां की बात करें तो बुमराह का प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा है। साल 2013 में डेब्यू के बाद से ही उन्होंने अब तक 149 मैचों में 183 विकेट लिए हैं। आईपीएल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10 रन देकर 5 विकेट लेने का रहा है।

ये भी कहा जा रहा है कहीं वह अपनी फिटनेस से समझौता तो नहीं कर रहे। कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनके गेंद की रफ्तार थोड़ी कम दिखी। जिसे लग रहा है कि वह अपनी पूरी ताकत से गेंदबाज़ी नहीं कर रहे थे। ऐसे में सवाल बड़ा ये है कि क्या बुमराह चोट छिपाकर खेल रहे है या फ्रेंचाइजी के दबाव में फिट ना होने के बावजूद मैदान पर उतर रहे हैं1 धीमी रफ्तार से गेंदबाज़ी। बुमराह ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ज्यादा समय बिताया था। वह मुंबई इंडियंस के साथ उनके पहले मैच से ठीक पहले ही जुड़े थे। ऐसे में वह अपने को थोड़ा बचाकर गेंदबाज़ी कर रहे थे जिससे भी कई सवाल उठ रहे हैं।

## पोलार्ड को डगआउट से चिल्लाते देख प्रशसंकों को याद आया टेप वाला मैच

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसबी) के बीच में मुंबई के डगआउट में बैठे बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड को देखकर प्रशंसकों को एक दशक पहले का वो रोमांचक मुकाबला याद आ गया, जब पोलार्ड मुंह पर टेप लगाकर मैदान पर उतरे थे। पोलार्ड ने तब अपने मुंह पर टेप अंपायर के टोकने पर विरोध जताते हुए लगा दिया था। साल 2015 में हुए इस मुकाबले में पोलार्ड की हरकतों से आरसीब के हाथ आई जीत फिसल गयी थी।

तक बैंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 210 रन बनाये थे। ऐसे में आरसीबी को जीत के लिए 211 रनों का लक्ष्य मिला था। मुम्बई जानती थी कि क्रिस गेल के रहते ये लक्ष्य बचाना संभव नहीं है। ऐसे में मुंबई को पता था कि गेल को रोकना है तो उनकी एकाग्रता तोड़नी होगी। ऐसे में मिड-ऑन पर फील्डिंग कर रहे पोलार्ड लगातार कुछ न कुछ बोलते रहे। यहां तक कि बहस होने पर पोलार्ड ने गेल का हेलमेट ही पकड़ लिया। तभी ऐसे में अंपायरों ने हस्तक्षेप कर पोलार्ड को कड़ी चेतावनी दी गई इससे नाराज पोलार्ड ने एक भूरा टेप अपने मुंह पर लगा लिया। साथी खिलाड़ी से बात करते समय वह टेप हटाते थे और फिर वो दोबारा लगा लेते थे।

पोलार्ड की इस अजीब हरकत से सभी हंसने लगे पर इस सबसे से गेल की एकाग्रता टूट गयी। इससे वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाये और 24 गेंदों पर केवल 10 रन बना पाए। इससे टीम शुरुआत में ही रन रेट में पिछड़ गयी और अंत में मैच उसके हाथ से निकल गया। इस मैच में पोलार्ड के इस प्रकार टेप लगाकर खेलने के लिए आलोचना भी हुई थी और कहा जा रहा था कि ये क्रिकेट की भावना के विपरीत है। .

## मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद अभी भी बरकरार

मुम्बई। मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक चार में से एक ही मैच जीती है। उससे लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में प्रशंसक आशंकित हैं कि पांच बार की विजेता इस बार प्लेऑफ में पहुंच पायेगी या नहीं। टीम 4 मैच में तीन हार के बाद अब अंक तालिका में 8वें नंबर नजर आ रही है हालांकि उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बरकरार है। उसे पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद से ही वह लगातार हार रही है। टूर्नामेंट में सभी टीमों को 14-14 मैच खेलने हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस के पास प्लेऑफ में क्वालीफाई करने का अब भी अवसर है। उसे अभी दस मैच खेलने हैं। प्लेऑफ में प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए मुंबई इंडियंस को अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। अंतिम चार में पहुंचने के लिए उसे कुल 16 अंक चाहिये। वहीं अभी उसके 2 अंक ही हैं। ऐसे में टीम को बचे हुए 10 में से सात मैच जीतने होंगे। तभी वह शीर्ष चार में पहुंच सकती है। पहले सत्र में भी मुंबई इंडियंस ने शुरुआती झटकों के बाद वापसी करते हुए प्लेऑफ में जगह बनायी थी।

## आयरलैंड के खिलाफ टी20 में मिल सकती है वैभव को जगह

मुम्बई। वैभव सूर्यवंशी को शीघ्र ही भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिल सकती है। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे वैभव को जून में आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। वैभव इसी के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाल सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे। अभी वैभव की उम्र केवल 15 साल है। अगर उन्हें टीम में जब मिलती है तो वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को भी पीछे छोड़ देंगे। सचिन ने साल 1989 में 16 साल और 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ कराची में अपना टेस्ट डेब्यू में किया था। वहीं कुल मिलाकर देखें तो शेफाली वर्मा भारत के लिए खेलने वाली सबसे युवा क्रिकेटर हैं, जिन्होंने 15 साल, 7 महीने और 27 दिन की उम्र में ये उपलब्धि हासिल की थी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी के अनुसार वैभव आयरलैंड दौरे के लिए दावेदारों में शामिल हैं, और चयनकर्ताओं ने उनके नाम पर भी विचार किया है।

आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम को दो मैचों की टी20आई सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का पहला 26 जून को बेलफास्ट में खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 28 जून को खेला जाएगा। अगर वैभव इस दौरे में सफल रहते हैं तो उन्हें आगामी आयरलैंड सीरीज के साथ-साथ इस साल के अंत में होने वाले ज़िम्बाब्वे दौरे के लिए शामिल किया जा सकता है।

## आईपीएल डेब्यू में पहली ही गेंद पर विकेट लेने का रिकार्ड है ईशांत के नाम

मुम्बई । आजकल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र चल रहा है। साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही आईपीएल के हर सत्र में कई नये रिकार्ड बने हैं। इस लीग में डेब्यू करते ही पहले ही मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने का बड़ा रिकार्ड तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा के नाम है। आईपीएल इतिहास को ये पहला मैच कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बीच खेला गया था। इसमें ईशांत ने अपने पहले ओवर की पहली ही गेंद पर आरसीबी के कप्तान राहुल द्रविड़ को आउट कर पेवेलियन भेज दिया। द्रविड़ इस मैच में 3 गेंदों पर 2 रन ही बना पाये। इस मुकाबले में आरसीबी की टीम केवल 82 रन ही बना पायी। इस दौरान प्रवीण कुमार के अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज दो अंकों से ऊपर नहीं जा पाया।

## बल्लेबाजों और गेंदबाजों की विफलता के कारण सनराइजर्स के खिलाफ हारे - रियान

हैदराबाद। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने आईपीएल के इस सत्र में मिली पहली हार पर निराशा जतायी है। पराग ने कहा है कि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इस मैच में मिली हार के कई कारण रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण बल्लेबाजों और गेंदबाजों का विफल रहना भी है। इस मैच में उनकी टीम के गेंदबाज सनराइजर्स के बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये। वहीं बल्लेबाजी के दौरान यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल पहले ओवर में ही आउट हो गए जिससे उनकी टीम को हार झेलनी पड़ी। पराग ने कहा, हमारी हार कई कारणों से हुई। इस मैच में गेंद की गति भी हमारे बल्लेबाज नहीं समझ पाये। गेंद जिस गति से आ रही थी उसे देखकर हम हैरान रह गए थे। मुझे लगता है कि वैभव को गेंद के थोड़ा तेज गति से आने की उम्मीद थी पर वह रुककर आई। ध्रुव के साथ भी ऐसा ही हुआ, गेंद अंदर की ओर मुड़ी। यशस्वी के साथ भी ऐसा ही हुआ। पराग ने कहा, मुझे बहुत ही फुललेंथ गेंद मिली जिसे मैं खेल नहीं पाया। मैं यह नहीं कहूंगा कि हमारी किस्मत खराब भी पर कई ऐसे कारण थे जिससे हम अपने शॉट सही से नहीं लगा पाए। इसके अलाव उनके गेंदबाज भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने अच्छी शुरुआत की थी पर बीच के ओवरों में लय नहीं बनाये रख पाए। मुझे लगता है कि हम बेहतर विकल्प ढूंढ सकते थे, विकेट का थोड़ा और इस्तेमाल कर सकते थे जिसमें वह असफल रहे।

## कमिंस आज फिटनेस टेस्ट पास हुए तो 17 को सनराइजर्स से जुड़ेंगे

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस 17 अप्रैल को अपनी टीम से जुड़ने की संभावना है। ऐसे में वह 18 अप्रैल को होने वाले मैच में खेल सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार कमिंस बुधवार को फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे। अगर वह इसे पास कर लेते हैं तो उनको खेलने की अनुमति मिल जाएगीहै। उम्मीद है कि कमिंस 17 अप्रैल को हैदराबाद लौट आएंगे। आईपीएल सीज़न शुरू होने से पहले, कमिंस ने उम्मीद जताई थी कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो वह टूर्नामेंट के दूसरे चरण में खेलेंगे। उन्होंने कहा था, मैं वापस गेंदबाजी कर रहा हूं। फिलहाल मैं हर तीसरे दिन गेंदबाजी कर रहा हूं। इसलिए उम्मीद है कि अगर सब कुछ इसी प्रकार चला तो मैं दूसरे हाफ के साथ-साथ फाइनल भी खेल पाऊंगा। कमिंस 27 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पहले मैच से एक दिन पहले ही भारत पहुंचे थे। इसके बाद, कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ दूसरे मैच के बाद 2 अप्रैल को वह ऑस्ट्रेलिया लौट गए थे। कमिंस अगर वापसी करते हैं तो ये सनराइजर्स के लिए राहत की बात होगी। उनकी कप्तानी और अनुभव से टीम का हौंसला बढ़ेगा। अभी उनके नहीं होने से ईशान किशन टीम की कप्तानी कर रहे हैं।

## अभिषेक, दीप्ति सहित छह भारतीय क्रिकेटरों को मिले विजडन अवार्ड

लंदन। अभिषेक शर्मा और दीप्ति शर्मा सहित छह भारतीय क्रिकेटरों ने विजडन अल्मनैक 2026 पुरस्कारों में 9 में से 7 पुरस्कार जीते हैं। अभिषेक शर्मा को वर्ष का टी20 पुरुष क्रिकेटर। वहीं दीप्ति को वर्ष की महिला क्रिकेटर का अवार्ड मिला है। अभिषेक ने साल 2025 के सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस सत्र में उन्होंने 21 मैचों में 193 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 859 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं दीप्ति ने पिछले साल आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप में 22 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस ऑलराउंडर के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला खिताब जीता था। दीप्ति ने 9 मैचों में 3 अर्धशतकों की मदद से 215 रन भी बनाए थे। इसके अलावा भारत के शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा को भी इंग्लैंड में हुई टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए विजडन के वर्ष के पांच क्रिकेटरों में शामिल किया गया है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क विश्व के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुने गये हैं। उनके अलावा इंग्लैंड के बल्लेबाज हसीब हमीद थे को भी चार भारतीय खिलाड़ियों के साथ वर्ष के पांच सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में भी जगह मिली है।

शुभमन को पिछले साल टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड दौरे पर सबसे अधिक 754 रन बनाए और पांच मैचों की सीरीजको 2-2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका के लिए पुरस्कार दिया गया । जड़ेजा ने भी पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था।

## धोनी फिट हुए, 19 अप्रैल को सनराइजर्स के खिलाफ मैच से कर सकते हैं वापसी

मुम्बई। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी फिट हो गये हैं और उनके 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से होने वाले मैच से वापसी की संभावनाएं हैं। धोनी के नहीं होने से सीएसके काफी कठिन हालातों से गुजर रही है। उसे शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में धोनी के प्रशंसक चाहते हैं कि वह शीघ्र वापसी करें। प्रशंसकों को उम्मीद थी वह वह मंगलवार को केकेआर के खिलाफ मैच में उतरेंगे पर प्रबंधन ने इससे इंकार करते हुए कहा था कि वह धोनी की फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता।

44 साल के धोनी 2026 सत्र की शुरुआत से ही पिंडली की चोट परेशान रहे हैं। उनके बाहर होने से सीएसके टीम में नेतृत्व क्षमता और फिनिशिंग की कमी दिखी। इसी कारण सीएसके इस बार अंक तालिका में भी काफी नीचे हैं। उनके नहीं होने से विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संजू सैमसन निभा रहे हैं। सीएसके की मेडिकल टीम धोनी को जल्दबाजी में पूरी समय मैदान पर उतारने का खतरा मोल नहीं लेना चाहती है। एमएस धोनी 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिाफ खेल सकते हैं पर ये तय है कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर ही उतरेंगे। वैसी भी धोनी पिछले आईपीएल सत्र से ही अंतिम ओवरों में उतरने के बाद भी मैच का रुख बदल देते हैं।

## सैमसन को मिला आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड मिला है। सैमसन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में शानदार रहा है। उन्होंने मार्च में टी20 विश्व कप 2026 में भी भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सैमसन को पहली बार ये खिताब मिला है। सैमसन ने टी20 विश्वकप में लगातार तीन अर्धशतक लगाये थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ प्लेऑफ में उन्होंने 97 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़े अंतर से जीत दिलायी थी।

# नारी शक्ति नेतृत्व का नवयुग

# 'नारी शक्ति वंदन' सम्मेलन

15 अप्रैल, 2026 | रवीन्द्र भवन, भोपाल

## मुख्य अतिथि

## डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण सुनिश्चित करने वाला **'नारी शक्ति वंदन अधिनियम'** नारी शक्ति के सम्मान, स्वाभिमान और सशक्त भविष्य का ऐतिहासिक संकल्प है। इस युगांतरकारी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री जी का हृदय से **अभिनंदन एवं आभार**"

**डॉ. मोहन यादव**
**मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश**

*सशक्त नारी, सशक्त देश*

**राज्य स्तरीय नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा**
**(10 -25 अप्रैल 2026)**

D11006/26

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

# 2 अलग-अलग सड़क दुर्घटना में 2 की मौत

**शादी में शामिल होने जा रही महिला को चौपहिया वाहन ने रौंदा, तो वाहन फिसलने से हुई व्यक्ति की मौत, लामता और नवेगांव थाना क्षेत्र का मामला,जांच में जुटी पुलिस**





सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बीती रात दो अलग-अलग थाना क्षेत्रो हुई सड़क दुर्घटना में एक महिला सहित एक पुरुष की मौत हो गई।यह हादसा उस वक्त हुआ जब वे शादी समारोह में शामिल होने के लिए अपने अपने घर से विवाह स्थल जा रहे थे।यह घटना सोमवार की देररात तकरीबन 10 से 11 बजे के दरमियान की बताई गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार लामता थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटेगांव के समीप मोटरसाइकिल फिसलने से कटेगांव निवासी 25 वर्षीय चंद्रप्रकाश पिता सुरपाल टेकाम गंभीर रूप से घायल हो गया,जिसने उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुँचने के पूर्व ही रास्ते मे दम तोड़ दिया।तो वही ग्रामीण थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नवेगांव और ग्राम नेतरा के बीच एक अज्ञात चौपहिया वाहन की चपेट में आने से थाना हट्टा ग्राम सिंगोड़ी निवासी 52 वर्षीय महिला उमेश्वरी पति शेषराम सुलाखे की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों ही शवो का मंगलवार की सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

### भाई के साथ विवाह में शामिल होने कुम्हारी आ रहा था चंद्रप्रकाश

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना लामता ग्राम कटेगांव निवासी चंद्रप्रकाश टेकाम खेती बाड़ी के साथ साथ खाली समय मे मजदूरी का भी काम करता था।बताया गया कि सोमवार की रात चंद्रप्रकाश अपने 18 वर्षीय भाई कृष्णा टेकाम के साथ, शादी समारोह में शामिल होने कटेगांव से कुम्हारी आ रहा था। इस दौरान ही गांव के पास वाहन के अनियंत्रित होकर पलट जाने से दोनो भाई चंद्रप्रकाश और कृष्णा सड़क पर गिरकर घायल हो गए।घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगो की मदद से दोनो घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया। यहां, चिकित्सक ने चंद्रप्रकाश को मृत घोषित कर दिया। जबकि इस सड़क दुर्घटना में कृष्णा को मामूली चोट आई थी, जिसका प्राथमिक उपचार कर उसे डिस्चार्ज कर दिया गया।

### शादी में शामिल होने नैतरा गांव आ रही थी महिला फोरव्हीलर की ठोस से मौके पर मौत

सड़क हादसे का दूसरा मामला ग्रामीण थाना अंतर्गत नवेगांव और नैतरा के बीच का है, जहां विवाह समारोह में शामिल होने जा रही हट्टा के ग्राम सिंगोड़ी निवासी उमेश्वरी पति शेषराम सुलाखे को चौपहिया वाहन ने टक्कर मार दी।बताया गया कि उमेश्वरी मोटर सायकिल से नैतरा गांव में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने जा रही थी। जिसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

### पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर देर रात चिकित्सक से मर्ग तहरीर मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर दोनो शवो को अपने कब्जे में लिया और मर्चुरी में सुरक्षित रखवा दिया।जिसके अगले दिन मंगलवार की सुबह परिजनों के बयान दर्ज कर अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की गई। वहीं मर्ग कायम कर दोनो शवो का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही अग्रिम जांच के लिए डायरी संबंधित थाना पहुंचाई गई है। जिसकी जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

# संदिग्ध अवस्था मे फांसी लटका मिला युवक का शव

**शव के बंधे थे दोनों पैर, दूर पड़ा था जुता और मोबाईल**
**फार्महाउस में सुपरवाइजर था प्रकाश, एक दिन पूर्व हुआ था लापता**
**परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, बैहर के ग्राम सहेजना का मामला**

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** बैहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सहेजना के ग्राम मोतीटोला झाड़ियों में पुलिस ने एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था मे फाँसी में लटका हुआ बरामद किया है।मृतक युवक का नाम प्रकाश चौरठे उम्र 35 वर्ष ग्राम झांगुल मोतीटोला निवासी बताया गया हैं।जिसके परिजनों द्वारा हत्या की आंशका जताई गई है।



### फार्महाउस में सुपरवाइजर था प्रकाश, एक दिन पूर्व हुआ था लापता

प्राप्त जानकारी अनुसार, मृतक युवक प्रकाश चौरठे मोतीटोला में फार्महाऊस में सुपरवाइजर का काम करता था।बताया गया उक्त फार्महाउस में अगरबत्ती बनती है और सब्जी की खेती होती है। जहां पर वह रोजाना सुपरविजन के कार्य के लिए जाता था।बताया गया कि युवक की शादी हुए करीब 9 साल हो गए थे लेकिन उसे कोई संतान नहीं है। प्रतिदिन की तरह प्रकाश 13 अप्रैल की सुबह फार्महाऊस में कार्य करने के लिए गया, 5 बजे करीब फार्महाऊस में मोटर पंप को बंद करने के लिए मशनी नाला में गया हुआ था। लेकिन वह वापस लौटकर नहीं आया।जिसपर मजदूरों ने परिजनों को जानकारी दी, परिजनों ने उसकी तलाशी शुरू कर दी। देर रात्रि तक परिजनों ने ग्रामीणों के सहायोग से तलाशा लेकिन प्रकाश का कहीं पता नहीं चला।जिसपर परिजनों द्वारा बैहर पुलिस को प्रकाश के गुम होने की सुचना दी गई थी।

### फाँसी में लटके शव के बंधे थे दोनो पैर

बताया गया कि रात भर तलाश करने के बाद अगले ही दिन 14 अप्रैल की सुबह पुनः नाला की ओर प्रकाश की तलाश की गई, तो प्रकाश के दोनों पैर बंधे हुए और झाडियों में बैल बांधने के रस्से से फांसी पर लटका हुआ पाया गया। वहीं उसके कुछ दूरी पर मोबाईल था और किसी अन्य का गमछा, हेडफोन और हाथ का कड़ा पाया गया।संदिग्ध अवस्था में फाँसी पर लटका शव मिलने पर उनके परिजनों द्वारा प्रकाश की हत्या किए जाने की आशंका जताई गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस परिस्थिति में शव मिलने से प्रतित होता हैं कि किसी अन्य लोगों द्वारा प्रकाश की हत्या कर उसे फांसी के फंदे पर लटका दिया होंगा।उधर सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची एसएफएल टीम ने जांच के उपरांत आवश्यक कार्यवाही की, वही पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के उपरांत शव बरामद कर मर्ग कायम किया। वहीं परिजनों के बयान दर्ज कर अन्य आवश्यक कार्यवाही के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई

### किसी ने प्रकाश की हत्या की होंगी- विनोद

मृतक के चाचा विनोद चौरठे ने बताया कि प्रकाश कम्पनी में काम करता था, आज सुबह नाला के पास में झाडियों में उसका शव फाँसी के फंदे पर लटका मिला है, प्रकाश के पैर बंधे हुए थे, मोबाइल भी दुर पड़ा था,वही अन्य किसी व्यक्ति का गमछा और हेड फोन भी घटना स्थल पर पाया गया है, हमें आशंका है कि किसी ने प्रकाश की हत्या कर उसे फांसी के फंदे पर लटका दिया गया है।पुलिस को जांच करनी चाहिए।

### पीएम रिपोर्ट और तथ्यों के आधार पर होगी आगामी कार्यवाही -मर्सकोले

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बैहर थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ने युवक की मौत को प्रथम दृष्टिया आत्महत्या बताया है। उन्होने बताया कि प्रथम दृष्या आत्महत्या प्रतित होती हैं।पीएम रिपोर्ट और जांच उपरांत जो भी तथ्य सामने आएगे उसी आधार पर आगामी कार्यवाही की जाएगी।

# नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को आजीवन कारावास, न्यायालय ने सुनाया फैसला

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिले के थाना कटंगी क्षेत्र में नाबालिग बालिका के अपहरण एवं दुष्कर्म के गंभीर मामले में माननीय न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए कठोर सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी आयुष उर्फ लक्की शेण्डे को आजीवन कारावास एवं अर्थदंड से दंडित किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस मामले में थाना कटंगी में



वर्ष 2021 के एक अपराध में धारा 366 ए, 376, 376(2)(एन) भारतीय दंड संहिता तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 5(एल) सहपठित धारा 6 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा विस्तृत जांच की गई।

प्रकरण की विवेचना उपनिरीक्षक केनसिंह धुर्वे द्वारा की गई। उन्होंने सुदृढ़ एवं ठोस साक्ष्य संकलित कर समय-सीमा के भीतर आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया, जिसके आधार पर मामले की सुनवाई आगे बढ़ी। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ऋतुराज कुमरे ने प्रभावी पैरवी की। यह पूरी प्रक्रिया जिला लोक अभियोजन अधिकारी कपिल कुमार डेहरिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश कविता इवनाती (पॉक्सो एक्ट), वारासिवनी द्वारा की गई। सत्र प्रकरण क्रमांक एससी 47/2021 में सभी पक्षों को सुनने और साक्ष्यों के परीक्षण के बाद न्यायालय ने आरोपी आयुष उर्फ लक्की शेण्डे 24 वर्ष, निवासी ग्राम उमरी, तहसील कटंगी को दोषी पाया। न्यायालय ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा के साथ 2000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड अदा नहीं करने की स्थिति में आरोपी को अतिरिक्त 3 माह का कठोर कारावास भुगतने का आदेश भी दिया गया है। इस मामले में पुलिस की प्रभावी विवेचना और अभियोजन पक्ष की सशक्त पैरवी के चलते आरोपी को कड़ी सजा दिलाई जा सकी। न्यायालय के इस फैसले को बाल संरक्षण के मामलों में एक महत्वपूर्ण निर्णय के रूप में देखा जा रहा है, जो समाज में ऐसे अपराधों के खिलाफ कड़ा संदेश देता है।

# कृषि भूमिधारक बनें समिति के सदस्य- सीईओ बघेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अंबेडकर जयंती के अवसर पर जिले में सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में सघन सदस्यता अभियान की शुरुआत की गई। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट अंतर्गत 17 शाखाओं की 131 पैक्स समितियों में यह अभियान प्रारंभ हुआ, जिसका उद्देश्य पात्र गैर-सदस्य किसानों को जोड़कर उन्हें संस्थागत ऋण एवं सहकारी सुविधाओं का लाभ दिलाना है। यह अभियान कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना के मार्गदर्शन में प्रारंभ हुआ। मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिनव सिंह बघेल एवं उपायुक्त सहकारिता राजेश उइके द्वारा लांजी, गढ़ी सहित विभिन्न समितियों में किसानों की उपस्थिति में सदस्यता अभियान की शुरुआत की गई। इस दौरान नवीन सदस्यों का फूलमाला एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ अभिनव सिंह बघेल ने कहा कि जिले के सभी कृषि भूमिधारकों को सहकारी समितियों से जोड़ना आवश्यक है, ताकि उन्हें शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पकालीन फसल ऋण एवं कम ब्याज दर पर मध्यमकालीन ऋण मिल सके। साथ ही किसानों को उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक उचित मूल्य पर स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराए जाएंगे। उपायुक्त सहकारिता राजेश उइके ने बताया कि पैक्स सदस्य किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं अभियानों का लाभ प्राथमिकता से मिलेगा। इसके अलावा सदस्य सहकारी संस्था के निर्णयों में भागीदारी कर सकते हैं तथा लाभांश प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वंचित एवं कमजोर वर्गों का भी सशक्तिकरण होगा।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464


स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
**प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट